हिन्दी दैनिक

प्रत्यूष नवबिहार

जोहार

रांची संस्करण

www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com

रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित

रांची • सोमवार • 16.02.2026 • वर्ष : 16 • अंक : 202 • पृष्ठ : 12 • आमंत्रण मूल्य : ~~3 रुपये~~ 2 रुपये   RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902

मुख्यमंत्री महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर पहाड़ी मंदिर में आयोजित महाशिवरात्रि महोत्सव में हुए शामिल

भगवान भोलेनाथ की मुख्यमंत्री ने की पूजा-अर्चना, राज्य की सुख-समृद्धि की कामना

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : बम बम भोले ... हर हर महादेव... के जयघोष के बीच मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन रविवार को महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर राजधानी रांची के ऐतिहासिक पहाड़ी मंदिर में आयोजित महाशिवरात्रि महोत्सव में सम्मिलित हुए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने पारंपरिक विधि - विधान से भगवान भोलेनाथ की पूजा- अर्चना कर राज्य की उन्नति, सुख- समृद्धि- शांति और खुशहाली की कामना की। उन्होंने राज्य वासियों को इस महापर्व की शुभकामनाएं दी और कहा कि आप सभी पर बाबा भोलेनाथ का आशीर्वाद सदैव बना रहे।

महाशिवरात्रि पर पहाड़ी मंदिर में उमड़ती है श्रद्धालुओं की भीड़

मुख्यमंत्री ने कहा कि महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर ऐतिहासिक पहाड़ी मंदिर में हर वर्ष श्रद्धा और आस्था का सैलाब उमड़ता है। इस वर्ष भी यहां हजारों -हजार की संख्या में श्रद्धालु भगवान भोलेनाथ के दर्शन और पूजा -अर्चना के लिए पहुंच रहे हैं। मैं यहां आये सभी श्रद्धालुओं का हार्दिक अभिनंदन करता हूं और भगवान भोलेनाथ से उनके खुशहाल जीवन की कामना करता हूं। आप सभी इस महापर्व को पूरे हर्षोल्लास के साथ मनाएं। श्री शिव बारात आयोजन महासमिति, पहाड़ी मंदिर, रांची द्वारा मुख्यमंत्री का परंपरानुसार स्वागत और अभिनंदन किया गया।

महाशिवरात्रि पर रांची के शिवालयों में उमड़ी रही श्रद्धालुओं की भीड़

रांची : महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर झारखंड की राजधानी रांची के शिवालयों में रविवार सुबह से ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ रही है। शहर के प्रसिद्ध पहाड़ी मंदिर सहित अन्य प्रमुख मंदिरों में शिव भक्तों का तांता लगा हुआ है। श्रद्धालु भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक कर अपने और परिवार की सुख-समृद्धि, स्वास्थ्य एवं शांति की कामना कर रहे हैं। महाशिवरात्रि के अवसर पर पहाड़ी मंदिर, कोकर शिव मंदिर, बूटी मोड़, लालपुर, बरियातू, चुटिया स्थित सुरेश्वर धाम, नामकुम के मराशिली पहाड़, हिनू, डोरंडा और धुर्वा सहित शहर के विभिन्न शिवालयों में सुबह से ही भक्तों की लंबी कतारें देखने को मिल रही हैं। मंदिर परिसरों में बज रहे शिव भजनों और "हर-हर महादेव" के जयघोष से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया है। पहाड़ी मंदिर में सुबह सरकारी पूजा संपन्न होने के बाद आम श्रद्धालुओं के लिए मंदिर के कपाट खोल दिए गए। इसके बाद बड़ी संख्या में भक्तों ने भगवान शिव का जलाभिषेक किया। मंदिर प्रबंधन के अनुसार, अब तक लगभग 35 हजार श्रद्धालु बाबा भोलेनाथ पर जल अर्पित कर चुके हैं। श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए जिला प्रशासन और मंदिर प्रबंधन ने विशेष इंतजाम किए हैं।

टी20 विश्व कप में भारत का दमदार प्रदर्शन

पाकिस्तान को दिया 176 रनों का लक्ष्य

एजेंसी

कोलंबो : भारत और पाकिस्तान के बीच रविवार को कोलंबो के आर प्रेमदासा स्टेडियम में टी20 विश्व कप मैच खेला जा रहा है। भारत ने कोलंबो के आर प्रेमदासा स्टेडियम में पाकिस्तान के खिलाफ टी20 विश्व कप मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 7 विकेट खोकर 175 रन बनाए। ईशान किशन ने सर्वाधिक 77 रन बनाए। भारत के लिए ईशान किशन ने सर्वाधिक 77 रन बनाए।

पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम को पहले ही ओवर में बड़ा झटका लगा। टीम के सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा बिना खाता पवेलियन लौट गए। कप्तान सलमान अली आगा ने उन्हें आउट किया। पावरप्ले में भारत ने एक विकेट खोकर 52 रन बनाए। ईशान किशन ने 27 गेंद में अर्धशतक जड़ा है। ईशान किशन ने 40 गेंद में 77 रन की पारी खेली। उन्होंने 10 चौके और तीन छक्के लगाए। उस्मान तारिक को 11वें ओवर में गेंदबाजी का मौका मिला, उन्होंने अपने पहले ओवर में 6 रन दिए। तिलक वर्मा 24 गेंद में 25 रन ही बना सके। हार्दिक पांड्या पहली ही गेंद पर बड़ा शॉट लगाने के प्रयास में कैच आउट हुए। सूर्यकुमार यादव ने 29 गेंद में 32 रन का योगदान दिया। शिवम दुबे 17 गेंद में 27 के स्कोर पर रन आउट हुए। अक्षर पटेल पहली गेंद पर कैच आउट हुए। पाकिस्तान के लिए साइम आयूब ने तीन, उस्मान, शाहीन और सलमान को एक-एक विकेट मिला।

पाकिस्तान ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया है। कप्तान सलमान अली आगा ने बताया है कि पाकिस्तान ने प्लेइंग इलेवन में कोई बदलाव नहीं किया है, जबकि भारतीय टीम ने दो बदलाव किए हैं। संजू सैमसन की जगह अभिषेक शर्मा को मौका मिला है, जबकि अर्शदीप के स्थान पर कुलदीप यादव खेल रहे हैं। अभिषेक पेट में संक्रमण के कारण नामीबिया के खिलाफ पिछले मैच में नहीं खेल पाए थे।

टी20 विश्व कप के इतिहास में भारतीय टीम ने पाकिस्तान के खिलाफ बड़े अंतर से दबदबा बनाया हुआ है। टी20 विश्व कप में दोनों टीमों के बीच अब तक कुल 8 मुकाबले खेले हैं, जिसमें से भारत ने सात जीते हैं और एक मुकाबला पाकिस्तान ने अपने नाम किया है। पाकिस्तान ने विश्व कप में पिछली बार भारत को 2021 में 10 विकेट से हराया था। वहीं भारत ने न्यूयॉर्क में खेले गए पिछले विश्व कप में पाकिस्तान के खिलाफ 6 रनों की रोमांचक जीत हासिल की थी।

सूर्यकुमार यादव के नेतृत्व वाली भारतीय टीम ने अपने पहले मुकाबले में अमेरिका को 29 रनों से हराकर टूर्नामेंट का विजयी आगाज किया था। वहीं सलमान अली आगा की अगुवाई में पाकिस्तान ने नीदरलैंड को करीबी मुकाबले में तीन विकेट से मात दी थी। दूसरे मैच में भारत ने नामीबिया को 93 रनों से करारी शिकस्त दी थी।

एक नजर

22 अप्रैल को खुलेंगे केदारनाथ धाम के कपाट

उखीमठ/रुद्रप्रयाग : ग्यारहवें ज्योतिर्लिंग केदारनाथ धाम के कपाट इस वर्ष यात्रा के लिए 22 अप्रैल को वृष लग्न में प्रात: 8 बजे से श्रद्धालुओं के दर्शनार्थ खोल दिए जाएंगे। इसका निर्णय महाशिवरात्रि के दिन परंपरानुसार शीतकालीन गद्दीस्थल ओंकारेश्वर मंदिर, उखीमठ में एक बैठक में पंचांग गणना के उपरांत लिया गया। रविवार को ओंकारेश्वर मंदिर, उखीमठ में विद्वान आचार्यों, हक-हकूकधारियों तथा बदरी-केदार मंदिर समिति के पदाधिकारियों की उपस्थिति में केदारनाथ धाम के कपाट खोलने की तिथि और समय तय किया गया। परंपरा के अनुसार निर्धारित तिथि से पूर्व बाबा केदार की पंचमुखी डोली केदारपुरी के लिए प्रस्थान करेगी। बीकेटीसी मीडिया प्रभारी के अनुसार पंचमुखी डोली के प्रस्थान से पूर्व 18 अप्रैल को उखीमठ में भैरवनाथजी की पूजा-अर्चना होगी। 19 अप्रैल को डोली उखीमठ से फाटा के लिए प्रस्थान करेगी, 20 अप्रैल को गौरीकुंड में रात्रि प्रवास तथा 21 अप्रैल को केदारनाथ धाम पहुंचेगी। इसके बाद 22 अप्रैल को प्रात: 8 बजे विधि-विधान से कपाट खोले जाएंगे।

फ्रांस के साथ छठा रक्षा संवाद कल, हैमर मिसाइल समझौते पर हस्ताक्षर संभव

नयी दिल्ली : रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह मंगलवार को बेंगलुरु में फ्रांस के साथ छठे भारत-फ्रांस वार्षिक रक्षा संवाद की सह-अध्यक्षता करेंगे। इस बैठक में फ्रांस की सशस्त्र बल मंत्री कैथरीन वौत्रिन भी शामिल होंगी। रक्षा मंत्रालय के अनुसार, बैठक में दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग की समीक्षा होगी और रक्षा औद्योगिक सहयोग बढ़ाने पर विशेष जोर रहेगा। बैठक में रक्षा सहयोग समझौते को अगले 10 वर्ष के लिए नवीनीकरण किया जा सकता है। हैमर मिसाइल के संयुक्त निर्माण के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर होने की संभावना है।

मोदी की जगह ओम बिड़ला जाएंगे बांग्लादेश तारिक रहमान के शपथ ग्रहण में होंगे शामिल

एजेंसी

नयी दिल्ली : बांग्लादेश के नवनिर्वाचित प्रधानमंत्री तारिक रहमान के शपथ ग्रहण समारोह में भारत की तरफ से लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला प्रतिनिधित्व करेंगे। यह जानकारी भारतीय विदेश मंत्रालय की तरफ से साझा की गई है। इससे पहले कयास लगाए जा रहे थे कि पीएम मोदी बीएनपी अध्यक्ष के शपथ ग्रहण में शामिल होने के लिए पड़ोसी देश का दौरा कर सकते हैं। लेकिन भारत में एआई इम्पैक्ट समिट के आयोजन और कई देशों के गणमान्य अतिथियों के आगमन समेत अन्य प्रस्तावित कार्यक्रम में व्यस्तता के कारण पीएम मोदी बांग्लादेश नहीं जा सकते हैं। पीएम मोदी का 17 फरवरी को मुंबई में फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के साथ द्विपक्षीय बैठक का कार्यक्रम पहले से तय है।

विदेश मंत्रालय की तरफ से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, लोकसभा स्पीकर ओम बिड़ला, 17 फरवरी, 2026 को ढाका में बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी के चेयरमैन तारिक रहमान के नेतृत्व वाली बांग्लादेश की नई चुनी हुई सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में भारत सरकार का प्रतिनिधित्व करेंगे। इस अहम कार्यक्रम में लोकसभा अध्यक्ष का शामिल होना भारत और बांग्लादेश के लोगों के बीच गहरी और पक्की दोस्ती को दिखाता है, और हमारे दोनों देशों को जोड़ने वाले डेमोक्रेटिक मूल्यों के प्रति भारत के पक्के प्रतिबद्धता को पक्का करता है। बयान में आगे कहा गया- साझा इतिहास, संस्कृति और आपसी सम्मान से जुड़े पड़ोसियों के तौर पर, भारत बांग्लादेश में तारिक रहमान के नेतृत्व में चुनी हुई सरकार के आने का स्वागत करता है, जिनके विजन और मूल्यों को लोगों का भारी समर्थन मिला है।

राजनयिक सूत्रों के अनुसार, आमंत्रित देशों की सूची में भारत, चीन, पाकिस्तान, सऊदी अरब, तुर्की, संयुक्त अरब अमीरात, कतर, मलेशिया, ब्रुनेई, श्रीलंका, नेपाल, मालदीव और भूटान शामिल हैं। शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन संसद के साउथ प्लाजा में होगा। पड़ोसी देश में हाल ही में आयोजित हुए 13वें राष्ट्रीय चुनाव में बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) ने प्रचंड बहुमत हासिल किया है। इसके बाद 17 फरवरी यानी मंगलवार को तारिक रहमान के नेतृत्व में बीएनपी की नई सरकार का शपथ ग्रहण।

पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे द्वारा चार जोड़ी होली स्पेशल ट्रेनों का परिचालन

एजेंसी

मालीगांव : भारतीय रेलवे ने एक बार पुनः इस त्यौहारी भीड़ में स्पेशल ट्रेनों का परिचालन कर यात्रियों की सुविधा के लिए अपनी प्रतिबद्धता दिखाई है। भारतीय रेलवे इस साल 1500 स्पेशल ट्रेनों के परिचालन को तैयार है, जिससे व्यापक रूटों पर यात्रा अधिक सुलभ और आरामदायक हो जाएगी। यह पूर्व सुनियोजित योजना त्यौहारों के दौरान मांग को पूरा करने और लाखों यात्रियों को विश्वसनीय यात्रा का विकल्प देने के लिए भारतीय रेलवे के समर्पण को प्रदर्शित करती है।

इस पहल के तहत और होली के त्यौहारी मौसम में यात्रियों की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए, पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (एनएफआर) ने फिलवक्त चार (04) जोड़ी स्पेशल ट्रेनों की योजना बनाई है और आगामी दिनों में और अधिक ट्रेनों की घोषणा की जाएगी। ये स्पेशल ट्रेनें नारंगी-गोरखपुर-नारंगी, कटिहार-अमृतसर-कटिहार, डिब्रूगढ़-झंझारपुर-डिब्रूगढ़ और डिब्रूगढ़-कोलकाता-डिब्रूगढ़ के बीच चलेंगी।

स्पेशल ट्रेन संख्या 05633 (नारंगी-गोरखपुर) 19 फरवरी से 26 मार्च 2026 तक हर गुरुवार को चलेगी। ट्रेन नारंगी से 13:20 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन गोरखपुर 13:00 बजे पहुंचेगी। इसी तरह, स्पेशल ट्रेन संख्या 05634 (गोरखपुर-नारंगी) 20 फरवरी से 27 मार्च 2026 तक हर शुक्रवार को चलेगी। यह ट्रेन गोरखपुर से 16:55 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन नारंगी 21:40 बजे पहुंचेगी। दोनों दिशाओं की ट्रेनें 06-06 फेरों के लिए चलेंगी।

स्पेशल ट्रेन संख्या 05736 (कटिहार-अमृतसर) 18 फरवरी से 25 मार्च 2026 तक हर बुधवार को चलेगी। यह ट्रेन कटिहार से 21:00 बजे प्रस्थान करेगी और शुक्रवार को अमृतसर 09:45 बजे पहुंचेगी। इसी तरह, स्पेशल ट्रेन संख्या 05735 (अमृतसर-कटिहार) 20 फरवरी से 27 मार्च 2026 तक हर शुक्रवार को चलेगी। यह ट्रेन अमृतसर से 13:25 बजे रवाना होगी और अगले दिन कटिहार 23:45 बजे पहुंचेगी। दोनों दिशाओं की ट्रेनें 6-6 फेरों के लिए चलेंगी।

स्पेशल ट्रेन संख्या 05974 (डिब्रूगढ़-झंझारपुर) 17 फरवरी से 31 मार्च 2026 तक हर मंगलवार को चलेगी। यह डिब्रूगढ़ से 05:20 बजे खुलेगी और अगले दिन झंझारपुर 11:30 बजे पहुंचेगी। इसी तरह, स्पेशल ट्रेन संख्या 05973 (झंझारपुर-डिब्रूगढ़) 18 फरवरी से 1 अप्रैल 2026 तक हर बुधवार को चलेगी। यह ट्रेन झंझारपुर से 13:00 बजे रवाना होगी और अगले दिन डिब्रूगढ़ 20:20 बजे पहुंचेगी। दोनों दिशाओं की ट्रेनें 07-07 फेरों के लिए चलेंगी। स्पेशल ट्रेन संख्या 05932 (डिब्रूगढ़-कोलकाता) 21 फरवरी से 7 मार्च 2026 तक हर शनिवार को चलेगी। यह डिब्रूगढ़ से 17:00 बजे प्रस्थान करेगी और सोमवार को कोलकाता 00:30 बजे पहुंचेगी। इसी तरह, स्पेशल ट्रेन संख्या 05931 (कोलकाता-डिब्रूगढ़) 23 फरवरी से 9 मार्च 2026 तक हर सोमवार को चलेगी। यह कोलकाता से 02:30 बजे खुलेगी और अगले दिन डिब्रूगढ़ 06:30 बजे पहुंचेगी। दोनों दिशाओं की ट्रेनें 03-03 फेरों के लिए चलेंगी।

इन ट्रेन सेवाओं का उद्देश्य प्रमुख स्थानों के लिए कनेक्टिविटी प्रदान करना और नियमित ट्रेनों में भीड़ कम करना है, ताकि यात्री अपने परिजनों के साथ रंगों का त्यौहार सुरक्षित, सुलभ और समय पर मना सकें। इन स्पेशल ट्रेनों के ठहरावों और समय-सारणी की जानकारी आईआरसीटीसी के वेबसाइट पर उपलब्ध है और विभिन्न अखबारों तथा एनएफ रेलवे के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों पर भी दी जा रही है। यात्रियों से अनुरोध है कि वे अपनी यात्रा शुरू करने से पहले यात्रा विवरणों की जांच कर लें।

विकसित भारत के निर्माण में महिलाओं की सबसे महत्वपूर्ण भूमिका होगी : पीएम मोदी

- सेना को मजबूत करने में कोई कसर नहीं छोड़ेगी सरकार
- अब तक 38 देशों के साथ फ्री ट्रेड एग्रीमेंट्स (एफटीए) हो चुके हैं
- देश में बड़े पैमाने पर रिफॉर्म

एजेंसी

नयी दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने न्यूज एजेंसी प्रेस ट्रस्ट ऑफ इंडिया यानी पीटीआई को दिए एक इंटरव्यू में इस साल के बजट और भारत की आर्थिक प्रगति पर महत्वपूर्ण बातें कही हैं। उन्होंने कहा कि इस साल का बजट किसी मजबूरी में लिया गया 'अब या कभी नहीं' वाला फैसला नहीं है, बल्कि यह 'हम तैयार हैं' वाला पल है, जो लंबी तैयारी, प्रेरणा और आत्मविश्वास से आया है। उन्होंने कहा कि इस साल का बजट भारत के विकसित राष्ट्र बनने के संकल्प को दर्शाता है।

ट्रेड डील्स पर पीएम मोदी ने कहा कि भारत में राजनीतिक स्थिरता और भरोसेमंद नीतियों की वजह से निवेशक अब भारत पर ज्यादा विश्वास कर रहे हैं। अब तक 38 देशों के साथ फ्री ट्रेड एग्रीमेंट्स (एफटीए) हो चुके हैं। इस पर पीएम मोदी ने कहा मजबूत मैन्युफैक्चरिंग, सर्विस सेक्टर और एमएसएमई की वजह से भारत अब ट्रेड डील में मजबूत स्थिति से बात करता है।

उन्होंने आगे कहा कि देश की सशस्त्र सेनाओं को सपोर्ट और उन्हें मजबूत करने के लिए सरकार जो भी जरूरी होगा, वह करेगी। पीएम मोदी ने कहा, मुझे पूरा विश्वास है कि विकसित भारत के निर्माण में महिलाओं की सबसे महत्वपूर्ण भूमिका होगी। मैं स्पष्ट रूप से कहना चाहता हूं कि महिलाओं का कल्याण हमारी सरकार के हर फैसले का मार्गदर्शन करता है।

'रिफॉर्म एक्सप्रेस' ने बड़े पैमाने पर प्रगति हासिल की है, लेकिन स्वभाव से मैं कभी पूरी तरह संतुष्ट नहीं होता। भारत कंप्यूटिंग पावर और डेटा सेंटर इंफ्रास्ट्रक्चर क्षमता बढ़ाकर एक मजबूत एआई इकोसिस्टम की नींव रख रहा है। यूपीआई प्लेटफॉर्म के जरिए लेनदेन की व्यवस्था में बुनियादी सुधारों के कारण भारत दुनिया में डिजिटल लीडर बना है।

डेटा सेंटर युवाओं के लिए बड़े पैमाने पर रोजगार सृजित करेंगे, हम दुनिया भर के डेटा को भारत में रखने के लिए आमंत्रित करते हैं। 'रिफॉर्म एक्सप्रेस' ने व्यापक प्रगति की है, लेकिन मेरे स्वभाव के अनुसार मैं कभी पूरी तरह संतुष्ट नहीं रहता। मैं दो टूक कहना चाहता हूं कि महिलाओं का कल्याण हमारी सरकार के हर निर्णय की दिशा तय करता है। मुझे विश्वास है कि विकसित भारत के निर्माण में महिलाओं की सबसे बड़ी भूमिका होगी।

अगले दशक के लिए तीन प्रमुख प्रायोरिटी स्ट्रक्चरल रिफॉर्म, डीपर इनोवेशन और सरल गवर्नेंस। वित्त वर्ष 2026-27 के लिए 12।2 लाख करोड़ रुपये का कैपेक्स 2013 के स्तर से 5 गुना ज्यादा है, जो शॉर्ट टर्म लोकलुभावन उपायों के बजाय प्रोडक्टिव खर्च को प्राथमिकता देता है।

सीबीडीसी आधारित पीडीएस की शुरूआत कर अमित शाह ने कहा-

बिचौलियों की भूमिका होगी खत्म

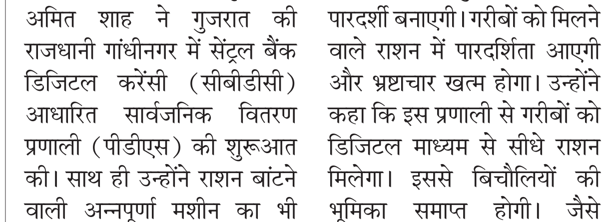

एजेंसी

नयी दिल्ली : केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुजरात की राजधानी गांधीनगर में सेंट्रल बैंक डिजिटल करेंसी (सीबीडीसी) आधारित सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) की शुरूआत की। साथ ही उन्होंने राशन बांटने वाली अन्नपूर्णा मशीन का भी शुभारंभ किया। इस मौके पर गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल और केंद्रीय मंत्री प्रल्हाद जोशी भी मौजूद रहे।

अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा से डिजिटल इंडिया का विस्तार अब राशन वितरण तक हो गया है। यह प्रणाली गरीबों को सस्ता अनाज देने की व्यवस्था को आधुनिक, सरल और पारदर्शी बनाएगी। गरीबों को मिलने वाले राशन में पारदर्शिता आएगी और भ्रष्टाचार खत्म होगा। उन्होंने कहा कि इस प्रणाली से गरीबों को डिजिटल माध्यम से सीधे राशन मिलेगा। इससे बिचौलियों की भूमिका समाप्त होगी। जैसे डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर से भ्रष्टाचार कम हुआ, वैसे ही यह व्यवस्था राशन वितरण में पारदर्शिता लाएगी। गृह मंत्री ने 'अन्नपूर्णा मशीन' का भी शुभारंभ किया। यह मशीन 35 सेकंड में 25 किलो अनाज वितरित कर सकती है।

महाशिवरात्रि हमें श्रद्धा, संयम और भक्ति का संदेश देती है : विधायक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : बरही में रविवार को महाशिवरात्रि धूमधाम से मनाई गई। प्रखंड के लगभग सभी शिव मंदिरों को आकर्षक ढंग से सजाई गई। लाइट की भी व्यवस्था की गई। सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ मंदिरों में देखी गई। इधर महाशिवरात्रि पर्व के पावन अवसर पर बरही विधायक मनोज कुमार यादव प्रखंड परिसर स्थित प्राचीन मनोकामनेश्वर मंदिर पहुंचे। उन्होंने विधि-विधान के साथ भगवान शिव का जलाभिषेक कर क्षेत्र की सुख-समृद्धि और शांति के लिए प्रार्थना की। इस दौरान मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी रही और पूरा वातावरण हर-हर महादेव के जयघोष से गूंज उठा। विधायक मनोज कुमार यादव ने मंदिर में पूजा-अर्चना के बाद उपस्थित श्रद्धालुओं एवं बरहीवासियों को महाशिवरात्रि की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने क्षेत्र की उन्नति, भाईचारे और खुशहाली की कामना की। बरही विधायक मनोज यादव ने कहा कि महाशिवरात्रि का पर्व आस्था, श्रद्धा और भक्ति का प्रतीक है। भगवान भोलेनाथ की कृपा से समाज में सुख, शांति और समृद्धि बनी रहती है। उन्होंने कहा कि यह पर्व हमें सकारात्मक ऊर्जा प्रदान करता है और आपसी प्रेम, भाईचारे व सद्भाव को मजबूत करने का संदेश देता है। उन्होंने आगे कहा कि बरही क्षेत्र की जनता की खुशहाली और विकास के लिए वे सदैव प्रतिबद्ध हैं तथा भगवान शिव से क्षेत्रवासियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर मंदिर समिति के सदस्य, स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। देर शाम शिव बारात की जीवंत झांकी निकाली गई। इसमें मालहटोली, बरही थाना एवं मनोकामनेश्वर मंदिर की झांकी आकर्षक रही। श्रद्धालु भी शिव बारात में झूमते नजर आए। इस दौरान सुरक्षा का पुख्ता व्यवस्था दिखा।

गाजे बाजे के साथ निकली शिव पार्वती की बरात, शिवालयों में श्रद्धालुओं की उमड़ी भीड़

बरही : बरही प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न शिवालयों में महाशिवरात्रि का त्योहार श्रद्धा भक्तिभाव के साथ धूमधाम से मनाया गया। बरही प्रखंड क्षेत्र के बरही प्रखंड परिसर स्थित मनोकामनेशवर, मलहहा टोली, बरसोत, दुलमाहा, लखना, करियातपुर, दुधपनीयां, कोल्वा कला, भंडारों, बिजैया, डपोक, रसोइया धमना, पंचमाधव, गोरिया करमा,खोडाआहर सहित कई मंदिरों में अहले सुबह से ही श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। शिवालयों को फूलों और लाइट्स से काफी सुंदर तरीके से सजाया गया।सुबह से ही पूजा पाठ के लिए श्रद्धालुओं की कतार लगी हुई थी। जलाभिषेक किए जा रहे थे। सभी मंदिरों में हर-हर महादेव के जयकारे गूंज रहे थे। कहीं दूध से जलाभिषेक किया जा रहा है तो कहीं धतूरा और भांग का भोग भी लगाया जा रहा था। लोग जलाभिषेक कर भगवान भोलेनाथ का ध्यान लगाए देखे गए। खासकर सबसे ज्यादा भीड़ बरही प्रखंड परिसर में स्थित मनोकामनेश्वर शिव मंदिर में देखने को मिली। श्रद्धालु पूजा करने के लिए काफी उत्सुक दिखे। हजारों महिला एवं पुरुष ने मनोकमेश्वर शिव मंदिर पहुंचकर भगवान शिव को जलाभिषेक कर सुख शांति के लिए कामना की। वहीं शाम को बरही विधायक मनोज कुमार यादव भी मनोकामनेश्वर मंदिर पहुंचकर भगवान शिव का दर्शन कर क्षेत्रवासियों के सुख समृद्धि का कामना किए। देर शाम धूमधाम से गाजे बाजे के साथ ही भगवान शिव की बारात निकाली।

टाटी झरिया क्षेत्र में मिनी देशी शराब फैक्ट्री का भंडाफोड़, 1880 लीटर स्प्रीट बरामद

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : हजारीबाग में आगामी निकाय चुनाव, होली तथा रामनवमी पर्व को देखते हुए जिला प्रशासन अवैध शराब निर्माण, बिक्री, संचय, परिवहन पर अंकुश लगाने हेतु सहायक आयुक्त उत्पाद, हजारीबाग के निर्देशन में रविवार सुबह गुप्त सूचना के आधार पर टाटीझरिया थाना अंतर्गत ग्राम - सीमरढाब, पारपुतो के घने जंगल में छापेमारी कर एक अवैध शराब निर्माण करने की मिनी फैक्ट्री का उदभेदन किया गया है। घटनास्थल से भारी मात्रा में अवैध शराब बनाने की सामग्री यथा - स्पिरिट, खाली बोतल, रंगीन केमिकल करामेल, अलग अलग ब्रांड के कार्टन, ढक्कन, खाली बोतल, होलोग्राम, स्टीकर, लेबल इत्यादि जब्त किया गया। इस कारोबार में संलिप्त सभी अभियुक्तों की पहचान कर सुसंगत धाराओं के तहत कार्रवाई करने की तैयारी की जा रही है। 40 लीटर वाले जर्कीन एवं बड़े ड्राम में संचित करीब 1880 लीटर स्पिरिट जिससे शराब निर्माण कर खपाने की तैयारी थी उसे घटनास्थल से उत्पाद टीम द्वारा बरामद किया गया है।

बरही विधायक ने पार्क व अग्रवाल गली का किया निरीक्षण, विकास कार्यों को दी गति

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : बरही क्षेत्र में जनसुविधाओं के विस्तार और शहरी सौंदर्यीकरण को लेकर बरही विधायक मनोज कुमार यादव लगातार सक्रिय नजर आ रहे हैं। इसी कड़ी में रविवार को उन्होंने प्रखंड मैदान स्थित वर्षों से जीर्ण-शीर्ण अवस्था में पड़े अब्दुल कलाम पार्क का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान विधायक ने पार्क की वर्तमान स्थिति का जायजा लिया और स्थानीय लोगों से संवाद कर इसके समग्र विकास की रूपरेखा साझा की। निरीक्षण के दौरान विधायक मनोज कुमार यादव ने कहा कि अब्दुल कलाम पार्क बरही का एक महत्वपूर्ण सार्वजनिक स्थल है, लेकिन लंबे समय से रखरखाव के अभाव में यह उपेक्षित स्थिति में पहुंच गया है। उन्होंने बताया कि पार्क की चारों ओर की चाहरदीवारी को ऊंचा किया जाएगा और सुरक्षा की दृष्टि से कांटानुमा तार से घेराबंदी कर इसे पूरी तरह सुरक्षित बनाया जाएगा। इससे असामाजिक तत्वों की गतिविधियों पर रोक लगेगी और आम नागरिक निश्चिंत होकर पार्क का उपयोग कर सकेंगे। विधायक ने बताया कि पार्क के अंदर आधुनिक सुविधाओं का विकास किया जाएगा। बच्चों के मनोरंजन के लिए अलग से चिल्ड्रेन पार्क का निर्माण कराया जाएगा, जिसमें झूले, स्लाइड और अन्य खेल सामग्री लगाई जाएगी। इसके साथ ही सुबह-शाम टहलने वाले लोगों के लिए वॉकिंग ट्रैक बनाया जाएगा, ताकि स्वास्थ्य के प्रति जागरूक लोग इसका लाभ उठा सकें। पूरे पार्क को हरियाली, बैठने की व्यवस्था, लाइटिंग और सौंदर्यीकरण के माध्यम से आकर्षक रूप दिया जाएगा। बताते चलें कि इससे पहले भी बरही विधायक मनोज यादव के प्रयास से पार्क का निर्माण कराया गया था, लेकिन देख-रेख के अभाव में पार्क जर्जर हो गया। विधायक मनोज कुमार यादव ने कहा कि अब्दुल कलाम पार्क को सुसज्जित कर एक आदर्श सार्वजनिक स्थल के रूप में विकसित किया जाएगा, जहां बच्चे, युवा और बुजुर्ग सभी वर्ग के लोग समय बिता सकें। उन्होंने कहा कि बरही की जनता को बेहतर सुविधाएं देना उनकी प्राथमिकता है और विकास कार्यों में किसी प्रकार की कमी नहीं रहने दी जाएगी। पार्क निरीक्षण के बाद विधायक मनोज कुमार यादव अग्रवाल गली पहुंचे, जहां उन्होंने जर्जर सड़क का निरीक्षण किया।

निबंध पेंटिंग प्रतियोगिता में बच्चों ने बेहतर प्रदर्शन कर वीर शहीदों सैनिकों को दी श्रद्धांजलि

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : राष्ट्रीय मानव अधिकार एसोसिएशन के द्वारा आयोजित पुलवामा शहीद सैनिकों की स्मृति श्रद्धांजलि सभा एवं निबंध पेंटिंग प्रतियोगिता में सेंट्रल मिशन पब्लिक स्कूल रसोइया धमना के बच्चों ने बेहतर प्रदर्शन किया। श्रद्धांजलि सभा के अवसर पर आयोजित निबंध एवं पेंटिंग प्रतियोगिता में कक्षा 7 की छात्रा सलिना प्रवीण ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सभी का ध्यान आकर्षित किया। वहीं विद्यालय स्तर पर भी सीसीए के तहत पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें सीनियर ग्रुप में प्रथम कक्षा 9 वीं की ज्योति, द्वितीय कक्षा 7 वीं की गुलनाज परवीन एवं तृतीय कक्षा 8 वीं की सोनम प्रवीण को प्राप्त हुआ। वहीं जूनियर ग्रुप में प्रथम कक्षा 1 की साक्ष्य राज गुप्ता द्वितीय कक्षा 2 की प्रियांक कुमार एवं तृतीय बिट्टू कुमार को प्राप्त हुआ। वहीं निबंध प्रतियोगिता में प्रथम कक्षा 9 वीं से सोनल कुमारी, द्वितीय कक्षा 8 वीं से नैंसी कुमारी, तृतीय कक्षा 6वीं से श्वेता कुमारी प्राप्त की। कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय के प्राचार्य नितेश कुमार, निदेशक टूकलाल साव, सलाहकार राजेंद्र प्रसाद शिक्षकों में अजय कुमार, अरुण कुमार, नरेश कुमार, शिबू कुमार, नुरेशा खातून, सरिता कुमारी, सविता कुमारी, स्वाति कुमारी, नीतू कुमारी, मोनिका कुमारी, पुष्पा कुमारी, सुमन कुमारी आदि शामिल रहे। विद्यालय प्रबंधन ने सभी विजेताओं को बधाई देते हुए कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों में देशभक्ति, अनुशासन और रचनात्मकता को बढ़ावा देते हैं।

बचपन प्ले स्कूल में बेबी शो का आयोजन, बच्चों ने दिखाई प्रतिभा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : बचपन प्ले स्कूल एवं रॉयल ऑर्किड इंटरनेशनल स्कूल के संयुक्त तत्वाधान में प्री-नर्सरी, नर्सरी, एलकेजी और यूकेजी के स्टूडेंट्स के लिए तीसरा बेबी शो का आयोजन किया गया। यह इवेंट न सिर्फ बचपन का जश्न था, बल्कि स्कूल के लिए कम्युनिटी से जुड़ने का एक स्ट्रेटेजिक मौका भी था। बच्चों के लिए डांस, रैंप वॉक, टैलेंट डिस्प्ले, स्पीच और हेल्थ चेक जैसी एक्टिविटीज के साथ, इस इवेंट का फोकस कॉन्फिडेंस, सोशल स्किल्स को बढ़ावा देना और यंग टैलेंट को एक प्लेटफॉर्म देना था। कार्यक्रम का उद्घाटन डॉ. राम टहल गुप्ता, रंजीत सिंह और डॉ. हिमानी प्रिया और डॉ. विशाखा गुप्ता अभिभावक गायत्री चौहान कोबरा ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम किया। मौके पर बच्चों ने डांस, स्पीच, रैंप वॉक और टैलेंट शो में हिस्सा लिया और उनका मनोरंजन भी हुआ। इवेंट में पेरेंट्स के लिए गेम्स, स्कूल और उसके माहौल के बारे में पॉजिटिव बातें शेयर करना और अपना टैलेंट दिखाना भी शामिल था। सभी पार्टिसिपेंट्स को पहचान मिली और कॉन्फिडेंस बढ़ाने के लिए अलग-अलग कैटेगरी में खास अवॉर्ड बांटे गए। इसके साथ ही स्कूल ने स्टूडेंट्स और उनके माता-पिता के लिए फ्री डेंटल हेल्थ चेक-अप का आयोजन किया।

सुविधाओं के अभाव में बदहाल हजारीबाग का डे केयर यूनिट 40 दिनों से फैक्टर 8-9 गायब, हीमोफिलिया मरीजों पर संकट

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के वर्तमान सांसद और हजारीबाग सदर विधानसभा क्षेत्र के निवर्तमान विधायक मनीष जायसवाल के वर्षों के अथक प्रयास और झारखंड विधानसभा में उनकी निरंतर गूँजती आवाज के बाद साल 2023 में हजारीबाग सदर अस्पताल में एक नई उम्मीद की किरण जगी थी। थैलेसीमिया, सिकल सेल एनीमिया और हीमोफिलिया जैसी गंभीर बीमारियों से जूझ रहे मरीजों के लिए यहाँ 'डे केयर सेंटर' की स्थापना की गई थी, ताकि उन्हें विशेषज्ञ उपचार और राहत मिल सके। लेकिन विडंबना यह है कि आज यह केंद्र अपनी मूल परिकल्पना से कोसों दूर हो चुका है। हजारीबाग के मेडिकल कॉलेज अस्पताल के मेल सर्जिकल वार्ड में स्थित इस यूनिट की दीवारों पर रंग-रोगन और पेंटिंग तो मौजूद है, मगर भीतर की व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। जिस वार्ड को केवल गंभीर रक्त विकारों से ग्रसित मरीजों के लिए आरक्षित होना चाहिए था, उसे अब एक 'कॉमन वार्ड' बना दिया गया है, जहाँ सामान्य बीमारियों और सर्जरी वाले मरीजों का भी इलाज चल रहा है। इससे उन विशेष श्रेणी के मरीजों को भारी कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है जिनके लिए यह केंद्र बना था। यहाँ दवाओं की उपलब्धता की स्थिति और भी चिंताजनक है। हजारीबाग और चतरा जिले के लगभग 40 से अधिक हीमोफिलिया रोगी अपनी जीवन रक्षक दवाओं फैक्टर 8 और फैक्टर 9 के लिए पिछले करीब 40 दिनों से भटक रहे हैं। अस्पताल में इन दवाओं का स्टॉक समाप्त होने से मरीजों की जान पर बन आई है। मरीजों की इस गंभीर समस्या और व्यवस्था की संवेदनहीनता को देखते हुए सांसद मनीष जायसवाल ने तत्काल इसपर संज्ञान लिया है। उन्होंने अपनी संवेदनशीलता का परिचय देते हुए अविलंब अपने हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मीडिया प्रतिनिधि रंजन चौधरी को इस मामले पर त्वरित कार्रवाई और प्रशासनिक समन्वय का निर्देश दिया। सांसद मनीष जायसवाल के निर्देश पर उनके मीडिया प्रतिनिधि रंजन चौधरी ने हजारीबाग के सिविल सर्जन डॉ. अशोक कुमार से विस्तृत वार्ता की और डे केयर सेंटर की वास्तविक उपयोगिता बहाल करने के साथ-साथ हीमोफिलिया मरीजों के लिए अविलंब दवा फैक्टर उपलब्ध कराने का आग्रह किया। उन्होंने आश्वस्त किया है कि जिला प्रशासन से इस संबंध में वार्ता हो रही है जल्द ही इसका समाधान भी कर लिया जाएगा। सांसद मीडिया प्रतिनिधि रंजन चौधरी ने हजारीबाग उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह को ट्वीट के माध्यम से इस गंभीर और संवेदनशील मामले से अवगत कराते हुए उनसे भी इन असहाय मरीजों की सहायता हेतु हस्तक्षेप करने की अपील की है और उनके जीवन रक्षा के लिए तत्काल सहयोग का अनुरोध किया है।

एक नजर

मुखिया ने 15वें वित्त से श्मशान घाट का शेड किया निर्माण

बड़कागांव : बड़कागांव मुखिया संघ अध्यक्ष सह सांसद प्रतिनिधि रंजीत कुमार ने बड़कागांव पश्चिमी पंचायत के दो मोहना शमशान घाट को 15 में वित्त 2,34,200 (2 लाख 34 हजार 2 सौ)योजना से श्मशान घाट शेड का निर्माण तथा चार लोहा का पिलर भी लगाया है। मुखिया ने कहा कि बारिश होने से अग्नि संस्कार करने में काफी परेशानी करना पड़ता था यह बात मेरे संज्ञान में बहुत ही पहले से चल रहा था लेकिन अब हमको निर्माण करने का मौका मिला है। शमशान घाट सेवा समिति का अध्यक्ष दिनेश सिंहा ने मुखिया रंजीत कुमार को धन्यवाद दिया और कहां की सभी मुखिया से अपील है कि अपने-अपने श्मशान घाट में सुंदरीकरण करें ताकि अग्नि संस्कार करने में किसी भी प्रकार का कोई ग्रामीणों को परेशानी ना हो बताते चलें कि जन्म और मृत्यु सत्य है इसे कोई बदल नहीं सकता है।

कॉमरेड कन्हाई साव के निधन पर शोक की लहर

बड़कागांव : बड़कागांव क्षेत्र के वरिष्ठ वामपंथी नेता और जनसंघर्षों के प्रतीक कामरेड नापोखुर्द पंचायत निवासी 85 वर्षीय कन्हाई साव का निधन हो गया। शनिवार को डोकाटांड़ स्थित नदी श्मशान घाट अंतिम संस्कार किया गया जिसमें सैकड़ों की संख्या में लोग शामिल हुए। नम आंखों से लोगों ने अंतिम विदाई दी। इस दौरान शोकसभा का आयोजन किया गया। भारी संख्या में लोगों ने भाग लिया और कन्हाई साहू की आत्मा की शांति के लिए 2 मिनट का मौन धारण कर, भगवान से प्रार्थना की। पूर्व सांसद भुवनेश्वर मेहता ने कहा कि एक ईमानदार और कर्तव्यनिस्ट नेता को हमने खो दिया उनकी कमी सदैव खलेगी। शोक व्यक्त करने वालों में मुख्य रूप से पूर्व सांसद भुनेश्वर प्रसाद मेहता, अधिवक्ता अनिरुद्ध कुमार, विंध्याचल बेदिया, मुखिया गणेश साहू, पंसस गणेश, पारसनाथ महतो, चंद्रिका साहू, चंदर साहू, अजीत कुमार, उमेश दांगी ,सोहनलाल मेहता, रामेश्वर राम, उग्रसेन गिरी के अलावा कई लोग शामिल थे।

चौपारण में महाशिवरात्रि को लेकर अलर्ट मोड पर प्रशासन, फ्लैग मार्च

चौपारण : महाशिवरात्रि पर्व को शांतिपूर्ण, सुरक्षित एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने को लेकर रविवार को प्रखंड अंतर्गत महाराजगंज, बसरिया सहित कई पंचायत में प्रशासन की ओर से व्यापक स्तर पर फ्लैग मार्च निकाला गया। फ्लैग मार्च का नेतृत्व एसडीओ जोहन टुडू, एसडीपीओ अजीत कुमार विमल, सर्किल इंस्पेक्टर चंद्रशेखर कुमार, अंचल अधिकारी संजय यादव एवं थाना प्रभारी सरोज सिंह चौधरी ने संयुक्त रूप से किया। फ्लैग मार्च के दौरान पुलिस बल के जवानों ने पंचायत के संवेदनशील, भीड़भाड़ वाले एवं प्रमुख मार्गों पर भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था का गहन निरीक्षण किया। अधिकारियों ने स्थानीय लोगों से आपसी भाईचारा, शांति एवं सौहार्द बनाए रखने की अपील करते हुए कहा कि पर्व के दौरान किसी भी तरह की अफवाह फैलाने वालों एवं असामाजिक तत्वों पर कड़ी नजर रखी जा रही है। आम नागरिकों से सहयोग की अपील करते हुए कहा कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें। इसके साथ ही गश्ती दलों को भी लगातार

संक्षिप्त खबरें

बड़कागांव के बुढ़वा महादेव समेत प्रखंड के 151 शिवालयों में मनाई गई महाशिवरात्रि

बड़कागांव : बड़कागांव के तमाम शिवालयों में श्रद्धा के साथ महाशिवरात्रि पूजा की गई । प्रखंड के बुढ़वा महादेव, नापोखुर्द मुरली पहाड़ मंदिर समेत 151 मंदिरों में सुबह से ही श्रद्धालु पूजा के लिए कतार में लगे हुए थे। शिवालयों में सुबह से ही हर हर महादेव, बम बम भोले की जय घोष के साथ घण्टा बजता रहा। लोगों ने भक्ति भाव के साथ भगवान शिव पार्वती की पूजा की शिवलिंग पर दूध दही चढ़ाया गया एवं जलाभिषेक किया गया। श्रद्धालुओं ने भगवान शिव से सुख शांति समृद्धि की कामना की। वही प्रखंड के महुदी पहाड़ स्थित बुढ़वा महादेव मंदिर में भी पूजा की गई, भंडारा का भी आयोजन किया गया, लोगों के बीच प्रसाद का वितरण किया गया। विधायक रोशन लाल चौधरी ने बुढ़वा महादेव मंदिर में जला अभिषेक कर शिवलिंग की पूजा की। मौके पर विधायक रोशन लाल चौधरी ने पत्रकारों से कहा कि बुढ़वा महादेव में लगभग 350 वर्ष पुरानी शिवलिंग है, पर्यटन स्थल घोषित होने से स्थानीय लोगों को रोजगार मिलेगा। यह काफी रमणीक एवं दुर्लभ स्थानों में एक है। सरकार को ध्यान देना चाहिए जल्द से जल्द पर्यटन स्थल घोषित कर कार्य शुरू करना चाहिए। वहीं बड़कागांव राम जानकी मंदिर से बुढ़वा महादेव विकास समिति कर्णपुरा क्षेत्र, कांडतरी, खैरातरी की ओर से शिव बारात निकाली गई जिसमें स्थानीय कलाकारों ने अपनी कला प्रस्तुत किया। शांति व्यवस्था के लिए कई मंदिरों चौक चौराहे में प्रशासन की ओर से काफी संख्या में पुलिस बल तैनात किए गए थे। एसडीपीओ पवन कुमार ,बीडीओ जितेंद्र कुमार मंडल, सीओ मनोज कुमार, पुलिस निरीक्षक ललित कुमार ,थाना प्रभारी कृष्ण कुमार गुप्ता व अन्य दंडाधिकारी दिनभर चौकसी करते नजर आए छवनिया में पुलिस की देखरेख में बुढ़वा महादेव के लिए शिव बारात पास कराया गया। मौके पर शांति व्यवस्था में प्रमुख फुलवा देवी,विधायक लोकनाथ महतो, सुनीता देवी, रंजीत कुमार, वचन देव कुमार, शशि मेहता, संदीप कुशवाह, रामचरित्र प्रसाद, दामोदर मेहता, सुरेश महतो, शिबू कुमार उर्फ शिव शंकर , हुलास प्रसाद दांगी, भीखन महतो, जयशंकर महतो, मोहम्मद इब्राहिम , सोनू इराकी, जानेसार आलम ,मोहम्मद अफवान केअलावा कई लोग उपस्थित थे।

रमजान में बिट्टू किराना स्टोर का बड़ा तोहफा पूरे महीने नो प्रॉफिट नो लॉस ऑफर

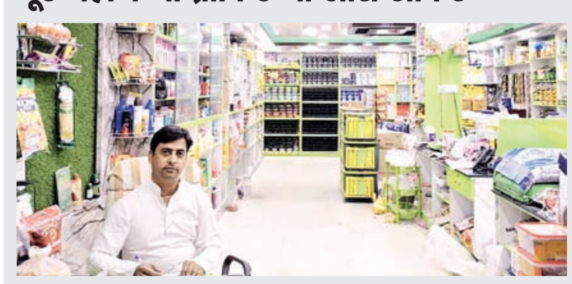

चौपारण : प्रखंड के औलाद कॉलोनी स्थित सन 1999 से संचालित बिट्टू किराना स्टोर में रमजान के पाक महीने को लेकर विशेष छूट स्कीम की शुरूआत की गई है। रमजान के पहले दिन से लेकर पूरे महीने तक यहां सभी आवश्यक राशन सामग्री ह्यनो प्रॉफिट नो लॉसह्न के आधार पर उपलब्ध कराई जा रही हैं, ताकि रोजेदारों एवं आम उपभोक्ताओं को अधिकतम लाभ मिल सके। दुकान के संचालक कौनेन खान (बिट्टू) ने बताया कि वर्ष के 12 महीनों में वे 11 महीने किफायती दरों पर सामान बेचते हैं, लेकिन रमजान जैसे पाक महीने में वे समाज सेवा की भावना से सभी राशन सामग्री बिना लाभ के उपलब्ध कराते हैं, जिससे जरूरतमंदों को राहत मिल सके। रमजान को ध्यान में रखते हुए स्टोर में लगभग 50 प्रकार के खजूर तथा 8 से 10 प्रकार के लच्छा सवाई, जिनमें पंजाबी, हाथ लच्छा, हल्दीराम, शहनाज सहित कई ब्रांड शामिल हैं, इसके अलावा विदेशी मसाले, मिस्वाक, सीरखुरमा, मुल्तानी मिट्टी, जननमाज, कलाम पाक, कलाम पाक बॉक्स, तस्बीह, टोपी सहित रमजान से जुड़ी सभी जरूरी नो प्रॉफिट नो लॉस पर उपलब्ध है।

बरवाडीह प्रीमियर लीग क्रिकेट टूर्नामेंट में बरवाडीह की शानदार जीत

बड़कागांव : बड़कागांव प्रखंड अंतर्गत पंकरी बरवाडीह के प्रसिद्ध मेगालिथ स्थल मैदान में आयोजित बरवाडीह प्रीमियर लीग क्रिकेट टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला बरवाडीह टीम व सिरमा टीम के बीच खेला गया। जिसमें टास जीतकर बरवाडीह की टीम ने क्षेत्ररक्षण का फैसला किया जिसमें सिरमा की टीम ने निर्धारित 12 ओवर में 4 विकेट के नुकसान पर 117 रन बनाया और बरवाडीह टीम को 118 रन का लक्ष्य दिया। जिसमें बरवाडीह की टीम ने 9 ओवर 3 तीन गेंद में ही 2 विकेट के नुकसान पर 119 रन बनाकर मैच 8 विकेट से जीत लिया । इस मैच का मैन ऑफ द मैच सुजित उर्फ रौशन कुमार रहें। वहीं बताते चलें कि इस टूर्नामेंट में कुल 16 टीमों ने भाग लिया था। सिरमा टीम के कप्तान मोहम्मद इशान खान एंव बरवाडीह के कप्तान ओमप्रकाश कुमार के नेतृत्व में खिलाड़ियों ने उम्दा खेल का प्रदर्शन किया । वहीं कमेंट्री शिवनारायण साहु व कैलाश कुमार राणा अन्य ने किया ।मौके पर मौजूद दर्शकों ने मैंच का खुब लुत्फ उठाया। इस मैच में उपस्थित बातौर मुख्य अतिथि बड़कागांव पुर्वी पंचायत की मुखिया बिमला देवी ने खिलाड़ियों से खेल को खेल भावना से खेलने और जीत- हार पर मायुस ना होकर सबक लेते हुए अनुशासन के साथ अगला बार बेहतर प्रदर्शन करने की बात कही वहीं विजेता व उपविजेता टीम के खिलाड़ियों को मुखिया प्रतिनिधि राजकुमार साव ने खिलाड़ियों को मेडल पहनाकर स्वागत किया। वहीं नीजी खर्च से कप व पुरुस्कार स्वरूप बड़ा खस्सी व छोटा खस्सी भी दोनों टीमों को प्रदान किया।

नाबालिग की हत्या के आरोप में तीन पर मामला दर्ज

चतरा : टंडवा थाना क्षेत्र के सिसई गांव की नाबालिग बच्ची की मौत के मामले में हत्या का मामला दर्ज किया गया है। मृतका के पिता केवल भुईया के बयान पर रविवार को तीन लोगों पर हत्या का मामला दर्ज किया गया है। इसमें बच्ची का शव लेकर आई बिहार के पटना निवासी महिला मनीषा कुमारी, चालक सुजीत कुमार और बच्ची के एक रिश्तेदार का नाम शामिल है। इस रिश्तेदार ने ही बच्ची को पटना भेजा था। इधर, पुलिस ने मुख्य आरोपित मनीषा कुमारी और सुजीत कुमार को गिरफ्तार कर लिया है। उल्लेखनीय है कि सिसई निवासी केवल भुईया की नाबालिग बच्ची की पटना में संदेहास्पद स्थिति में मौत हो गई थी। बच्ची मनीषा कुमारी के घर रहकर काम करती थी। शनिवार सुबह मनीषा बच्ची का शव लेकर सिसई गांव आई थी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

एक नजर

धनबाद में 14 मार्च से आईसीएल की राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक

रांची : इंडियन कॉन्फेडेरेशन ऑफ लेबर (आईसीएल) की सीडब्ल्यूसी राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक आगामी 14 मार्च से धनबाद में आयोजित की जाएगी। इसकी जानकारी आईसीएल के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष सह प्रदेश अध्यक्ष दिनेश सोनी ने रविवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर दी। उन्होंने बताया कि झारखंड में नगर निकाय चुनाव के कारण पूर्व निर्धारित बैठक स्थगित कर दी गई थी। अब नई तिथि निर्धारित करते हुए 14, 15 और 16 मार्च को बैठक आयोजित करने का निर्णय लिया गया है। बैठक पूर्व निर्धारित कार्यक्रम स्थल धनबाद में ही होगी। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, 14 मार्च को देशभर से पदाधिकारी धनबाद पहुंचेंगे। 15 मार्च को राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक आयोजित की जाएगी, जिसमें संगठन की मजबूती और श्रमिक हितों से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा होगी। 16 मार्च को प्रतिनिधिमंडल बाबाधाम में दर्शन-पूजन करेगा। 17 मार्च को बैठक के समापन के बाद सभी पदाधिकारियों का प्रस्थान होगा। दिनेश सोनी ने सभी सदस्यों से निर्धारित तिथि पर समय से धनबाद पहुंचने का आग्रह किया है, ताकि बैठक सफलतापूर्वक संपन्न हो सके।

पुलिस ने राहुल सिंह के चार गुर्गों को किया गिरफ्तार

रांची : रांची पुलिस ने राहुल सिंह गिरोह के चार गुर्गों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार सभी अपराधी रांची के विभिन्न इलाकों में आपराधिक वारदात को अंजाम देने में शामिल था। यह जानकारी देते हुए रांची पुलिस ने बताया कि इन्हीं अपराधियों ने विकास अस्पताल और टोयटा शोरूम के पास फायरिंग कर इलाके में दहशत फैलाने का काम किया था। इसके पहले लातेहार पुलिस ने भी राहुल सिंह गिरोह के दो गुर्गों को गिरफ्तार कर जेल भेजा है। यह सभी लोग झारखंड के अलग-अलग जिलों में आपराधिक वारदात को अंजाम दे रहे हैं। बताते चलें कि विकास अस्पताल के बाहर फायरिंग के मामले में पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपित की पहचान कर ली थी और उसकी गिरफ्तारी के लिए लगातार विभिन्न ठिकानों पर छापेमारी की जा रही थी। विकास अस्पताल के संचालक राधाचरण ने पुलिस को बताया था कि उनका किसी भी व्यक्ति या गिरोह से कोई विवाद नहीं है और न ही उन्हें किसी तरह की धमकी मिली थी।

अग्निवीर भर्ती 2027 : ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया शुरू

रांची : अग्निवीर भर्ती वर्ष 2027 (इंटेक) के लिए आर्मी रिक्रूटमेंट ऑफिस (एआरओ), रांची द्वारा ऑनलाइन पंजीकरण प्रक्रिया औपचारिक रूप से प्रारंभ कर दी गई है। झारखंड सहित निर्धारित जिलों के योग्य युवा निर्धारित अवधि के भीतर आवेदन कर सकते हैं। ऑनलाइन पंजीकरण 13 फरवरी 2026 से 01 अप्रैल 2026 तक चलेगा। भर्ती कार्यालय ने स्पष्ट किया है कि केवल योग्य अविवाहित पुरुष अभ्यर्थी ही आवेदन के पात्र होंगे। इच्छुक उम्मीदवारों को सलाह दी गई है कि वे अंतिम तिथि का इंतजार न करें और समय रहते अपना आवेदन पूरा कर लें, क्योंकि अंतिम दिनों में वेबसाइट पर अधिक ट्रैफिक के कारण तकनीकी समस्याएं आ सकती हैं। भर्ती से संबंधित विस्तृत अधिसूचना, पात्रता मानदंड, शैक्षणिक योग्यता, आयु सीमा, शारीरिक दक्षता परीक्षा, चिकित्सीय मानक तथा अन्य महत्वपूर्ण निर्देश आर्मी के आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध हैं। आवेदन करते समय अभ्यर्थियों को अपने सभी दस्तावेजों और विवरणों को सावधानीपूर्वक भरने की सलाह दी गई है।

दुलाल भुइयां समर्थकों के साथ भाजपा में शामिल हुए, कहा- बीजेपी छोड़ अब कहीं नहीं जाऊंगा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : भाजपा प्रदेश कार्यालय में आयोजित भव्य मिलन समारोह में राज्य के पूर्व मंत्री दुलाल भुइयां ने झामुमो से नाता तोड़कर समर्थकों के साथ भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। सदस्यता लेने के बाद उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि अब वे भाजपा छोड़कर कहीं नहीं जाएंगे। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष एवं सांसद आदित्य साहू तथा पूर्व मुख्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने उन्हें पटका और माला पहनाकर पार्टी में स्वागत किया। इस अवसर पर प्रदेश उपाध्यक्ष राकेश प्रसाद, हेमंत दास, जमशेदपुर महानगर अध्यक्ष संजीव सिन्हा और रामगढ़ जिलाध्यक्ष संजीव बावला भी उपस्थित रहे। मंच संचालन प्रदेश मीडिया प्रभारी शिवपूजन पाठक ने किया। दुलाल भुइयां के साथ भुइयां समाज के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप भुइयां, केंद्रीय उपाध्यक्ष नुनु लाल भुइयां, विप्लव भुइयां, नील रंजन श्रीवास्तव, मनोज कुमार मंडल, अंजना भुइयां, निमाई मंडल, धीरज सिंह, भोला सिंह, सामपोदो भुइयां, विमल दत्ता, राहुल साव, अनील कुमार कांडी, सुबोल प्रामाणिक, सुनील दास, संजीत सिंह, धर्मेंद्र पांडेय, पिंटू कुमार दुबे, लखखी भुइयां, शंकर भुइयां, नीलकमल महतो, सुखदेव भुइयां, राकेश भुइयां, श्यामपदो भुइयां, राज भुइयां, शंकर तिवारी, अंजना भुइयां, गणेश भुइयां, समीर दत्ता, कृपा दत्ता, संजय पोद्दार सहित सैकड़ों समर्थकों ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। आदित्य साहू ने अपने संबोधन में कहा कि भाजपा परिवार की नहीं, विचार की पार्टी है, जिसका संकल्प अंत्योदय है और लक्ष्य दलित, शोषित, वंचित एवं पिछड़े समाज के चेहरे पर मुस्कान लाना है। उन्होंने कांग्रेस पर दलित और आदिवासी समाज को केवल वोट बैंक बनाने का आरोप लगाया और कहा कि भाजपा ने उन्हें सम्मान देने का कार्य किया है।

उन्होंने कहा कि संविधान निर्माता डॉ. भीमराव आंबेडकर को भारत रत्न भाजपा सरकार ने दिया और उनसे जुड़े पांच स्थलों को पंचतीर्थ के रूप में विकसित किया। दलित समाज से आने वाले रामनाथ कोविंद को देश का राष्ट्रपति बनाया गया। बाबूलाल मरांडी ने कहा कि दुलाल भुइयां केवल एक व्यक्ति नहीं, बल्कि दलित समाज की आवाज हैं। उन्होंने झामुमो पर निशाना साधते हुए कहा कि राज्य के विकास की लड़ाई अभी अधूरी है और भाजपा ही जल, जंगल और जमीन को न्याय दिला सकती है। कार्यक्रम को पार्टी ने दलित समाज में अपनी पकड़ मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया।

अंतिम दिन 37,913 आगंतुक पहुंचे लोक भवन उद्यान में उमड़ी भीड़

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : राज्यपाल के निर्देशानुसार आम नागरिकों के भ्रमण एवं परिदर्शन हेतु लोक भवन, रांची उद्यान को दिनांक 02 फरवरी से 15 फरवरी, 2026 तक खोला गया था। रविवार को अंतिम दिन 37,913 लोगों ने उद्यान का भ्रमण एवं परिदर्शन किया। इस वर्ष कुल 6,15,586 आगंतुकों ने लोक भवन उद्यान का भ्रमण कर इसकी प्राकृतिक सुंदरता का आनंद लिया। उल्लेखनीय है कि प्रतिवर्ष लोक भवन उद्यान आम नागरिकों के लिए निर्धारित अवधि के दौरान खोला जाता है, जहां बड़ी संख्या में लोग परिवार सहित पहुंचकर उद्यान की साज-सज्जा एवं हरियाली का अवलोकन करते हैं।

महाशिवरात्रि पर पहाड़ी मंदिर में हिंदू जागृति मंच का सेवा शिविर, निःशुल्क पूजन सामग्री का वितरण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर हिंदू जागृति मंच झारखंड प्रदेश की ओर से हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी रांची स्थित पहाड़ी मंदिर के मुख्य द्वार पर सेवा शिविर लगाया गया। इस शिविर के माध्यम से श्रद्धालुओं को विभिन्न प्रकार की सुविधाएं उपलब्ध कराई गईं।

मंच की ओर से शिव भक्तों के लिए दूध, फूल, बेलपत्र सहित अन्य पूजन सामग्री की निशुल्क व्यवस्था की गई थी, ताकि दूर-दराज से आए श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। आयोजन को सफल बनाने में प्रदेश अधिकारी सुजीत सिंह मुख्य रूप से उपस्थित रहे और व्यवस्थाओं की निगरानी करते रहे।

मंच के स्वयंसेवक सुबह चार बजे से ही सेवा कार्य में जुट गए थे। वे श्रद्धालुओं को कतारबद्ध दर्शन में सहयोग, पूजन सामग्री वितरण और अन्य आवश्यक सहायता प्रदान कर रहे थे। भक्तों को किसी भी प्रकार की कठिनाई न हो, इसके लिए पूरी सतर्कता और समन्वय के साथ व्यवस्था संभाली जा रही थी। सेवा कार्य में सुजीत सिंह, निशांत यादव, चंदन सिंह राजपूत, चंदन मिश्रा, अभिजीत मिश्रा, रवि चौधरी, शिवानी पांडे, ऋषभ सिंह, नितिन ओझा, अमित अग्रवाल, सुनील बरनवाल, सत्य सिंह, ओम प्रकाश शर्मा, सोनू भारद्वाज, मयंक चौधरी, अनुभव पासवान, गौतम बर्मन, पहलाद भगत, सुषमा तिग्गा, अर्पित सिंह और महेंद्र प्रसाद दागी सहित अन्य कार्यकर्ता सक्रिय रूप से शामिल रहे।

मंच के पदाधिकारियों ने कहा कि महाशिवरात्रि जैसे पावन अवसर पर सेवा कार्य करना उनके लिए सौभाग्य की बात है। उन्होंने भविष्य में भी समाज और श्रद्धालुओं की सेवा के लिए इसी प्रकार समर्पित भाव से कार्य करते रहने का संकल्प व्यक्त किया।

महाशिवरात्रि पर ब्रह्मकुमारी विश्वविद्यालय में विशेष आध्यात्मिक कार्यक्रम का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर प्रजापिता ब्रह्मकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की ओर से सेवा केंद्र, चौधरी बगान, हरमू रोड, रांची में रविवार को विशेष आध्यात्मिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया और आध्यात्मिक प्रवचनों का लाभ उठाया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केंद्र संचालिका ब्रह्माकुमारी निर्मला बहन ने कहा कि महाशिवरात्रि केवल एक धार्मिक पर्व नहीं, बल्कि आत्मजागृति और आध्यात्मिक चेतना का संदेश देने वाला पावन अवसर है। उन्होंने कहा कि जब-जब धरती पर अधर्म और विकार बढ़ते हैं, तब निराकार शिव परमात्मा मानव रूप के माध्यम से दिव्य कर्तव्यों का निर्वहन करते हैं। उन्होंने भारत की आध्यात्मिक महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि देशभर में स्थापित शिवलिंग निराकार शिव परमात्मा की महिमा और उनकी उपस्थिति का प्रतीक हैं, जो भारत की आध्यात्मिक पहचान को दर्शाते हैं।

निर्मला बहन ने बताया कि विभिन्न धर्मों और समुदायों में परमात्मा को अलग-अलग नामों भगवान, गॉड, खुदा या अल्लाह से पुकारा जाता है, लेकिन सभी का मूल स्रोत एक ही परम सत्ता है। उन्होंने कहा कि राजयोग और ईश्वरीय ज्ञान के माध्यम से व्यक्ति अपने नकारात्मक संस्कारों को परिवर्तित कर सकारात्मक, शांत और पवित्र जीवन जी सकता है। उन्होंने पवित्रता को सुख और शांति का आधार बताते हुए सभी से आध्यात्मिक जीवन अपनाने और आत्मिक मूल्यों को अपने जीवन में उतारने का आह्वान किया।

महिलाओं की योग्यता और प्रतिभा से बदलेगी समाज की सोच : शिल्पी नेहा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : अखिल भारतीय बैंक ऑफ इंडिया के अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग के कर्मचारियों के संघ की महिला शाखा का दूसरा सम्मेलन रविवार को रांची में आयोजित किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में कर्मचारियों और प्रतिनिधियों ने भाग लिया। कार्यक्रम को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित करते हुए राज्य की कृषि, पशुपाल एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि 21वीं सदी में भी कुछ लोग समाज को कमजोर करने और संविधान में दिए गए समानता के अधिकार के विपरीत कार्य कर रहे हैं। उन्होंने एससी, एसटी और ओबीसी वर्ग के लोगों से एकजुट होकर अपने अधिकारों के प्रति सजग रहने का आह्वान किया। मंत्री ने कहा कि महिलाओं के प्रति समाज की सोच को उनकी योग्यता और प्रतिभा के बल पर बदला जा सकता है। उन्होंने कहा कि घर-परिवार, समाज या कार्यक्षेत्र–हर जगह महिलाएं पुरुषों के समान कार्य करने में सक्षम हैं। इतिहास इस बात का साक्षी है कि महिलाओं ने हर दौर में संघर्ष कर अपनी पहचान बनाई है। उन्होंने कहा कि आज के समय में शिक्षा सबसे बड़ा हथियार है, जिसके माध्यम से किसी भी चुनौती का सामना किया जा सकता है। कन्वेंशन को संतोषी केरकेट्टा, बिंदेश्वर प्रसाद, जेके कामले, एजे प्रबल, गुरु प्रसाद गोंड, अरुण, हरि शंकर नायक और सुनील लकड़ा सहित अन्य वक्ताओं ने भी संबोधित किया।

रांची मेयर चुनाव : रमा खलखो का सघन जनसंपर्क अभियान, स्वच्छ शहर और सिंगल विंडो सिस्टम का वादा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : रांची नगर निगम मेयर चुनाव को लेकर प्रत्याशी रमा खलखो ने शनिवार को शहर के विभिन्न इलाकों में सघन जनसंपर्क अभियान चलाया। इस दौरान लाजपत नगर, पाही पैलेस, सरईटांड़, मोराबादी, बसंत विहार, हरमू, सामलौंग, प्लाजा चौक, पीस रोड, थरपखना, लोहरा कोचा, जेल रोड, लालपुर चौक, कांटाटोली, खादगढ़ा और रविदास मोहल्ला सहित कई क्षेत्रों में बैठक और पदयात्रा आयोजित की गई।

जनसंवाद के दौरान रमा खलखो ने कहा कि आम लोगों को निगम की नागरिक सुविधाएं सुलभ तरीके से मिलें, इसके लिए योजनाबद्ध कार्य उनकी प्राथमिकता होगी। उन्होंने भरोसा दिलाया कि निगम से मिलने वाले मूलभूत अधिकारों को जनता के दरवाजे तक पहुंचाया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि व्यवसायियों और उद्यमियों की समस्याओं के समाधान के लिए निगम में पारदर्शी सिंगल विंडो सिस्टम लागू किया जाएगा और अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाएगी। साथ ही निगम की योजनाएं समय पर पूरी हों, इसके लिए वार्डवार निगरानी समिति का गठन किया जाएगा।

रमा खलखो ने कहा कि आने वाले वर्षों में रांची को देश के स्वच्छ शहरों की सूची में ऊंचा स्थान दिलाना उनकी कार्ययोजना का हिस्सा है। स्वच्छ जल, स्वच्छ वातावरण और बेहतर बुनियादी ढांचा आम जनता का अधिकार है, जिसे सुनिश्चित करने के लिए वे प्रतिबद्ध हैं।

बसंत विहार हरमू में आयोजित कार्यक्रम में ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडे सिंह ने भी जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि सरकार विकास को प्राथमिकता देती है और राजधानी में कई फ्लाइओवर तथा नई सड़कों के निर्माण की दिशा में कार्य जारी है। मंत्री ने कहा कि यदि जनता रमा खलखो को नेतृत्व सौंपती है, तो शहर में विकास कार्यों को नई गति मिलेगी। कार्यक्रम में अमूल्य नीरज खलखो, अभिलाष साहू, रवि रोशन तिग्गा, आदित्य विक्रम जायसवाल, उमेश प्रसाद और अंजन खलखो सहित कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

संक्षिप्त खबरें

21 की शाम पांच बजे से 24 की सुबह तक बंद रहेगी शराब की दुकानें

रांची : नगर निकाय चुनाव के मद्देनजर इस बार भी शराब की दुकानें बंद रहेंगी। राज्य निर्वाचन आयोग ने सभी जिलों के डीसी को निकाय चुनाव को लेकर 21 फरवरी की शाम पांच बजे से 24 फरवरी की सुबह सात बजे तक शराब की दुकानें बंद करने का आदेश दिया है। आयोग के आदेश पर संबंधित जिलों के डीसी द्वारा अलग से इस संबंध में आदेश जारी किया जा रहा है। मालूम हो कि 21 फरवरी की शाम पांच बजे चुनाव प्रचार समाप्त होगा। 23 फरवरी को मतदान होगा। मतदान की प्रक्रिया समाप्त होने के बाद मतपेटियों के मतगणना स्थल पर जमा होते होते देर रात हो जाया करता है। इसलिए 24 की सुबह तक शराब की दुकानें बंद रखने का आदेश दिया गया है। वैसे शराब की दुकानें सुबह दस बजे खुलती हैं। इसलिए 24 फरवरी की सुबह दस बजे से आम लोगों को शराब मिल सकेगा। आयोग ने एक अन्य निर्देश में जिला निर्वाचन पदाधिकारियों को इस बार 48 घंटे में मतगणना की प्रक्रिया पूरी करने की बात कही है। इसके लिए उपायुक्तों को उपलब्ध मानव संसाधन के आधार पर मतगणना हॉल में टेबल की संख्या बढ़ाने की छूट भी दी गयी है। वैसे मतगणना स्थल पर टेबल की संख्या जिला निर्वाचन पदाधिकारी की समझ और उनके निर्देश पर ही निर्धारित होती है। जानकारी के अनुसार कुछ जिलों के डीसी ने राज्य निर्वाचन आयोग से टेबल की संख्या के बारे में सुझाव मांगा था। उस पर आयोग ने स्पष्ट किया कि डीसी अपने विवेक और जरूरत के अनुसार खुद टेबल की संख्या निर्धारित करें। केवल ध्यान रखें कि मतगणना की प्रक्रिया 48 घंटे के भीतर पूरी हो जाए। मालूम हो कि बैलेट पेपर से पूर्व में हुए चुनावों की मतगणना में कभी कभी काफी समय लग गया था।

झारखंड में बढ़ने लगी गर्मी, पश्चिमी सिंहभूम सबसे गर्म

रांची : झारखंड में गर्मी का असर धीरे-धीरे बढ़ने लगा है। मौसम विभाग के अनुसार राज्य के 12 जिलों में अधिकतम तापमान 30 डिग्री सेल्सियस या उससे अधिक दर्ज किया गया है, जबकि तीन जिलों में तापमान 32 डिग्री से ऊपर पहुंच गया है। सबसे अधिक तापमान पश्चिमी सिंहभूम में 33 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। मौसम विभाग ने बताया कि आने वाले चार दिनों में पूरे राज्य में अधिकतम तापमान में 3 से 4 डिग्री सेल्सियस तक और वृद्धि होने की संभावना है। राज्य के कई जिलों में तापमान 30 डिग्री या उससे अधिक दर्ज किया गया है, जिनमें जमशेदपुर में 31 डिग्री, डाल्टनगंज में 31 डिग्री, बोकारो में 30 .6 डिग्री, सरायकेला में 31.8 डिग्री, दुमका में 30 डिग्री, पाकुड़ में 30 डिग्री, साहिबगंज में 30 डिग्री, सिमडेगा में 31 डिग्री और गोड्डा में 31 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। वहीं सरायकेला, पलामू और गढ़वा में तापमान 32 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। रविवार को राज्य में सबसे अधिक तापमान पश्चिमी सिंहभूम में 33 डिग्री दर्ज किया गया, जबकि सबसे कम तापमान गुमला में 8 .3 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। राजधानी रांची और आसपास के क्षेत्रों में रविवार को मौसम साफ रहा और मध्यम गति से हवाएं चलीं। दिन में तेज धूप के कारण गर्मी महसूस हुई, जबकि शाम होते-होते ठंड का असर बना रहा। मौसम विभाग के अनुसार आने वाले दिनों में तापमान में और वृद्धि होने से झारखंड में गर्मी का असर और अधिक स्पष्ट रूप से महसूस किया जाएगा।

महाशिवरात्रि पर श्री राधा-कृष्ण प्रणामी मंदिर में धार्मिक सामाजिक एवं सेवा भाव से परिपूर्ण भव्य आयोजन

रांची : महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर श्री राधाझ्र्कृष्ण प्रणामी मंदिर परिसर में श्री कृष्ण प्रणामी सेवा धाम ट्रस्ट के तत्वावधान में अनेक धार्मिक, सांस्कृतिक एवं जनसेवा से जुड़े कार्यक्रमों का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर ट्रस्ट द्वारा संचालित अन्नपूर्णा महाप्रसाद भंडारा 253 वां अन्नपूर्णा महाप्रसाद भंडारा, श्री राधा रानी का अलौकिक एवं भव्य श्रृंगार, भजन जागरण तथा सामूहिक महाआरती का आयोजन श्रद्धा और उत्साह के साथ किया गया। धार्मिक कार्यक्रमों के साथ-साथ समाज सेवा के उद्देश्य से भगवान महावीर मणिपाल हॉस्पिटल के सौजन्य से एक दिवसीय निःशुल्क स्वास्थ्य जांच एवं चिकित्सा शिविर का भी आयोजन किया गया। शिविर में सद्गुरु कृपा अपना घर में रह रहे निराश्रितजनों, सेवादारों,मंदिर में पधारे श्रद्धालुओं ने लगभग 100 लोगों ने नेत्र जांच, ईसीजी, ब्लड शुगर, ब्लड प्रेशर, वजन, पल्स ऑक्सीजन जैसी आवश्यक स्वास्थ्य जांच कराई। शिविर में उपस्थित चिकित्सक डॉ० मिलन वर्मा एवं डॉ. नीरज कुमार ने मरीजों की जांच कर उन्हें आवश्यक परामर्श एवं उपचार संबंधी सुझाव दिए। भजन जागरण में ट्रस्ट के प्रसिद्ध भजन गायक मनीष सोनी ने एक से बढ़कर एक मनमोहक भजन प्रस्तुत कर श्रद्धालुओं को भाव-विभोर कर दिया। भजनों की मधुर प्रस्तुति पर भक्तगण झूमते नजर आए और पूरा मंदिर परिसर भक्ति रस में सराबोर हो गया। पुजारी अरविंद पांडे ने अपराह्न 12 बजे पूरे विधि विधान अनुष्ठान के साथ पूजा अर्चना कर महाप्रसाद भोग लगाया। सामूहिक महाआरती के दौरान वातावरण भक्तिमय ऊर्जा से भर उठा। ट्रस्ट के प्रवक्ता संजय सर्राफ ने कहा कि अन्नपूर्णा महाप्रसाद गुरुजी के शिष्यों के सौजन्य से संपन्न हुआ, जिसमें 2 हजार से अधिक भक्तों ने श्रद्धापूर्वक महाप्रसाद ग्रहण किया। महाप्रसाद में केसर युक्त जलेबी, पुलाव, सब्जी,इडली, सांभर, बड़ा एवं चिप्स का वितरण किया गया। पूरे दिन चले आयोजनों के दौरान लगभग 8 हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने मंदिर में दर्शन कर पुण्य लाभ अर्जित किया। इस अवसर पर ट्रस्ट के अध्यक्ष डूंगरमल अग्रवाल, उपाध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद अग्रवाल,निर्मल जालान, नंदकिशोर चौधरी, संजय सर्राफ, दीपेश निराला, विष्णु सोनी, मनीष सोनी,अनूप अग्रवाल, सुरेश भगत, ज्ञान प्रकाश शर्मा,मुकुंद मिश्रा, प्रेम शिला, शीलवंती, उमा, सहित बड़ी संख्या में भक्तगण उपस्थित थे।

एक नजर

नगर परिषद प्रत्याशी रामविलास बड़ाईक ने शिवालयों में मत्था टेका, लिया आशीर्वाद

सिमडेगा : नगर परिषद अध्यक्ष पद के प्रत्याशी रामविलास बड़ाईक ने शिवरात्रि महापर्व पर रविवार को नगर क्षेत्र के विभिन्न शिवालयों में पहुंचकर पूजा-अर्चना की और भगवान भोलेनाथ का आशीर्वाद प्राप्त किया। उन्होंने क्षेत्र की सुख-समृद्धि एवं विकास के लिए प्रार्थना की। इस क्रम में उन्होंने सरना मंदिर ठाकुर टोली, केलाघाघ शिव मंदिर, गुलजार गली शिव मंदिर तथा छोटा टाउन शिव मंदिर में मत्था टेककर श्रद्धालुओं से मुलाकात की। मंदिर परिसरों में उपस्थित लोगों ने उनका स्वागत किया और क्षेत्र के समग्र विकास की अपेक्षाएं साझा कीं। रामविलास बड़ाईक ने कहा कि नगर परिषद क्षेत्र के सर्वांगीण विकास, स्वच्छता, पेयजल, सड़क और बुनियादी सुविधाओं को सुदृढ़ करना उनकी प्राथमिकता है। उन्होंने आम जनता से आशीर्वाद एवं सहयोग की अपील की। मौके पर उनके साथ अनिरुद्ध सिंह, विद्या बड़ाईक, महावीर बड़ाईक, विनोद बड़ाईक एवं सुभाष महतो समेत अन्य समर्थक उपस्थित थे।

महाशिवरात्रि पूजा बड़े ही उत्साह के साथ मनाई गई

कुरडेग : प्रखंड के शिव मंदिरों में महाशिवरात्रि पूजा धूमधाम से मनाया गया। उमामहेश्वरमहावीर मंदिर में भक्तों की भीड़ उमड़ी, साथ ही दलकी, फांक, कसडेगा, अंवराजोर, गताडीह, लिटीमारा, पतरापाली के शिव मंदिरों में सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी, जहाँ उन्होंने भगवान शिव का अभिषेक एवं विशेष पूजा अर्चना की। इस अवसर पर कसडेगा, लिटीमारा, पतरापाली, गताडीह में अखंड हरिकीर्तन, फांक में धार्मिक नाटक कार्यक्रम तथा अन्य मंदिरों में भजन कीर्तन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। थाना परिसर के शिव मंदिर में विशेष पूजा अर्चना एवं भंडारे का आयोजन किया गया।

भुरकुंडा में धूमधाम से निकली शिव विवाह बारात

भुरकुंडा : महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर हॉस्पिटल कॉलोनी स्थित शिव मंदिर से भगवान शिव की भव्य बारात गाजे-बाजे के साथ निकाली गई। पारंपरिक वेशभूषा और आकर्षक झांकियों से सजी इस बारात ने पूरे क्षेत्र को भक्तिमय बना दिया। जयकारों और श्रद्धा की गूंज के बीच श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक बारात में भाग लिया। शिव बारात मंदिर परिसर से प्रारंभ होकर छठ मंदिर नीचे धौड़ा, थाना चौक, बिरसा चौक होते हुए रामनवमी मैदान तक पहुंची। वहां से पुनः मंदिर लौटकर कार्यक्रम का समापन हुआ। मार्ग के विभिन्न स्थानों पर लोगों ने बारात का स्वागत किया और पुष्प वर्षा कर अपनी आस्था प्रकट की। बारात का मुख्य आकर्षण भूत, प्रेत, बंदर, भालू और अन्य वन्य प्राणियों के रूप में सजे बच्चे और युवक रहे। शिवगणों का स्वरूप धारण किए प्रतिभागियों ने वातावरण को जीवंत बना दिया। विभिन्न देवी-देवताओं की वेशभूषा में सजे बच्चों ने भी श्रद्धालुओं का मन मोह लिया। डीजे की धुन पर श्रद्धालु नाचते-गाते आगे बढ़ते रहे, जिससे पूरा इलाका उत्सव में डूबा नजर आया। हर-हर महादेव और बम-बम भोले के उद्घोष से सड़कों पर आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार होता रहा। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ बारात के साथ चलती रही, जिससे पूरे मार्ग में मेले जैसा दृश्य देखने को मिला।

शादी का झांसा देकर लाखों की ठगी, तिलैया पुलिस ने दो आरोपियों को किया गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : शादी के लिए लड़की उपलब्ध कराने का झांसा देकर लोगों से रुपये ठगने वाले गिरोह का तिलैया पुलिस ने पदार्फाश किया है। मामले में दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया है, जबकि अन्य की तलाश में छापेमारी जारी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, महाराष्ट्र के परमणी जिला अंतर्गत जितपुर थाना क्षेत्र के ग्राम संभाजी निवासी सुलोचना गंगाराम सोनुने ने दिनांक 14.02.2026 को तिलैया थाना में लिखित शिकायत दर्ज कराई। शिकायत में आरोप लगाया गया कि शादी कराने के नाम पर उनसे एवं उनके परिचितों से सुनियोजित तरीके से बड़ी राशि की ठगी की गई। इस संबंध में तिलैया थाना कांड संख्या 48/26, दिनांक 14.02.2026 को बीएनएस की विभिन्न धाराओं 316(2), 318(4), 319(2), 338, 336(3), 61(2), 3(5) के तहत मामला दर्ज किया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर पु०नि० सह थाना प्रभारी श्री विनय कुमार के नेतृत्व में विशेष टीम का गठन किया गया।

ऐसे करते थे ठगी

जांच में सामने आया कि आरोपी शादी के इच्छुक लोगों से संपर्क कर उन्हें तिलैया स्टेशन रोड स्थित सागर होटल बुलाते थे। वहां शादी के लिए लड़की उपलब्ध कराने का भरोसा देकर मोटी रकम वसूलते और बाद में बहाने बनाकर टालमटोल करते थे। गिरफ्तार आरोपियों ने पूछताछ में अपराध स्वीकार करते हुए बताया कि अधिक पैसा कमाने के लालच में वे अन्य सहयोगियों–खुशबू देवी, हेमा कुमारी, रिंकी कुमारी आदि के साथ मिलकर यह ठगी करते थे।

गिरफ्तार अभियुक्त

तस्लीम अंसारी उर्फ आर्यन, साकिन हरली बासोडीह, थाना जयनगर, जिला कोडरमा किशोर कुमार वर्मा, मालिक/मैनेजर सागर होटल, नवादा बस्ती, थाना तिलैया, जिला कोडरमा

बरामद सामान

ओप्पो कंपनी का स्मार्टफोन 01
जिओ सिम 01, एयरटेल सिम 01
500 के 20 नोट (कुल 10,000)

छापामारी दल

वनय कुमार, पु०नि० सह-थाना प्रभारी, तिलैया थाना, पु०अ०नि० विजय गुप्ता, सशस्त्र बल, तिलैया थाना, पुलिस टीम द्वारा मामले में संलिप्त अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी हेतु लगातार छापेमारी की जा रही है। पुलिस ने आम जनता से अपील की है कि शादी या अन्य किसी भी कार्य के नाम पर पैसे देने से पहले पूरी जांच-पड़ताल अवश्य करें।

यह कार्रवाई क्षेत्र में सक्रिय ठगी गिरोहों के खिलाफ पुलिस की सख्त मुहिम का हिस्सा है।

गोला में डॉ. अजीत कुमार की 17वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

गोला : प्रख्यात चिकित्सक और समाजसेवी डॉ अजीत कुमार की 17वीं पुण्यतिथि पर चितरंजन सेवा सदन, गोला में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में चिकित्सक, सामाजिक कार्यकर्ता और विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि उपस्थित हुए और डॉ अजीत कुमार को श्रद्धा-सुमन अर्पित किए। श्रद्धांजलि सभा में उनकी धर्मपत्नी वंदना अम्बष्ट, डॉ नवाब, डॉ नरेंद्र कुमार, डॉ अनुपमा वर्मा, डॉ संजय कुमार तथा वरिष्ठ पत्रकार मनोज मिश्र सहित अनेक गणमान्य लोग शामिल हुए। सभा की शुरूआत दो मिनट के मौन के साथ हुई, जिसके माध्यम से दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की गई। इस अवसर पर मनोज मिश्र ने डॉ अजीत कुमार को याद करते हुए कहा कि वे क्षेत्र की महान शख्सियत थे और गरीबों के सच्चे हितैषी के रूप में पहचाने जाते थे। उन्होंने कहा कि डॉ कुमार का जीवन समाज सेवा को समर्पित था। वे हर सामाजिक कार्य में सबसे आगे खड़े नजर आते थे और जरूरतमंदों को निःशुल्क चिकित्सा उपलब्ध कराना अपना कर्तव्य मानते थे। उनके निधन से क्षेत्र को जो क्षति हुई है, उसकी भरपाई संभव नहीं है। डॉ अजीत कुमार की लोकप्रियता गोला, पेटरबार, दुलमी, चितरपुर, रामगढ़, रजरप्पा, सिल्ली, कसमार और गोमिया समेत आसपास के कई इलाकों तक फैली हुई थी। श्रद्धांजलि सभा में लोगों की उपस्थिति इस बात का प्रमाण थी कि वे आम जनता के बीच कितने सम्मानित और प्रिय थे। कार्यक्रम में कुंवर कुमार बक्सी, अरुण बक्सी, सुजाता बक्सी, रजनीश आनंद, अमित कुमार, संतोष सोनी, मो अकबर, विजय महतो, प्रियंका कुमारी सहित दर्जनों लोगों ने उपस्थित होकर अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

13553 अप पैसेंजर ट्रेन से 54,490 मि.ली. अवैध शराब बरामद, रेसुब की बड़ी कार्रवाई

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : प्रतिबंधित सामानों के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत रेसुब पोस्ट कोडरमा की टास्क टीम ने 13553 अप पैसेंजर ट्रेन में बड़ी कार्रवाई करते हुए भारी मात्रा में शराब बरामद की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, कोडरमा के निर्देशन में गठित टीम–उप निरीक्षक जितेन्द्र कुमार, प्रधान आरक्षी हरिमोहन मीना एवं आरक्षी रंजीत सिंह–द्वारा गाड़ी संख्या 13553 अप पैसेंजर में गझंडीझगुरपा के मध्य चेकिंग अभियान चलाया जा रहा था। समय लगभग 12:05 बजे जब ट्रेन लालबाग स्टेशन के आसपास थी, तब अलग-अलग सीटों के नीचे एक जूट का बोरा, एक प्लास्टिक का बोरा तथा काला, काला-हरा और पीले रंग के तीन पिठू बैग संदिग्ध अवस्था में पड़े मिले। बोरे से शराब की गंध आने पर यात्रियों से पूछताछ की गई, लेकिन किसी ने भी सामान पर दावा नहीं किया। संदेह के आधार पर मौके पर ही सभी बोरे और बैग खोलकर जांच की गई, जिसमें 40 लीटर देशी महुआ शराब दोनों बोरों में 5-5 लीटर के पैक थी। बरामद सभी शराब की कुल मात्रा 54,490 मि.ली. आंकी गई, जिसकी अनुमानित कीमत 17,620/- बताई गई है। उप निरीक्षक जितेन्द्र कुमार द्वारा उपलब्ध गवाहों की उपस्थिति में समय 12:15 बजे विधिवत जप्ती सूची तैयार कर सभी शराब जब्त की गई। बाद में अग्रिम कार्रवाई के लिए जब्त सामग्री को रेसुब पोस्ट कोडरमा लाया गया और तत्पश्चात उत्पाद विभाग, कोडरमा को सुपुर्द कर दिया गया। रेलवे पुलिस की इस कार्रवाई से अवैध शराब तस्करी करने वालों में हड़कंप मच गया है। अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि इस तरह की सघन जांच आगे भी जारी रहेगी।

ध्वजधारी मंदिर परिसर में महाशिवरात्रि मेला के फूड स्टॉलों का निरीक्षण, स्वच्छता व गुणवत्ता के सख्त निर्देश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : उपायुक्त के निदेर्शानुसार ध्वजधारी मंदिर परिसर में आयोजित महाशिवरात्रि मेला के दौरान लगाए गए विभिन्न फूड स्टॉल एवं ठेलाझखोमचा का निरीक्षण खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी, कोडरमा, अभिषेक आनंद द्वारा किया गया। निरीक्षण के क्रम में चाट में प्रयुक्त किए जा रहे रंग की जांच की गई, जो खाद्य रंग पाया गया। इसके अतिरिक्त विक्रय हेतु उपलब्ध खाद्य सामग्रियों में प्रयुक्त सॉस, तेल एवं अन्य मसालों की भी जांच की गई। साथ ही दुकानों में बेची जा रही खाद्य वस्तुओं की गुणवत्ता एवं स्वच्छता की स्थिति का भी निरीक्षण किया गया। सभी फूड स्टॉल एवं ठेला-खोमचा संचालकों को स्वच्छता एवं हाइजीन मानकों का अनुपालन करते हुए गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री का विक्रय सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। खाद्य कारोबारियों को अपने प्रतिष्ठानों से एक्सपायरी, बासी अथवा सड़ीझगली खाद्य सामग्री को तत्काल नष्ट करने के सख्त निर्देश दिए गए। निमार्णाधीन खाद्य पदार्थों में केवल गुणवत्तापूर्ण सामग्री एवं एफएसएसएआई प्रमाणित फूड कलर का निर्धारित मात्रा में ही उपयोग करने का निर्देश दिया गया। विशेष रूप से चाटझगोलगप्पा एवं मसाला विक्रेताओं को प्रतिबंधित एवं कैंसर कारक अखाद्य रंग (जैसे चांपिया रंग, पुड़िया रंग, सम्राट रंग, गाय छाप रंग, जलेबी रंग आदि) के प्रयोग से सख्ती से परहेज करने को कहा गया। साथ ही पैकेज्ड खाद्य सामग्री का उपयोग करने से पूर्व उस पर अंकित एफएसएसएआई लाइसेंस नंबर, निर्माण तिथि, एक्सपायरी तिथि एवं निमार्ता का पूर्ण पता सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया।

कुजू के अलंकार शिव-दुर्गा मंदिर में महाशिवरात्रि पर उमड़ा जनसैलाब

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कुजू : क्षेत्र के डटमा मोड़ स्थित अलंकार शिवझदुर्गा मंदिर में महाशिवरात्रि का पर्व श्रद्धा, उत्साह और आध्यात्मिक ऊर्जा के साथ मनाया गया। पावन अवसर पर सुबह से ही मंदिर परिसर में भक्तों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। पूरा शिवालय बम-बम भोले के जयघोष से गूंज उठा और वातावरण भक्तिमय हो गया। रविवार तड़के चार बजे से ही श्रद्धालुओं का आना-जाना शुरू हो गया था। भक्तों ने शिवलिंग पर जल अर्पित कर पूजा-अर्चना की और अपने परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की। महिलाओं, पुरुषों और बच्चों ने भी पूरे उत्साह के साथ जलाभिषेक किया। छोटे बच्चों की सहभागिता ने आयोजन को और भी विशेष बना दिया। भक्तों ने भगवान शिव को दूध, गंगाजल, बेलपत्र, धतूरा, भांग, पुष्प और फल अर्पित कर विधिवत पूजा संपन्न की। दिनभर मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। महाशिवरात्रि के अवसर पर मंदिर को फूल-मालाओं और रंग-बिरंगी विद्युत झालरों से आकर्षक ढंग से सजाया गया था। सुसज्जित मंदिर की भव्यता दूर से ही लोगों को आकर्षित कर रही थी और श्रद्धालु उसकी छटा को निहारते नहीं थक रहे थे।

नगरपालिका चुनाव-2026 की तैयारियों का उपायुक्त ने लिया जायजा, स्ट्रॉन्ग रूम व काउंटिंग हॉल का किया निरीक्षण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : नगरपालिका (आम) निर्वाचन-2026 के सफल, पारदर्शी एवं निष्पक्ष संचालन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त ऋतुराज द्वारा स्ट्रॉन्ग रूम, काउंटिंग हॉल, रिसीविंग सेंटर एवं डिस्पैच सेंटर का स्थल निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त ने स्ट्रॉन्ग रूम में सुरक्षा व्यवस्था, सीसीटीवी निगरानी, अग्निशमन उपकरण, प्रवेश-निकास व्यवस्था तथा दंडाधिकारी एवं पुलिस बल की प्रतिनियुक्ति की समीक्षा की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि स्ट्रॉन्ग रूम की सुरक्षा में किसी प्रकार की शिथिलता न बरती जाए तथा भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों का अक्षरशः अनुपालन सुनिश्चित किया जाए। काउंटिंग हॉल के निरीक्षण के दौरान उन्होंने मतगणना टेबलों की व्यवस्था, प्रकाश, पेयजल, शौचालय, बैरिकेडिंग, अभ्यर्थियों एवं मतगणना अभिकताओं के बैठने की समुचित व्यवस्था तथा सुरक्षा प्रबंधों का जायजा लिया। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिया कि मतगणना कार्य पूर्णतः पारदर्शी, शांतिपूर्ण एवं निर्धारित प्रोटोकॉल के अनुरूप संपन्न हो। रिसीविंग एवं डिस्पैच सेंटर के निरीक्षण के दौरान मतदान दलों की सुविधा, सामग्री वितरण एवं प्राप्ति की सुव्यवस्थित प्रक्रिया, सहायता काउंटर, हेल्प डेस्क तथा नियंत्रण कक्ष की व्यवस्था की समीक्षा की गई। उपायुक्त ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि मतदान दलों को किसी प्रकार की असुविधा न हो तथा सभी आवश्यक संसाधन समय पर उपलब्ध कराए जाएं। उपायुक्त ने सभी संबंधित पदाधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने तथा निर्वाचन प्रक्रिया के प्रत्येक चरण में सतर्कता बरतने का निर्देश दिया। इस अवसर पर उप निर्वाचन पदाधिकारी प्रिंस गोडविन कुजूर, प्रशासक नगर पंचायत कोडरमा एवं अन्य संबंधित कर्मी उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

केतुंगाधाम मंदिर में महाशिवरात्रि पर उमड़ा श्रद्धालुओं का जनसैलाब

सिमडेगा : महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर केतुंगाधाम मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा। तड़के सुबह से ही भक्तों की लंबी कतारें लग गईं। श्रद्धालुओं ने विधि-विधान से भगवान शिव का जलाभिषेक कर सुख-शांति और समृद्धि की कामना करते कतारबद्ध हैं। मंदिर परिसर को आकर्षक ढंग से सजाया गया है तथा सुरक्षा और व्यवस्था के लिए प्रशासन की ओर से विशेष इंतजाम किए गए हैं। पुलिस बल और न्यास समिति द्वारा लगातार भीड़ को नियंत्रित करने में जुटे हुए हैं। वहीं जिले से अनुमंडल पदाधिकारी प्रभात रंजन ज्ञानी भी पूरी व्यवस्था का जायजा लेने केतुंगा पहुंचे और न्यास समिति से मुलाकात किए। वहीं पूरे क्षेत्र में भजन-कीर्तन और शिव मंत्रों के उच्चारण से वातावरण भक्तिमय बना हुआ है। दूर-दराज के गांवों और पड़ोसी जिलों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे हुए हैं। स्थानीय दुकानदारों और सेवा समितियों द्वारा श्रद्धालुओं के लिए पेयजल और प्रसाद की व्यवस्था की गई है। शांतिपूर्ण और उत्साहपूर्ण माहौल में महाशिवरात्रि का पर्व पर श्रद्धालुओं का उत्साह चरम पर देखने को मिल रहा है।

मां वनदुर्गा के पावन परिसर के शिवालय में रुद्राभिषेक संपन्न

बोलबा : प्रखंड के प्रसिद्ध आस्था का केंद्र वनदुर्गा शिव मंदिर में रुद्राभिषेक ज्योतिष आचार्य संजय मिश्रा के नेतृत्व में भव्य रुद्राभिषेक किया गया। रुद्राभिषेक पुरोहित अजय झा एवं जजमान अभिषेक कुमार सह पत्नीक अरुण कुमार सह पत्नीक के रुद्राभिषेक पूजन अर्चन विधिवत किया गया। इस अवसर पर शिवलिंग पर 5 किलो दूध स्नान ध्यान कराया गया। तथा हवन के साथ महाआरती किया गया। अवसर पर शिव मंदिर का शेड एवं ब्रैकेटिंग को नियुक्त शिक्षक द्वारा उद्घाटन किया गया। रुद्राभिषेक कर सभी नवनियुक्त शिक्षकों को समान पूर्वक पैर धोकर एवं अलता लगाकर श्रीफल एवं अंग वस्त्र शिव मंदिर का फोटो देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर वनदुर्गा का पूजा समिति अध्यक्ष जहुरन रौतिया सचिव जगरनाथ रौतिया उपाध्यक्ष शशि प्रसाद प्रबंधक केसरी रौतिया प्रबंधक कालिंद्र रौतीया पुजारी गजेंद्र रौतिया रुपलाल रौतिया बलराम रौटिया भोंदा रौतिया हरिराम रौतिया इसके अलावा अरुण रौतिया नीलांबर महतो मार्गदर्शक (ज्योतिष आचार्य) संजय मिश्रा की आम भूमिका रही।

झलपो सहित विभिन्न मोहल्लों में रमेश हर्षधर ने चलाया सघन जनसंपर्क अभियान

झुमरी तिलैया : नगर परिषद अध्यक्ष पद के प्रत्याशी रमेश हर्षधर ने रविवार को नगर के विभिन्न मोहल्लों में सघन जनसंपर्क अभियान चलाकर विकास और पारदर्शिता का संकल्प दोहराया। पूरे दिन चले इस अभियान में नागरिकों का उत्साहपूर्ण समर्थन देखने को मिला। जगह-जगह लोगों ने उनका स्वागत कर आशीर्वाद दिया, जिससे वातावरण पूरी तरह जनसमर्थनमय हो उठा। रविवार को झलपो, रामलखन सिंह यादव कॉलेज रोड, मोरियावा, गांधी स्कूल रोड, मेडिकल कॉलोनी, पानी टंकी रोड तथा श्मशान घाट काली मंदिर मोहल्ला में घर-घर जाकर रमेश हर्षधर ने नागरिकों से मुलाकात की। लोगों ने नगर की मूलभूत समस्याओं को सामने रखा और समाधान की अपेक्षा जताई। प्रत्याशी ने भरोसा दिलाया कि अवसर मिलने पर साफ-सफाई, पेयजल, सड़क, नाली और प्रकाश व्यवस्था को सुदृढ़ करना उनकी प्राथमिकता होगी।अभियान के दौरान नागरिकों ने खुलकर समर्थन व्यक्त किया। कई लोगों ने कहा कि जो व्यक्ति 365 दिन, 24 घंटे जनता के हित में सोचता है, वही सच्चा जनप्रतिनिधि होता है। स्थानीय निवासियों का कहना था कि रमेश बाबू हमेशा से सेवा के लिए तत्पर रहते हैं और हर परिस्थिति में लोगों के साथ खड़े दिखाई देते हैं। जनसंपर्क के अंत में रमेश हर्षधर ने नागरिकों से बाल्टी छाप पर मतदान कर उन्हें भारी मतों से विजयी बनाने की अपील की। उन्होंने विश्वास जताया कि नगर की जनता विकास और ईमानदार नेतृत्व के पक्ष में अपना मत देगी।

कोडरमा नगर पंचायत चुनावः राजेश कुमार के चुनावी कार्यालय का भव्य उद्घाटन

कोडरमा : कोडरमा नगर पंचायत चुनाव के बीच राजेश कुमार सिंह उर्फ राजू भैया के चुनावी कार्यालय का भव्य उद्घाटन किया गया। कार्यालय का शुभारंभ अन्नबी फर्नीचर के बगल में किया गया, जहां समर्थकों और स्थानीय लोगों की बड़ी संख्या मौजूद रही। इस मौके पर कई वरिष्ठ समाजसेवी और क्षेत्रीय गणमान्य लोग शामिल हुए, जिनमें रामकिशोर सिंह, बीरबल सिंह, ब्रह्मदेव सिंह, किशन यादव, सोनू विश्वकर्मा, सूरज कुमार, सुभाष कुमार सिंह, विश्वनाथ सिंह, आशुतोष कुमार, कुंज बिहारी प्रसाद, महानंद सिंह, निखिल श्रीवास्तव, सुमन वर्मा, चंदन सिंह, पिंटू सिंह, पंकज पांडे, अजय पांडे, रितेश कुमार, मोनू कुमार शामिल थे। समर्थकों में खासा उत्साह देखा गया, लोगों ने राजू भैया के नेतृत्व और विकास के विजन पर भरोसा जताते हुए चुनाव में मजबूती से साथ देने का संकल्प लिया। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह कार्यालय सिर्फ चुनावी केंद्र नहीं, बल्कि जनता की समस्याओं के समाधान का नया केंद्र बनेगा।

एक नजर

परिवहन विभाग ने दो वाहन किया जब्त

साहिबगंज: बोरियो थाना क्षेत्र अंतर्गत परिवहन विभाग पदाधिकारी मिथिलेश चौधरी ने शनिवार की देर शाम डीप बोरिंग के दो वाहन मंजूनाथ रॉक ड्रिल के दो वाहन को झारखंड का परमिट नहीं रहने के आरोप में जब्त कर बोरियो थाना को सुपुर्द किया। डीटीओ ने बताया कि दोनों वाहन झारखंड के बाहर दूसरे राज्य के हैं। दोनों वाहन से जुर्माना की राशि वसूला जाएगा।

समाज के सर्वांगीण विकास के लिए शिक्षा जरूरी : मो.मारूफ

साहिबगंज: उधवा प्रखंड स्थित आरकेजी स्कूल प्यारपुर में आयोजित वार्षिक समारोह में राजमहल विधायक प्रतिनिधि मो. मारूफ उर्फ गुड्डू, राधानगर थाना प्रभारी अमर कुमार मिंज, प्रखंड अध्यक्ष अयूब अली उर्फ बाबू दा, काजू मल्लिक, मुखिया मो.आजाद व मो.यासीन शामिल हुए। सभी अतिथियों ने संयुक्त रूप से फीता काटकर विद्यालय के वार्षिक समारोह का उद्घाटन किया। विधायक प्रतिनिधि ने कहा कि समाज के सर्वांगीण विकास के लिए शिक्षा जरूरी है। इसलिए अभिभावक अपने बच्चों को शिक्षा अवश्य दें, उन्होंने विद्यालय प्रबंधन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सुदूरवर्ती इलाके में भी बेहतर शैक्षणिक माहौल स्थापित की गई है। साथ ही बच्चों के अंदर खेलकूद एवं अन्य प्रतिभागी के प्रति भी प्रशिक्षित किया गया, जो बच्चों के उज्जवल भविष्य के लिए काफी लाभदायक और प्रेरणादायक है। बच्चों के माध्यम से सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति की गई। विद्यालय प्रबंधन की ओर से अतिथियों को अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया। वहीं मौके पर एकलाकुर रहमान एवं मो.जहांगीर सहित अन्य मौजूद थे।

विशेष टिकट जांच अभियान में 652 मामले पकड़े गए 3,70,805 जुर्माना वसूले

साहिबगंज: मालदा के संभागीय रेलवे प्रबंधक मनीष कुमार गुप्ता के मार्गदर्शन में, पूर्वी रेलवे के मालदा संभाग ने टिकट अनुशासन को मजबूत करने और रेलवे राजस्व की रक्षा करने के अपने सतत प्रयासों के तहत पूरे संभाग में गहन विशेष टिकट-जांच अभियान नियमित रूप से आयोजित किए हैं। इस संबंध में, 15 फरवरी 2026 को, इस अभियान की व्यापक रूप से मालदा के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक कार्तिक सिंह द्वारा निगरानी और पर्यवेक्षण किया गया, जो पूरी जांच प्रक्रिया के दौरान उपस्थित रहे। विशेष अभियान की शुरुआत मालदा टाउन स्टेशन से हुई, जहां ट्रेन संख्या 13409 मालदा टाउन-किउल इंटरसिटी एक्सप्रेस की गहन जांच की गई। यह जांच मालदा टाउन-साहिबगंज-भागलपुर-जमालपुर खंड पर लगातार जारी रही, जिसमें बरहरवा, करणपुराती, तिनपहाड़, साहिबगंज और भागलपुर स्टेशन शामिल थे। तिनपहाड़ में स्टेशन परिसर के साथ-साथ ट्रेनों में भी जांच की गई। राजमहल-तिनपहाड़ पैसेंजर ट्रेन की भी तिनपहाड़ में गहन जांच की गई। साहिबगंज और भागलपुर स्टेशनों पर तथा भागलपुर और जमालपुर खंडों के बीच चलने वाली ट्रेनों में भी अतिरिक्त जांच की गई, जिससे पूरे मार्ग पर व्यापक प्रवर्तन सुनिश्चित हुआ। यह अभियान वाणिज्यिक निरीक्षकों, साहिबगंज दस्ते, भागलपुर, जमालपुर और मालदा दस्ते के टिकट जांच कर्मचारियों और रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) कर्मियों द्वारा रेलवे टिकट नियमों और विनियमों के प्रभावी प्रवर्तन को सुनिश्चित करने के लिए चलाया गया था। टिकटों की गहन जांच अभियान के दौरान, अनियमित यात्रा के कुल 652 मामले पकड़े गए, जिसके परिणामस्वरूप जुर्माने के रूप में 3,70,805 वसूल किए गए।

साहिबगंज में नीट की तैयारी कर रहे युवक ने की आत्महत्या, जांच में जुटी पुलिस

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : जिले के राधानगर थाना क्षेत्र के पूर्वी उधवा पंचायत अंतर्गत जंगलपाड़ा गांव में 25 वर्षीय युवक का शव फंदे से लटका मिला। जिससे इलाके में सनसनी फैल गयी है। मृतक की पहचान जंगलपाड़ा निवासी चिनमय सिंह के रूप में हुई है। वह नीट की तैयारी कर रहा था। घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है, वहीं पूरे गांव में मातम पसरा हुआ है। जानकारी के अनुसार चिनमय सिंह शनिवार दोपहर घर से निकला था। शाम तक घर नहीं लौटने पर परिजनों ने उसकी खोजबीन शुरू की। इसी दौरान देर शाम ग्रामीणों से सूचना मिली कि घर के सामने गंगा नदी किनारे आम बगीचा के पास स्थित व्यायामशाला में वह फंदे से लटका हुआ है। सूचना मिलते ही परिजन और ग्रामीण मौके पर पहुंचे और शव को फंदे से उतारकर घर ले आए। घटना की जानकारी मिलते ही राधानगर थाना के एएसआई सुनील मेहता पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और मामले की छानबीन की। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर कागजी प्रक्रिया पूरी की और पोस्टमार्टम के लिए राजमहल अनुमंडलीय अस्पताल भेजने की तैयारी की। परिजनों के अनुसार चिनमय सिंह पढ़ाई में काफी होनहार था। उसने बीएससी की पढ़ाई पूरी करने के बाद डी-फार्मा डिप्लोमा किया था और वर्तमान में नीट की तैयारी कर रहा था। वह अपने परिवार का इकलौता बेटा था। ऐसे में उसके द्वारा यह कदम उठाए जाने से परिजन ही नहीं, बल्कि गांव के लोग भी हैरान हैं। इस संबंध में राधानगर थाना प्रभारी अमर कुमार मिंज ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंचकर जांच कर रही है। फिलहाल परिजनों की ओर से कोई लिखित आवेदन नहीं दिया गया है। पुलिस आत्महत्या के सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर मामले की जांच कर रही है।

पाकुड़ में उद्यान प्रभाग की समीक्षा बैठक डीसी ने योजनाओं की प्रगति पर दिए निर्देश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : जिले के उपायुक्त मनीष कुमार की अध्यक्षता में उद्यान प्रभाग की समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में राज्य एवं केंद्र प्रायोजित योजनाओं के तहत संचालित विभिन्न कार्यक्रमों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।बैठक में राज्य उद्यान विकास योजना अंतर्गत उपयोजना उद्यान विकास की योजना के अवयववार प्रगति की समीक्षा की गई। जिला उद्यान पदाधिकारी ने जानकारी दी कि अधिकांश अवयवों के विरुद्ध लक्ष्य प्राप्त कर लिया गया है, जबकि ओल एवं अदरख का वितरण शेष है, जिसे फरवरी माह में पूर्ण कर लिया जाएगा। प्रोमोशन ऑफ अर्बन फार्मिंग योजना की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने अमरजीत सिंह बालिहार पार्क के सुसज्जीकरण एवं सौंदर्यीकरण करने का निर्देश दिया। राज्य उद्यान विकास योजना अंतर्गत मधुमक्खी पालन योजना की समीक्षा के दौरान उपायुक्त ने प्रखंड लिट्टीपाड़ा में मधु महोत्सव आयोजित करने का निर्देश जिला उद्यान पदाधिकारी को दिया, ताकि किसानों को मधुमक्खी पालन से आय बढ़ाने के लिए प्रेरित किया जा सके। केंद्रीय प्रायोजित कृषि उन्नति योजना अंतर्गत योजना की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने कार्यशाला, प्रदर्शनी, किसान मेला, हॉर्टिकल्चर शो, हनी फेस्टिवल आदि गतिविधियों को आयोजित करने का निर्देश दिया। साथ ही बाजार समिति पाकुड़ प्रांगण में उद्यान महोत्सव सह सब्जी कार्यशाला आयोजित करने के निर्देश दिए गए। वहीं उपायुक्त ने कहा कि उद्यानिकी क्षेत्र किसानों की आय बढ़ाने का महत्वपूर्ण माध्यम है। सभी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करते हुए अधिकाधिक किसानों को इससे लाभान्वित किया जाए।

सांसद ने महाशिवरात्रि मेला का फीता काटकर किया उद्घाटन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : जिले के बरहेट प्रखंड में महाशिवरात्रि के शुभ अवसर पर बाबा गाजेश्वरनाथ धाम शिवगादी में रविवार को दो दिवसीय मेले का उद्घाटन राजमहल लोकसभा क्षेत्र के सांसद विजय हांसदा, सांसद प्रतिनिधि संजीव सामू हेंब्रम, झामुमो प्रखंड अध्यक्ष सह प्रमुख बर्नार्ड मरांडी,जिला संगठन सचिव छवि हेंब्रम ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। इस दौरान पुरोहित सुनील झा ने वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ पूजन कराया। तत्पश्चात पुरोहित ने सभी को पीतांबरी शिवलिंग का पूजा अर्चना कराया। वहीं मंदिर परिसर में हर-हर महादेव के नारों से गूंज उठा। इस अवसर पर सांसद विजय हांसदा ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि दो दिवसीय शिवरात्रि मेले में झारखंड, बिहार व बंगाल राज्य के भारी संख्या में साफा होड़ समाज के लोग एवं श्रद्धालु पूजा अर्चना करने पहुंचते हैं। यह संथाल परगना का प्रसिद्ध धार्मिक स्थल है। सांसद के शिवगादी पहुंचने पर प्रबंध समिति के सदस्यों ने अंग वस्त्र एवं मोमेंटो देकर सम्मानित किया। मौके पर युवा मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष देव सोरेन, लखिराम हेंब्रम, झामुमो प्रखंड कोषाध्यक्ष गुंजन सिंघानिया, समदा सोरेन, पप्पू भगत, लड्डू भगत, प्रखंड उपप्रमुख सह प्रबंध समिति के अध्यक्ष रूपक साह सहित समिति के पदाधिकारी गण मौजूद थे।

जेल अदालत, विधिक जागरूकता-सह-स्वास्थ्य जांच शिविर का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार-झालसा, रांची के निर्देशानुसार तथा माननीय प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश-सह-अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, साहेबगंज अखिल कुमार के मार्गदर्शन में मंडल कारा, साहेबगंज में जेल अदालत, विधिक जागरूकता सह स्वास्थ्य जांच शिविर का सफल आयोजन किया गया। इस अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव विश्वनाथ भगत, अनुमंडल न्यायिक दंडाधिकारी तुषार आनंद, चीफ लीगल डिफेंस काउंसिल अरविन्द गोयल एवं उनकी टीम की उपस्थित रहे। साथ ही मंडल कारा के अधीक्षक परमेश्वर भगत सहित कारा प्रशासन के अन्य पदाधिकारी भी उपस्थित थे। कार्यक्रम के दौरान बंदियों के मामलों की सुनवाई हेतु जेल अदालत का संचालन किया गया, वहीं बंदियों को उनके विधिक अधिकारों, निःशुल्क विधिक सहायता, लोक अदालत, जमानत प्रक्रिया एवं अन्य कानूनी प्रावधानों की विस्तृत जानकारी दी गई। इसके अतिरिक्त बंदियों के लिए स्वास्थ्य जांच शिविर का भी आयोजन किया गया, जिसमें चिकित्सकों द्वारा स्वास्थ्य परीक्षण कर आवश्यक परामर्श और दवा प्रदान किया गया। अधिकारियों ने बंदियों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करते हुए न्याय तक सुलभ पहुंच सुनिश्चित करने पर बल दिया। इस पहल को बंदियों के कल्याण एवं न्यायिक प्रक्रिया को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया गया।

सरिया में शिवरात्रि महापर्व की धूम शिवालयों में उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सरिया : सरिया प्रखंड क्षेत्र में दो दिवसीय महाशिवरात्रि का पावन पर्व श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया जा रहा है। रविवार को सुबह से ही श्रद्धालु हर-हर महादेव के जयकारों के साथ शिवालयों की ओर उमड़ पड़े।क्षेत्र के प्रमुख तीर्थ व मंदिर राजदह धाम,शिवशक्ति धाम, सदाशिव धाम चंद्रमारणी, सदाशिव धाम, आशुतोष मंदिर, सरिया बाजार स्थित शिव मंदिर, बलीडीह, शिवलोक मंधनिया, मोकामो, बागोडीह, कोयरीडीह आदि क्षेत्र में विशेष पूजा-अर्चना की गई। इसके अलावा चौधरीडीह, परसिया, केशवारी, घुठियापेसरा, अमनारी, नावाडीह, सबलपुर सहित आसपास के सभी गांवों में स्थित शिवालयों में भी भक्तों की भारी भीड़ देखने को मिली। श्रद्धालुओं ने बेलपत्र, दूध,जल और धतूरा अर्पित कर भगवान शिव का अभिषेक कर परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की।महाशिवरात्रि को लेकर कई मंदिरों में रुद्राभिषेक, विशेष आरती और भजन-कीर्तन का आयोजन किया गया। सुरक्षा और व्यवस्था को लेकर स्वयंसेवकों की तैनाती रही। वहीं प्रसाद वितरण और भंडारे की भी व्यवस्था की गई.देर रात तक शिवालयों में दीप-धूप और मंत्रोच्चार से वातावरण भक्तिमय बना रहा। महाशिवरात्रि के अवसर पर राजदह धाम,शिवशक्ति धाम और सरिया बाजार में भव्य शिव बारात भी निकाली गई। शिव बारात में बड़ी संख्या में श्रद्धालु भूत-प्रेत,भगवान शंकर, माता पार्वती, वानर सहित विभिन्न पौराणिक पात्रों का रूप धारण कर शामिल हुए। ढोल-नगाड़ों, गाजे-बाजे और हर-हर महादेव के जयघोष के साथ निकली शिव बारात ने पूरे क्षेत्र को शिवमय बना दिया। शिवबारात को देखने के लिए सड़क के दोनों ओर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी रही.वहीं बच्चों और युवाओं में खासा उत्साह देखा गया। कई जगहों पर स्वयंसेवकों तथा संस्थाओं द्वारा शरबत पानी की व्यवस्था भी की गई। देर रात शिव पार्वती का विवाह महोत्सव संपन्न हुआ। जबकि सोमवार को मंदिरों में भगवान शिव को जलाभिषेक किया जाएगा।

महाशिवरात्रि पर्व पर उमड़ा आस्था का सागर : रामगढ़ जिले के शिवालयों में श्रद्धालुओं की अभूतपूर्व भीड़

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : 15 फरवरी 2026 फाल्गुन माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि पर मनाए जा रहे महाशिवरात्रि पर्व के अवसर पर आज रामगढ़ जिले के विभिन्न शिवालयों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। भगवान शिव और माता पार्वती के दिव्य मिलन के इस पावन अवसर पर पूरे जिले में भक्ति, श्रद्धा और उत्साह का अद्भुत संगम देखने को मिला। चितरपुर स्थित प्रसिद्ध माँ रजरप्पा मंदिर धाम में सुबह से ही जलाभिषेक के लिए श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लगी रहीं। यह पवित्र धाम दामोदर और भैरवी नदियों के संगम स्थल पर स्थित है, जिससे इसकी आध्यात्मिक महत्ता और भी बढ़ जाती है। संगम तट पर भक्तों ने स्नान कर माँ छिन्नमस्तिका और भगवान शिव की पूजा-अर्चना की तथा परिवार की सुख-शांति और समृद्धि की कामना की। वहीं रामगढ़ शहर के पटेल चौक के समीप स्थित माया टोंगरी मंदिर में भी दिनभर श्रद्धालुओं की आवाजाही बनी रही। रामगढ़ के सांडी क्षेत्र के पास स्थित टूटी झरना प्राचीन शिव मंदिर में भी भक्तों का तांता लगा रहा। इस मंदिर की विशेषता यह है कि यहां शिवलिंग पर वर्षभर प्राकृतिक रूप से जलाभिषेक होता रहता है, जो इसे रहस्यमय और आस्था का विशेष केंद्र बनाता है। इसी तरह कैथा स्थित कैथा प्राचीन शिव मंदिर में भी श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी। स्थानीय मान्यता के अनुसार यह मंदिर प्राचीन काल से जुड़ा हुआ है और कभी राजा-महाराजाओं की विशेष आस्था का केंद्र रहा है। मंदिर परिसर में आज भी कई प्राचीन अवशेष इसकी ऐतिहासिक विरासत को दर्शाते हैं। भुरकुंडा स्थित बुढ़वा महादेव मंदिर में भी सुबह से ही श्रद्धालुओं ने जलाभिषेक कर भगवान शिव का आशीर्वाद लिया। हर-हर महादेव और बोल बम के जयकारों से वातावरण भक्तिमय बना रहा। महाशिवरात्रि के अवसर पर नवविवाहित जोड़े और अविवाहित युवक-युवतियां विशेष रूप से मंदिरों में पहुंचे। जहां विवाहित दंपतियों ने दांपत्य जीवन की सुख-समृद्धि की कामना की, वहीं अविवाहित युवाओं ने योग्य जीवनसाथी की प्राप्ति के लिए भगवान शिव से प्रार्थना की।

संक्षिप्त खबरें

महाशिवरात्रि पर मिजाचौकी में निकली 54 फीट का कांवर यात्रा

साहिबगंज: शहर सहित नौ प्रखंड में महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर रविवार को क्षेत्र में श्रद्धा और उत्साह का दृश्य देखने को मिला। विभिन्न शिव मंदिरों को रंग-बिरंगी रोशनी एवं फूल-मालाओं से आकर्षक ढंग से सजाया गया था, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा। मिजाचौकी में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी 54 फीट लंबा विशाल कांवर विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। इस भव्य कांवर को देखने एवं उसके साथ चलने के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। श्रद्धालुओं ने बटेश्वर स्थान स्थित उत्तरवाहिनी गंगा से पवित्र जल भरकर गाजे-बाजे के साथ पैदल यात्रा प्रारंभ की। कांवर यात्रा महादेवरन स्थित शिव मंदिर पहुंचा। जहां भक्तों बाबा भोलेनाथ का जयकारा लगाते हुए जलाभिषेक किया। वही एनएच-80 पर अवस्थित पंथेश्वर शिव मंदिर तथा थाना रोड स्थित युवराजेश्वर शिव मंदिर में भी भक्तों ने विधिवत जलाभिषेक कर भगवान शिव की आराधना की। पूरे मार्ग में बोल बम और हर-हर महादेव के जयकारों से वातावरण गुंजायमान रहा। मंदिर समितियों द्वारा श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए पेयजल, चिकित्सा एवं विश्राम की समुचित व्यवस्था की गई थी। वहीं प्रशासन भी विधि-व्यवस्था बनाए रखने को लेकर पूरी तरह सतर्क एवं तत्पर दिखाई दिया।

तीनपहाड़-बरहरवा मार्ग पर स्कॉर्पियो-बाइक की जोरदार टक्कर, एक युवक घायल

साहिबगंज: तीनपहाड़ थाना क्षेत्र अंतर्गत तीनपहाड़-बरहरवा मुख्य मार्ग पर धमधमिया स्थित हाईस्कूल के समीप रविवार को एक ब्लैक स्कॉर्पियो और दोपहिया वाहन की आमने-सामने टक्कर में एक बाइक सवार युवक घायल हो गए हैं। मिली जानकारी के अनुसार तीनपहाड़ की ओर से तेज गति से आ रही ब्लैक स्कॉर्पियो जेएच 01 एफजी 6887 तो वही विपरीत दिशा से बाकुडि की ओर से आ रही बाइक जेएच 16 जी 6026 की टक्कर हो गई जिसमें स्कॉर्पियो एक तरफ जाकर पेड़ से जा टकराई तो वहीं दूसरी ओर बाइक सवार वहीं पर गिर गया इसके बाद ग्रामीणों ने इसकी सूचना तीनपहाड़ थाना पुलिस को मिलते ही गश्ती दल के एएसआई प्रदीप कुमार दलबल के साथ पहुंचकर घायल बाइक सवार को इलाज के लिए तीनपहाड़ की ओर भेज दिया गया। वहीं क्षतिग्रस्त स्कॉर्पियो वाहन को पेड़ से निकाले जाने की कोशिश की जाने लगी। इसी बीच प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि घटना की वजह तीखा मोड़ पर वाहनों का तेज गति होना बताया जा रहा है। तीखा मोड़ होने की वजह से बाइक सवार को बचाने के चक्कर में स्कॉर्पियो किनारे लगे पेड़ से जा टकराई है।

ग्रामीणों का फूटा गुस्सा, नगर पंचायत चुनाव का किया पूर्ण बहिष्कार

सरिया: रविवार को श्री रामडीह गांव के सैकड़ों ग्रामीणों ने आक्रोश की चिंगारी को जुलूस के रूप में बयां कर दिया। महिलाओं-पुरुषों सहित पूरा गांव सड़कों पर उतर आया और विशाल जुलूस निकालकर सरिया नगर पंचायत के आगामी चुनावों का पूर्ण बहिष्कार करने का ऐलान कर डाला ग्रामीणों ने जोर-शोर से नारे लगाते हुए प्रशासन को कड़ा संदेश दिया - रन रास्ता, न विकास...तो वोट नहीं गांव से सरिया बाजार स्थित नगर पंचायत मुख्यालय तक केवल 5 किमी की दूरी होने के बावजूद कोई पक्का रास्ता नहीं। आने-जाने के लिए कोई सुविधाजनक मार्ग न होने से रोजमर्रा की जिंदगी दूभर। गरीब ग्रामीणों के मिट्टी के मकान पर हजारों रुपये का होल्डिंग टैक्स थोपना, जबकि वे मजदूरी-खेती करके गुजारा करते हैं। हम कमाने-खाने वाले गरीब लोग हैं, इतना भारी टैक्स कहां से दें? यही सवाल हर ग्रामीण के मन में गहरा आक्रोश पैदा कर रहा है। पूरे गांव में जुलूस निकालकर भ्रमण करने के बाद ग्रामीणों ने एक स्वर में फैसला सुनाया - जब तक बुनियादी सुविधाएं नहीं मिलेंगी, तब तक एक भी वोट नहीं! यह घटना स्थानीय प्रशासन के लिए एक बड़ी चुनौती बन गई है। क्या अब विकास की मुख्यधारा में शामिल होने के लिए श्री रामडीह के ग्रामीणों की पुकार सुनी जाएगी।

ईचागढ़ में महाशिवरात्रि पर भव्य शिव बारात विधायक व एसडीपीओ हुए शामिल

ईचागढ़ : प्रखंड क्षेत्र के ईचागढ़ थाना परिसर में रविवार को मारुति नंदन मनोकामना महादेव मंदिर में महा शिवरात्रि धुमधाम से मनाया गया। मनोकामना शिव मंदिर में रूद्राभिषेक, शिव बारात व शिव विवाह का उद्घाटन विधायक सविता महतो, थाना प्रभारी बजरंग महतो, समिति के अध्यक्ष अरुण माझी , सचिव अनिल सिंह, कोषाध्यक्ष बासुदेव चटर्जी, उपाध्यक्ष छुटु घोष, उप कोषाध्यक्ष बनमाली रजक, झामुमो केन्द्रीय सदस्य काबलु महतो , विश्वनाथ उरांव आदि ने फीता काट कर किया। वहीं समिति द्वारा विधायक एवं अन्य अतिथियों का अंगवस्त्र एवं पगड़ी देकर सम्मानित किया गया। उद्घाटन के बाद बरानसी के पंडित चन्द्रभान शास्त्री के द्वारा रूद्राभिषेक अनुष्ठान सम्पन्न कराया गया। वहीं भुत प्रेत के साथ शिव बारात गाजे बाजे के साथ जुलूस के शक्ल में पुरे टीकर गांव का भ्रमण कर बाराती आगम के बाद शिव विवाह कराया गया। बारात में हर हर महादेव,जय बजरंगबली के जयघोष से पुरे वातावरण गुंजायमान रहा। श्रद्धालुओं के लिए दिन से रात तक खुला भंडारा का आयोजन किया गया रात को शिव जागरण में कलाकारों द्वारा भजन संध्या का आयोजन किया गया। वहीं विधायक ने कहा कि ईचागढ़ थाना परिसर में समिति द्वारा भव्य रूप से महाशिवरात्रि पुजा कराया जाता है , जो क्षेत्र के लोगों का थाना से एक बेहतर संबंध स्थापित होता है। उन्होंने मंदिर में माथा टेककर क्षेत्र का तरक्की की कामना किया। जिसमें मौके पर अमित सिन्हा, ललित घोष, पुजा सिंह, भोलानाथ गोराई, गणेश गोराई सहित सैकड़ों लोग उपस्थित थे।

बम भोले की बम-बम

हम भारत के लोग देवों को भी धरती पर बुलाते रहते हैं। ईश्वर भी धर्म संस्थापना के लिए अवतार लेते हैं। भारत देवभूमि है। भारतवासी बहुदेव उपासक हैं। जहां-जहां आभा, प्रभा, सुभा और दिव्यता वहां-वहां देवता। शिव देव नहीं महादेव हैं। वे भारत के मन में रमते हैं। एक अकेले ही। एको रूद्र द्वितीयोनास्ति। भारत के कुछेक विद्वान रूद्र शिव को आयातित देवता मानते हैं। शिव उपासना पश्चिम एशिया व मध्य एशिया तक विस्तृत थी भी। वे इसी क्षेत्र को शिव उपासना का मूल केन्द्र बताने की गलती करते हैं। मार्क्सवादी चिन्तक डॉ. रामविलास शर्मा ने भारतीय संस्कृति और हिन्दी प्रदेश (पृष्ठ 679) में लिखा है "वास्तव में शैवमत, वैष्णवमत, बौद्धमत इन सबके स्रोत भारत में थे। यहां से इन मतों का प्रसार मध्य एशिया और पश्चिमी एशिया में हुआ।" शिव गूढ़ रहस्य हैं। युधिष्ठिर ने शर शैय्या पर लेटे भीष्म से तमाम प्रश्न पूछे थे। वे भीष्म से शिव गुण भी सुनना चाहते थे। भीष्म ने कहा, "शिव गुणों का वर्णन करने में मैं असमर्थ हूं। वे सर्वत्र व्यापक हैं। ब्रह्मा, विष्णु और इन्द्र के सृष्टा हैं। वे प्रकृति से परे और पुरूष से विलक्षण हैं। श्रीकृष्ण के अलावा उनका तत्व दूसरा कोई नहीं जानता। फिर अर्जुन से कहा, "रूद्र भक्ति के कारण ही श्रीकृष्ण ने जगत को व्याप्त किया है।" संप्रति महाशिवरात्रि उत्सवों में भारत सहित एशिया के बड़े भूभाग में बम भोले की बम-बम है। शिव भोले शंकर हैं, औघड़दानी हैं। गण समूहों के मित्र हैं। गणों के साथ स्वयं भी नृत्य करते हैं। गण देवता गणेश स्वाभाविक ही उनके पुत्र हैं। सत्य आराध्य है। लेकिन शिव सत्य आनंददाता हैं। सत्य और शिव का एकात्म सुंदर होता है। शिव अखिल ब्रह्म की ऊर्जा हैं। इस ऊर्जा प्राप्ति के प्रयास जरूरी हैं। पार्वती को भी शिव प्राप्ति के लिए महातप करना पड़ा था। कालिदास के "कुमार संभव" में तपरत पार्वती को एक ब्रह्मचारी ने बहुत भड़काया- "पार्वती! आप भी किस प्रेम में फंस गई। आपका सुंदर हाथ सांप लिपटे शंकर को कैसे छुएगा। कहां हंस छपी चूनर ओढ़े आप? और कहां खाल ओढ़े शंकर?" शिव शंकर के रूप-कुरूप पर उसने बहुत कुछ कहा। पार्वती ने कहा "संसार के सारे रूप शिव के ही हैं-विश्वकूतेर्खाधार्यते वपु।" शिव ही सभी रूपों में प्रकट होकर रूप-रूप प्रतिरूप हैं। कालिदास के कथानक में जब तब शिव ने अपना रूप प्रकट कर दिया। शिव बोले "अब मैं तुम्हारा दास हूं, पार्वती-तवस्मि दासः।" मन करता है कि प्रश्न पूछूं शिव से-महादेव! इतना कठोर तप क्यों कराते हैं? लेकिन अपना प्रश्न वापस भी लेता हूं। शिव तप का पुरूस्कार भी तो देते हैं। तप प्रभाव में वे स्वयं भक्त के भी भक्त बन जाते हैं। सुनता आया हूं कि शिव सोम प्रेमी हैं। सोम प्रकृति की सृजन शक्ति है। सृजन की यही शक्ति शिव ललाट की दीप्ति है। शिव के माथे पर सोम चन्द्र हैं। वैदिक ऋषियों के दुलारे सोम वनस्पतियों के राजा हैं। सोम प्रसन्न होते हैं, वनस्पतियां-औषधियां उगती हैं, खिलती हैं, खिलखिलाती हैं। भारतीय सप्ताह में एक दिन सोम का। पहला दिन रविवार रवि का तो दूसरा दिन सोमवार सोम का। सोमवार को शिव आराधन की मुहूर्त जाना गया है। ठीक भी है। हमारे समाज में भी प्रतिष्ठित लोग सप्ताह में एक दिन खुलकर मिलते हैं, बाकी दिन व्यस्त रहते हैं। शिवभक्तों को सोमवार और शिवरात्रि प्रीतिकर है। शिव भी सोमवार का दिन भक्तों के लिए ही खाली रखते होंगे। नहीं जानता सच। काशी बहुत जाता हूं लेकिन मंदिर दर्शन बहुत पहले एक बार ही हुआ। मैंने समूची काशी में शिव चैतन्य पाया है। मैं कर्मकाण्डी हूं नहीं। योग, तप से परिचित नहीं लेकिन भारत के मन के साथ मन मिलाते हुए देवों के देव महादेव को नमस्कार करता हूं। शिव सभी कालों में हैं। काल के परे भी हैं लेकिन भारत के मन में वे पार्वती के साथ हैं। कालिदास ने शिव बरात का मनोरम शब्द चित्र खींचा है। बताया है कि शिव बरात नगर पहुंची। स्त्रियां अपना कामधाम छोड़कर छतों की ओर भागी। एक की जूड़े की माला टूट गई। एक ने दायीं आंख में ही काजल लगाया था, वह बाईं आंख का काजल लगाना छोड़ भाग चली। पार्वती-शिव जगत के माता-पिता हैं। विवाह के बाद सभी देवों ने शुभकामनाएं दीं। कालिदास जैसे प्रत्यक्षदशः बराती थे-शिव बारात के। उनकी अनुभूति में भारत का मन-दर्पण प्रकट हुआ है। सूरदास भी श्रीकृष्ण की बरात में गाना चाहते थे-सूरदास होई कुटिल बराती गीत सुमंगल गइहौं।

सूडोकु नवताल- 7707

✱✱✱✱✩ मध्यम

			1					6
7		2		5				9
		4			2	7	5	
5	7				9		1	8
				6				
6	1		3				2	4
	5	1	9			8		
2				8		9		1
9					3			

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7706 का हल

1	9	3	2	4	6	5	8	7
4	7	2	5	1	8	3	6	9
6	5	8	7	3	9	1	2	4
3	8	9	4	5	1	2	7	6
2	4	7	6	9	3	8	1	5
5	1	6	8	7	2	4	9	3
8	2	4	9	6	5	7	3	1
7	6	1	3	2	4	9	5	8
9	3	5	1	8	7	6	4	2

Jagrutidaur.com, Bangalore

मन्दिरों एवं धर्म-स्थलों में वीआईपी संस्कृति समाप्त हो

ललित गर्ग

मन्दिरों, धर्मस्थलों एवं धार्मिक आयोजनों में वीआईपी संस्कृति एवं उससे जुड़े हादसों एवं त्रासद स्थितियों ने न केवल देश के आम आदमी के मन को आहत किया है, बल्कि भारत के समानता के सिद्धान्त की भी धज्जियां उड़ा दी है। मौनी अमावस्या महाकुंभ में भगदड़ के चलते तीस लोगों की मौत ने ऐसे मौकों पर कुछ विशेष लोगों को मिलने वाले वीआईपी सम्मान एवं सुविधा पर प्रश्नचिन्ह लगा दिया है। बात केवल महाकुंभ की नहीं है, बल्कि अनेक प्रतिष्ठित मन्दिरों में वीआईपी संस्कृति के चलते होने वाले हादसों एवं आम लोगों की मौत ने अनेक सवाले खड़े किये हैं। प्रश्न है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने पहले ही कार्यकाल के दौरान वीआईपी कल्चर को खत्म करते हुए लालबत्ती एवं ऐसी अनेक वीआईपी सुविधाओं को समाप्त कर दिया था तो मन्दिरों एवं धार्मिक आयोजनों की वीआईवी संस्कृति को क्यों नहीं समाप्त किया? क्यों महाकुंभ में वीआईपी स्नान के लिये सरकार ने अलग से व्यवस्थाएं की। क्यों एक विधायक अपने पद का वैभव प्रदर्शित करते हुए महाकुंभ में कारों के बड़े काफिले के साथ घूमते एवं स्नान करते हुए, पुलिस-सुविधा का बेजा इस्तेमाल करते हुए एवं सेल्फी लेते हुए करोड़ लोगों की भीड़ का मजाक बनाते रहे? सवाल यह पूछा जा रहा है कि हिंदुओं के धार्मिक स्थलों और आयोजनों में क्यों भक्तों के बीच भेदभाव होता है? वीआईपी दर्शन की अवधारणा भक्ति एवं आस्था के खिलाफ है। यह एक असमानता का उदाहरण है, जो लोकतांत्रिक मूल्यों पर भी आघात करती है।

महाकुंभ हो या मन्दिर, धार्मिक आयोजन हो या कीर्तन-प्रवचन भगदड़ के कारण जो दर्दनाक हादसे होते रहे हैं, जो असंख्य लोगों की मौत के साक्षी बने हैं, उसने वीआईपी कल्चर पर एक बार फिर से नये सिरे से बहस छेड़ दी है। सवाल उठ रहा है कि जब गुरुद्वारे में वीआईपी दर्शन नहीं, मस्जिद में वीआईपी नमाज नहीं, चर्च में वीआईपी प्रार्थना नहीं होती है तो सिर्फ हिन्दू मंदिरों में कुछ प्रमुख लोगों के लिए वीआईपी दर्शन क्यों जरूरी है? क्या इस पद्धति को खत्म नहीं किया जाना चाहिए, जो हिंदुओं में दूरिया का करण बनता है? योगी सरकार ने मौनी अमावस्या के दिन हुए हादसे से सबक लेते हुए भले ही वीआईपी सिस्टम पर रोक लगायी हो, लेकिन इस रोक के बावजूद महाकुंभ में वीआईवी संस्कृति बाद में भी पूरी तरह हावी रही है। महाकुंभ हो या प्रसिद्ध मन्दिर वीआईपी पास एवं दर्शन की व्यवस्था समाप्त क्यों नहीं होती? यह व्यवस्था समाप्त होना इसलिए भी जरूरी है क्योंकि भारत के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ 7 जनवरी को ही धार्मिक स्थलों पर होने वाली वीआईपी व्यवस्था को लेकर सवाल खड़े किये हैं। उन्हें ऐसे हासदे की उम्मीद भी नहीं रही होगी। निश्चित ही जब किसी को वरीयता दी जाती है और प्राथमिकता दी जाती है तो उसे वीवीआईपी या वीआईपी कहते हैं। यह समानता की अवधारणा को कमतर आंकना है। वीआईपी संस्कृति एक पथभ्रष्टता है। यह एक अतिक्रमण है। यह मानवाधिकारों का हनन है। समानता के नजरिए से देखा जाए तो समाज में इसका कोई स्थान नहीं होना चाहिए, धार्मिक स्थलों में तो बिल्कुल भी नहीं।

देश की कानून व्यवस्था एवं न्यायालय भी देश में बढ़ती वीआईपी संस्कृति को लेकर चिन्तीत है। मद्रास उच्च न्यायालय की मुदुरै पीठ ने अपनी एक सुनवाई के दौरान कहा भी है कि लोग वीआईपी संस्कृति से "हताश" हो गए हैं, खासतौर पर मंदिरों में। इसके साथ ही अदालत ने तमिलनाडु के प्रसिद्ध मंदिरों में विशेष दर्शन के संबंध में कई दिशा निर्देश जारी किए। राजस्थान में गहलोत सरकार ने भी मन्दिरों में वीआईपी दर्शनों की परम्परा को समाप्त करने की घोषणा की थी कि मन्दिरों में बुजुर्ग ही एकमात्र वीआईपी होंगे। इस तरह की सरकारी घोषणाएं भी समस्या का कारगर उपाय न होकर कोरा दिखावा होती रही है। अक्सर नेताओं एवं धनाढ्यों को विशेष दर्शन कराने के लिए मंदिर परिसरों को आम लोगों के लिये बंद कर दिया जाता है, जिससे श्रद्धालुओं को भारी परेशानी होती है, लोग वास्तव में इससे दुखी होते हैं और कोसते हैं। वीआईपी लोगों को तरह-तरह की सुविधाएं दी जाती है, मन्दिर के मूल परिसर-गर्भ परिसर में दर्शन कराये जाते हैं, उनके वाहन मन्दिर के दरवाजे तक जाते हैं, उनके साथ पुलिस-व्यवस्था रहती है, जबकि आम श्रद्धालुओं को कई किलोमीटर पैदल चलना होता है, भगवान के दर्शन दूर से कराये जाते हैं, उनके साथ धक्का-मुक्की की जाती है।

तीर्थस्थलों और गंगा स्नान में वीआईपी संस्कृति की बात कि जाये तो महाकुंभ मेले प्रयागराज, हरिद्वार या वाराणसी जैसे तीर्थस्थलों पर आम श्रद्धालुओं को अपनी बारी का इंतजार करना पड़ता है, लेकिन वीआईपी के लिए अलग घाट बना दिये जाते हैं। जहां आम लोग भीड़ में संघर्ष करते हैं, वहीं खास लोगों के लिए विशेष स्नान व्यवस्था, सुरक्षा घेरा और सुविधाएं मुहैया कराई जाती है। कई बार वीआईपी के स्नान के लिए आम श्रद्धालुओं को घंटों रोका जाता है, जिससे भीड़ में अफरातफरी तक मच जाती है। सवाल ये हैं कि जहां करोड़ों लोग जुट रहे हों, वहां आम श्रद्धालुओं की असुविधा को बढ़ाकर वीआईपी स्नान जैसी व्यवस्था क्यों? वीआईपी स्नान के बेहूदे एवं शर्मनाक प्रदर्शन की टीस महाराज प्रेमानंद गिरि के शब्दों में दिखी जब उन्होंने कहा कि प्रशासन का पूरा ध्यान वीआईपी पर था। आम श्रद्धालुओं को उनके हाल पर छोड़ दिया गया था। उनका आरोप है कि पूरा प्रशासन वीवीआईपी की जी-हुजूरी में लगा रहा, तुष्टीकरण में लगा रहा।

मोदी के शासन-काल में हिन्दू मन्दिरों एवं धार्मिक आयोजनों के लिये जनता का आकर्षण बढ़ा है, बात चाहे श्रीराम मन्दिर अयोध्या की हो या महाकुंभ की या ऐसे ही अन्य धर्मस्थलों की, करोड़ों की संख्या में आम लोग इन स्थानों तक पहुंच रहे हैं, लेकिन ईश्वर के दर्शन भी उनके लिये दोयम दर्जा एवं असमानता लिये हुए है। देश की आजादी के बाद सरकार ने कुछ मंदिरों में ट्रस्ट के माध्यम से व्यवस्था अपने हाथों में ली। शुरूआत में तो सभी मंदिर आम आदमी के लिये सुगम थे लेकिन धीरे धीरे अब इसमें प्रशासन के लोग अपनी घुसपैठ जमाने लगे। भीड़ भाड़ की स्थिति में अपने लोगों, अधिकारियों एवं नेताओं के लिए अलग से व्यवस्था का इंतजाम करने लगे। धीरे-धीरे ये राजनेताओं, मंत्रियों, अधिकारियों के वीआईपी दर्शन का आधार बनने लगे। इसका स्वरूप फिर से एक बार और बदला और एक नई संस्कृति का उदय हुआ और वह था वीआईपी दर्शन जो उनलोगों के लिए था जो एक विशेष शुल्क देकर उसका लाभ उठा सकते हैं, यानि भगवान के दरबार में भी दो तरह की व्यवस्था हो गई। एक आम जनता के लिए और एक उन लोगों के लिए जो आर्थिक रूप से सक्षम हों। एक आम आदमी जो घंटों लाइन में लगने के बाद मंदिर के अंदर प्रवेश करता है तो उसे बाहर से ही दर्शन करने के लिए बाध्य किया जाता है जैसे वह कोई अछूत हो और वहीं दूसरी ओर आपके सामने ही कुछ वीआईपी लोग बड़े आराम से मंदिर के गर्भगृह में दर्शन लाभ करते हुए नजर आते हैं।

लगता है मन्दिरों में दर्शन एवं धार्मिक आयोजनों में सहभागिता को लेकर आम आदमी गुलामी की मानसिकता को ही जी रहा है। इन स्थानों पर उसके स्वाभिमान, सम्मान एवं समानता को बेरहमी से कुचला जा रहा है। ये कैसा मंदिर और ये कैसा दर्शन जहाँ सरेआम आम दर्शनार्थी का अपमान हो रहा है। भगवान के मंदिर में वीआईपी व्यवस्था का क्या औचित्य है? इसलिए जिस भी मंदिर में वीआईपी दर्शन की सुविधा दी जा रही है उसके खिलाफ जनक्रांति हो। आज हिन्दू मन्दिरों की भेदभाव पूर्ण दर्शन-व्यवस्था को समाप्त करके ही आम आदमी को उसका उचित सम्मान किया जा सकता है, उसकी निराशा एवं पीड़ा को समझा जा सकता है। उन्नत राष्ट्र-चरित्र निर्मित को निर्मित करते हुए सबसे बड़ी जरूरत है कि पास, धन के बल अथवा राजनीतिक वर्चस्व के लिए हकदार का, गुणवंत का, आम आदमी का हक नहीं छीना जाए। अन्यथा आम आदमी के अन्तर पनप रहा यह विद्रोह एवं असंतोष किसी बड़ी क्रांति का कारण न बन जाये? भाजपा सरकार मन्दिरों एवं धार्मिक-स्थलों से वीआईपी संस्कृति को समाप्त करने के लिये कोई ठोस कदम उठाये।

बांग्लादेश की बदली राजनीतिक दिशा: भारत के सामने अवसर और अनिश्चितताएं

डॉ. प्रियंका सौरभ

बांग्लादेश के हालिया आम चुनाव में बांग्लादेश राष्ट्रवादी पार्टी (बीएनपी) ने तारिक रहमान के नेतृत्व में प्रचंड बहुमत के साथ ऐतिहासिक जीत दर्ज की है। सत्रह वर्षों के लंबे निर्वासन के बाद राजनीति में लौटे तारिक रहमान ने अपनी माँ और पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया की राजनीतिक विरासत को आगे बढ़ाते हुए पार्टी को दो-तिहाई से अधिक सीटें दिलाईं। यह जीत न केवल चुनावी सफलता है बल्कि बांग्लादेश की राजनीति में सत्ता संतुलन के व्यापक पुनर्संयोजन और नए राजनीतिक दौर की शुरूआत का संकेत भी है। भारत के लिए यह परिणाम अवसरों के साथ-साथ कई रणनीतिक अनिश्चितताएँ भी लेकर आया है, जिनका प्रबंधन आने वाले वर्षों में द्विपक्षीय संबंधों की दिशा तय करेगा।

पिछले डेढ़ दशक से अधिक समय तक बांग्लादेश की राजनीति पर अवामी लीग और शेख हसीना का वर्चस्व रहा। इस अवधि में स्थिरता, आर्थिक विकास और क्षेत्रीय सहयोग के साथ-साथ सत्ता के केंद्रीकरण, विपक्ष के दमन और लोकतांत्रिक संस्थाओं के कमजोर होने के आरोप भी लगातार लगते रहे। लंबे समय तक एक ही राजनीतिक धारा के प्रभुत्व ने मतदाताओं में प्रशासनिक थकान और परिवर्तन की आकांक्षा को जन्म दिया। बीएनपी की जीत को इसी व्यापक जन-असंतोष और राजनीतिक विकल्प की तलाश के परिणाम के रूप में देखा जा सकता। तारिक रहमान लंबे समय से बांग्लादेश की राजनीति में एक प्रभावशाली किंतु विवादास्पद चेहरा रहे हैं। निर्वासन काल के दौरान उन पर भ्रष्टाचार, सत्ता के दुरुपयोग और कट्टरपंथी तत्वों से संबंधों जैसे आरोप लगे, जिनके कारण उनकी छवि धूमिल हुई। हालांकि दिसंबर 2025 में लंदन से स्वदेश वापसी के बाद उन्होंने अपने राजनीतिक दृष्टिकोण में बदलाव के संकेत दिए। उन्होंने पार्टी संगठन का पुनर्गठन किया, युवा नेतृत्व को आगे बढ़ाया और जमीनी स्तर पर जन आंदोलन को पुनर्जीवित किया। निर्वासन काल के अनुभवों को उन्होंने राजनीतिक पूंजी में बदला और बीएनपी को चुनावी रूप से पुनर्स्थापित किया। इस संदर्भ में यह जीत केवल पारिवारिक विरासत का विस्तार नहीं बल्कि रणनीतिक पुनर्संयोजन, संगठनात्मक अनुशासन और बदलते राजनीतिक यथार्थ को समझने की क्षमता की सफलता भी मानी जा रही है।

बीएनपी ने 13वें आम चुनाव में आर्थिक सुधार, भ्रष्टाचार उन्मूलन और अल्पसंख्यक सुरक्षा को अपने प्रमुख चुनावी मुद्दों के रूप में प्रस्तुत किया। बेरोजगारी, महँगाई और शासन में पारदर्शिता की कमी जैसे मुद्दों ने मतदाताओं को गहराई से प्रभावित किया। पार्टी ने अपनी पारंपरिक कट्टरपंथी छवि से दूरी बनाने का प्रयास किया और हिंदू समुदाय सहित सभी अल्पसंख्यकों को सुरक्षा का आश्वासन दिया। यह जनादेश इस बात को रेखांकित करता है कि लंबे समय से चले आ रहे राजनीतिक वर्चस्व और प्रशासनिक थकान के बाद मतदाताओं ने परिवर्तन को प्राथमिकता दी। लोकतांत्रिक प्रक्रिया के माध्यम से सत्ता परिवर्तन ने यह भी संकेत दिया कि बांग्लादेशी समाज स्थिरता के साथ-साथ उत्तरदायी शासन की अपेक्षा रखता है।

भारत के दृष्टिकोण से बीएनपी की यह जीत मिश्रित संकेत देती है। ऐतिहासिक रूप से भारत के संबंध अवामी लीग सरकार के साथ अधिक सहज और स्थिर रहे हैं। सीमा प्रबंधन, आतंकवाद-रोधी सहयोग और कनेक्टिविटी परियोजनाओं में शेख हसीना सरकार ने भारत के साथ घनिष्ठ तालमेल रखा। इसके विपरीत, बीएनपी को लेकर नई दिल्ली में हमेशा संदेह बना रहा है, विशेषकर 2001-06 के शासनकाल के अनुभवों के कारण। हालांकि हाल के वर्षों में तारिक रहमान ने भारत के प्रति अपेक्षाकृत संतुलित और व्यावहारिक रुख अपनाने के संकेत दिए हैं। चुनाव से पहले भारत द्वारा बीएनपी को अनौपचारिक रूप से "ग्रीन सिग्नल" देना इसी बदलते दृष्टिकोण को दर्शाता है। यह संकेत करता है कि भारत अब बांग्लादेश की आंतरिक राजनीति में किसी एक दल पर निर्भर रहने के बजाय बहुआयामी संवाद की नीति अपनाने को तैयार है।

आर्थिक दृष्टि से बीएनपी सरकार भारत के लिए नए अवसर खोल सकती है। बांग्लादेश भारत का एक प्रमुख व्यापारिक साझेदार है और दक्षिण एशिया में भारत की 'नेबरहुड फर्स्ट' नीति का अहम स्तंभ भी। नई सरकार के कार्यकाल में द्विपक्षीय व्यापार के 20 अरब डॉलर तक पहुँचने की संभावना जताई जा रही है। कनेक्टिविटी परियोजनाओं, जलविद्युत सहयोग, सीमा व्यापार, डिजिटल कनेक्टिविटी और औद्योगिक निवेश जैसे क्षेत्रों में सहयोग को नई गति मिल सकती है। बांग्लादेश की तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था भारतीय निवेश के लिए आकर्षक अवसर प्रस्तुत करती है। अल्पसंख्यक हितों की रक्षा को लेकर बीएनपी की सार्वजनिक प्रतिबद्धता भारत की सामाजिक और राजनीतिक चिंताओं को कुछ हद तक कम करती है।

इसके बावजूद अनिश्चितताएँ बनी हुई हैं। बीएनपी पर कट्टरपंथी तत्वों के प्रति नरमी बरतने के आरोप लगते रहे हैं और जमात-ए-इस्लामी जैसे संगठनों की भूमिका को लेकर सतर्कता आवश्यक है। तारिक रहमान पर लगे पुराने भ्रष्टाचार आरोप, पाकिस्तान के साथ कथित संबंध और हालिया सांप्रदायिक हिंसा की घटनाएँ भारत की सुरक्षा चिंताओं को बढ़ाती हैं। भारतझबांग्लादेश सीमा पर घुसपैठ, तस्करी, मानव तस्करी और आतंकवाद से जुड़े जोखिम भी पूरी तरह समाप्त नहीं हुए हैं। यदि इन मुद्दों पर ठोस और पारदर्शी कार्रवाई नहीं होती तो द्विपक्षीय विश्वास प्रभावित हो सकता है। बांग्लादेश में सत्ता परिवर्तन का असर केवल भारत-बांग्लादेश संबंधों तक सीमित नहीं है बल्कि इसका प्रभाव व्यापक दक्षिण एशियाई भू-राजनीति पर भी पड़ेगा। चीन और पाकिस्तान क्षेत्र में अपने प्रभाव को लगातार बढ़ाने की कोशिश कर रहे हैं। ऐसे में भारत के लिए आवश्यक होगा कि वह बांग्लादेश के साथ आर्थिक और रणनीतिक साझेदारी को मजबूत रखे, ताकि क्षेत्रीय शक्ति संतुलन भारत के प्रतिकूल न जाए। बहुपक्षीय मंचों और उप-क्षेत्रीय सहयोग पहलों के माध्यम से संवाद और सहयोग को सुदृढ़ किया जा सकता है।

ऐसे परिदृश्य में भारत के लिए संतुलित और सक्रिय कूटनीति अपनाना अनिवार्य होगा। अवामी लीग के साथ पुराने संबंधों को बनाए रखते हुए बीएनपी सरकार के साथ संवाद स्थापित करना भारत के दीर्घकालिक हित में है। एकतरफा झुकाव के बजाय संस्थागत और बहुदलीय संपर्क भारत को अधिक रणनीतिक लचीलापन प्रदान करेगा। मानवाधिकार, अल्पसंख्यक सुरक्षा और लोकतांत्रिक मूल्यों के मुद्दों की भारत को न तो उपेक्षा करनी चाहिए और न ही अत्यधिक हस्तक्षेप करना चाहिए। विवेकपूर्ण संतुलन भारत की प्रभावशीलता को बनाए रख सकता है।

तारिक रहमान के नेतृत्व में बीएनपी की यह जीत भारत के लिए न तो पूरी तरह जोखिमपूर्ण है और न ही पूर्णतः अवसर-प्रधान। यह एक संक्रमणकालीन दौर है, जिसमें सतर्कता, संवाद और व्यावहारिक कूटनीति के माध्यम से भारत न केवल अपने हितों की रक्षा कर सकता है बल्कि भारतझबांग्लादेश संबंधों को एक नई और अधिक परिपक्व दिशा दे सकता है। यदि अनिश्चितताओं का प्रभावी प्रबंधन किया गया और सहयोग के क्षेत्रों को सुदृढ़ किया गया तो यह राजनीतिक परिवर्तन न केवल द्विपक्षीय संबंधों बल्कि पूरे दक्षिण एशिया में स्थिरता और सहयोग की संभावनाओं को भी सशक्त कर सकता है।

(लेखिका, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

'विशिष्ट' को 'अपशिष्ट' प्रमाणित करती एपस्टीन फाइल्स

तनवीर जाफरी

इन दिनों जेफरी एपस्टीन फाइल्स के रहस्योद्घाटनों ने पूरी दुनिया में हलचल मचाकर रख दी है। पिछले दिनों अमेरिकी न्याय विभाग द्वारा 30 लाख से भी अधिक पृष्ठों की नई फाइल्स आने के बाद दुनिया के कई हाई-प्रोफाइल लोगों के नाम उजागर हुये। अमेरिका का रहने वाला जेफरी एपस्टीन व उसके माता-पिता यहूदी परिवार से थे। 20 जनवरी 1953 को ब्रुकलिन न्यूयॉर्क, में जन्मे एपस्टीन की मृत्यु 2019 में बड़े ही रहस्यमयी ढंग से जेल में हुई थी। हालांकि उसकी मौत को अधिकारिक रूप से आत्महत्या घोषित किया गया था। परन्तु चूँकि उसकी मौत के दिन जेल के कैमरे खराब पाये गये और गाड्र्स भी उस समय सोए हुये थे। इसलिए एपस्टीन की हत्या का भी संदेह व्यक्त किया जाता है। हत्या की थ्योरी इसलिये भी रची जा रही है क्योंकि ऐसा माना जाता है कि एपस्टीन के पास दुनिया की स्वयंभू "विशिष्ट हस्तियों" की दरिन्दिगी व काले कारनामों के ऐसे सुबूत थे जो उनके चेहरों को बेनकाब कर सकते थे। जेफरी एपस्टीन के पास फ़्लोरिडा, न्यू मैक्सिको, पेरिस और कैरिबियन के यू.एस. वर्जिन आइलैंड्स में प्राइवेट द्वीप जैसी कई संपत्तियां थीं। उस पर नाबालिग लड़कियों का यौन शोषण और तस्करी करने,नाबालिग लड़कियों से सेक्स करने, अपने 'विशिष्ट' अतिथियों को सेक्स हेतु नाबालिग लड़कियां परोसने यहाँ तक कि सेक्स के बाद उनकी हत्या करने जैसे संगीन आरोप थे।

अमीर यहूदी फाइनेंसर एपस्टीन, सैकड़ों नाबालिग लड़कियों जिनमें अधिकांश 11 से 17 वर्ष आयु की होती थीं,को अपने घरों, प्राइवेट आइलैंड और प्राइवेट जेट पर लाकर उनका वहशी की तरह यौन शोषण किया करता था। वह लड़कियों को "मसाज" के बहाने बुलाता, पैसे देता, फिर उन्हें सेक्स के लिए मजबूर करता था। एपस्टीन को किशोरावस्था की शुरूआती उम्र वाली लड़कियों के साथ सैक्स करने में विशेष दिलचस्पी थी। उसने स्वयं यह स्वीकारोक्ति की थी कि उसे "रोजाना कम से कम तीन बार सेक्स चाहिए" और उसे युवा शरीर ही पसंद है। लड़कियों को "खरीदना" उसे गॉड जैसा एहसास दिलाता था। वह गरीब लड़कियों को पैसे, गिफ़्टस आदि देकर कंट्रोल किया करता था। उसकी पार्टनर घिस्लेन मैक्सवेल जोकि इस समय जेल में है वही एपस्टीन की हवस पूरी करने के लिये लड़कियों को भर्ती करती थी। खबरों के अनुसार घिस्लेन के पिता रॉबर्ट मैक्सवेल इस्राईली इंटेलिजेंस, मोसाद से जुड़े थे। और मोसाद के इशारे पर ही एपस्टीन दुनिया की प्रमुख हस्तियों को निशाना बनाकर "हनीट्रैप" रैकेट चलाता था। एपस्टीन की शिकार ज्यादातर लड़कियां गरीब,मजबूर व कमजोर परिवारिक पृष्ठभूमि से होती थीं। इनमें कई पीड़िताएं आज भी जिंदा हैं और कोर्ट में बयान दे चुकी हैं। एपस्टीन को 2008 में फ़्लोरिडा में दोषी करार दिया गया था। परन्तु कहा जाता है कि उसके धनबल की वजह से उसे उस समय कम सजा मिली। 2019 में सेक्स ट्रैफिकिंग के आरोप में उसे फिर गिरफ़्तार किया गया। अदालत में उसके विरुद्ध 100 से भी अधिक पीड़िताओं ने गवाही दी। इन्हीं दस्तावेजों व फोटोज के आधार पर उसे इसी क्लासिक चाइल्ड सेक्स ट्रैफिकिंग के केस में फिर सजा सुनाई गयी। और 2019 में ही बड़े ही रहस्यमयी ढंग से जेल में उसकी मौत भी हो गयी।

अब दुनिया में कोहराम इस बात को लेकर मचा हुआ है कि आखिर इतने बड़े अपराधी तथा मानवता के दुश्मन दुश्चरित्र व्यक्ति के साथ दुनिया के स्वयंभू विशिष्ट लोगों के संबंध की वजह क्या थी? आखिर क्यों दुनिया के जाने माने लोग एपस्टीन के अलग अलग द्वीप पर जाया करते थे? इस समय पूरी दुनिया को अपनी उंगलियों पर नचाने की कोशिश करने वाले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का फ़्लाइट लॉग्स में 1990 के दशक में कई बार नाम आया। ब्लैक बुक में उनके नाम की प्रविष्टि पाई गयी। इसी तरह पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बिल क्लिंटन का भी कई फ़्लाइट्स में नाम आया और वे एपस्टीन की पार्टनर घिस्लेन मैक्सवेल के साथ कई फोटो में भी नजर आये। ब्रिटेन के पूर्व प्रिंस,प्रिंस एंड्रयू का नाम तो सबसे सबसे ज्यादा विवादास्पद रहा। यौन शोषण के आरोप में एक दो नहीं बल्कि सैकड़ों बार उनका नाम आया। इसी तरह इस्राईल के पूर्व प्रधानमंत्री एहुद बाराक की एपस्टीन से नियमित मुलाकातें और संपर्क की चर्चा है। वहीं स्पेन के पूर्व प्रधानमंत्री जोस मारिया आजनार का नाम भी पैकेज और ट्रैवल रिकॉर्ड्स में कई बार आया है। ब्रिटेन के पूर्व मंत्री और राजदूत पीटर मंडेलसन, पूर्व न्यू मैक्सिको गवर्नर बिल रिचर्डसन, कोलंबिया के पूर्व राष्ट्रपति एंड्रेस पास्त्राना अरंगो जैसे राजनेताओं के नाम भी एपस्टीन फाइल्स में किसी न किसी रूप में शामिल हैं।

उद्योग व फिल्म जगत की विश्वप्रसिद्ध हस्तियां भी एपस्टीन फाइल्स से अछूती नहीं रहीं। एलन स्पेस एक्स के संस्थापक, सीईओ और मुख्य डिजाइनर, टेक बिलेनियर एलन मस्क, माइक्रोसॉफ़्ट को-फाउंडर बिल गेट्स, वर्जिन ग्रुप के फाउंडर रिचर्ड ब्रैनसन, पूर्व अमेरिकी ट्रेजरी सेक्रेटरी लैरी समर्स, फिल्म डायरेक्टर वुडी एलन,सिंगर माइकल जैक्सन, रोलिंग स्टोन्स के फ्रंटमैन मिक जैगर, तथा अभिनेता के विन स्पेसी जैसे अनेक लोगों के नाम किसी न किसी रूप में एपस्टीन फाइल्स के रहस्योद्घाटनों में शामिल हैं। भारत में भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, व्यवसायी अनिल अंबानी, भारतीय जनता पार्टी के नेता और केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी, लेखक दीपक चोपड़ा, फिल्म डायरेक्टर अनुराग कश्यप, निर्देशक व अभिनेत्री नंदिता दास जैसे लोगों के नाम प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से जेफरी एपस्टीन फाइल्स में पाए गए हैं। किसी के नाम फ़्लाइट्स लॉग्स में सामने आये तो किसी के लंबे समय तक एपस्टीन के संपर्क में रहने की बात सामने आयी। किसी के संदेशों और द्वीप भ्रमण करने का जिक्र आया तो किसे का एपस्टीन से पुराना सम्बन्ध निकला।

दैनिक पंचांग

16 फरवरी 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

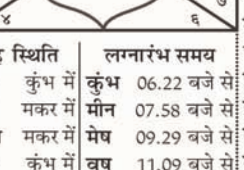

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कुंभ में	कुंभ	06.22 बजे से
चंद्र	मकर में	मीन	07.58 बजे से
मंगल	मकर में	मेष	09.29 बजे से
बुध	कुंभ में	वृष	11.09 बजे से
गुरु	मिथुन में	मिथुन	13.07 बजे से
शुक्र	कुंभ में	कर्क	15.20 बजे से
शनि	मीन में	सिंह	17.37 बजे से
राहु	कुंभ में	कन्या	19.49 बजे से
केतु	सिंह में	तुला	21.59 बजे से
राहुकाल		वृश्चिक	00.14 ब.से
7.30 से 9.00		धनु	02.30 बजे से
बजे तक		मकर	04.35 बजे से

सोमवार 2026 वर्ष का 47 वा दिन
दिशाशूल पूर्व **ऋतु** शिशिर।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास फाल्गुन (दक्षिण भारत में माघ)
पक्ष कृष्ण
तिथि चतुर्दशी 17.35 बजे को समाप्त।
नक्षत्र श्रवण 20.48 बजे को समाप्त।
योग वरीयान 01.50 बजे रात्र को समाप्त।
करण शकुनि 17.35 बजे तदनन्तर चतुष्पद 05.37 बजे प्रातः को समाप्त।
चन्द्रायु 24.2 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 12° 24'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872622
जूलियन दिन 2461087.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना सावान
तारीख 27

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	05.53 से	07.22 बजे तक	चर	05.43 से	07.14 बजे तक
काल	07.22 से	08.50 बजे तक	रोग	07.14 से	08.45 बजे तक
शुभ	08.50 से	10.19 बजे तक	काल	08.45 से	10.17 बजे तक
रोग	10.19 से	11.48 बजे तक	लाभ	10.17 से	11.48 बजे तक
उद्वेग	11.48 से	01.17 बजे तक	उद्वेग	11.48 से	01.19 बजे तक
चर	01.17 से	02.45 बजे तक	शुभ	01.19 से	02.51 बजे तक
लाभ	02.45 से	04.14 बजे तक	अमृत	02.51 से	04.2 बजे तक
अमृत	04.14 से	05.43 बजे तक	चर	04.22 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

श्रीकाशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शनार्थ पहुंचे लाखों श्रद्धालु, मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने किया स्वागत

वाराणसी, (एजेंसी) । उत्तर प्रदेश के वाराणसी में श्रीकाशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन पूजन के लिए महाशिवरात्रि के पर्व पर श्रद्धालुओं एवं शिव भक्तों की बड़ी भीड़ उमड़ पड़ी। श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शनार्थ आए श्रद्धालुओं का स्वागत श्री काशी विश्वनाथ मंदिर न्यास के मुख्य कार्यकारी अधिकारी विश्व भूषण मिश्रा ने गुलाब के फूलों से किया। विश्व भूषण मिश्रा ने इस अवसर पर कहा कि महाशिवरात्रि पर्व पर श्री काशी विश्वनाथ बाबा के अलौकिक दर्शन करने के लिए लाखों की संख्या में लोगों का पहुंचना हुआ है। शनिवार रात्रि दो बजे से ही शिव भक्तों, श्रद्धालुओं ने पंक्ति में स्थान बना लिया था। सुबह सात बजे तक करीब दो लाख के ऊपर श्रद्धालुओं ने दर्शन पूजन किया है। महाशिवरात्रि की प्रातः काल से श्रीकाशी विश्वनाथ मंदिर में ज्ञानवापी एवं घाट की ओर से श्रद्धालुओ की लंबी पंक्तियां लग गई। वाराणसी में गोदौलिया, नीचीबाग, बुलानाला क्षेत्र में श्रद्धालुओं की भीड़ बढ़ने पर समाजसेवी संगठनों के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता सेवा कार्यों में जुट गए। वही, वाराणसी कमिश्नरेट पुलिस भी व्यवस्थाओं को संभालने में चुस्त दुरुस्त रही। ड्यूटी में तैनात रहे पुलिसकर्मियों ने मंदिर मार्गों पर वाहनों को सुबह सवेरे ही पूरी तरह से रोका। बेनियाबाग, रामापुरा, मदनपुरा, मैदागिन से वाहनों को आगे जाने के लिए नहीं छोड़ा गया। इस दौरान वीआईपी पास लगे वाहनों को रोक कर मैदागिन पार्किंग में भेज दिया गया।

अधेड़ की हत्या से मचा हड़कंप

अमेठी, (एजेंसी) । उत्तर प्रदेश के अमेठी जिले के मोहनगंज कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत लीही गांव में बीती रात अधेड़ की निर्मम हत्या कर दी गई। हत्या की जानकारी मिलते ही रविवार की सुबह गांव में हड़-कंप मच गया। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पुलिस और फॉरेंसिक टीम पहुंच गई। पुलिस लाश को कब्जे में लेकर जांच तथा आवश्यक वैधानिक कार्यवाही कर रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार मृतक दलित अधेड़ शिव प्रसाद कोरी (54) पुत्र श्रीनाथ कोरी गांव से बाहर खेत में सूअर पालन का कार्य करता था। बीती रात मृतक वहीं खेत में वह सो रहा था तभी अज्ञात हमलावरों के द्वारा धारदार हथियार से शिवप्रसाद के सिर पर वार करते हुए उसकी हत्या कर दी गई । इस घटना की जानकारी सुबह उस समय हुई जब ग्रामीण शौच के लिए खेतों में गए। तब वहां पर शिव प्रसाद की लाश को देखकर हड़कंप मच गया। ग्रामीणों द्वारा तत्काल पुलिस को सूचना दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने लाश को कब्जे में लेकर जांच तथा आवश्यक वैधानिक कार्यवाही में जुटी हुई है। जबकि मृतक के परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है। मोहनगंज कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक राकेश कुमार सिंह ने बताया कि घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंच गई। लाश को कब्जे में लेकर जांच की जा रही है। लाश का पंचायतनामा भरते हुए पोस्टमार्टम की कार्यवाही अमल में लाई जा रही है। फॉरेंसिक टीम को भी मौके पर बुला लिया गया है। वह साक्ष्य संकलन की कार्यवाही कर रही है । घर के लोगों तथा ग्रामीणों से जानकारी जुटाए जा रही है। जल्दी ही घटना का अनावरण कर दिया जाएगा।

श्रीबेचु महादेव मंदिर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के घोष टोली ने मनाया अखिल भारतीय घोष दिवस

वाराणसी, (एजेंसी) । । वाराणसी में महमूरगंज क्षेत्र में श्रीबेचु महादेव मंदिर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के काशी महानगर की ओर से घोष टोली के कार्यकताओं ने अखिल भारतीय घोष दिवस (महाशिवरात्रि) पर घोष वादन किया। शंख, आनक, प्रणव, वेणु से घोष वादन करते हुए कार्यकताओं ने उत्सव मनाया। साथ ही, श्रीबेचु महादेव मंदिर पर पहुंचे सभी श्रद्धालुओं का मन भी मोहित कर लिया। अखिल भारतीय घोष दिवस पर घोष टोली ने विभिन्न रचनाओं का प्रदर्शन किया। करीब दो घंटे के कार्यक्रम में संघ के सुर गुंजायमान होते रहें। इस अवसर पर प्रचारक प्रभाकर, विभाग प्रचारक नितिन, प्रांत सह घोष प्रमुख घनश्याम, विभाग कार्यवाह राजेश, सह विभाग कार्यवाह डॉ आशीष, विभाग घोष प्रमुख विपिन, घोष टोली से वीरेंद्र, राकेश, प्रभात, भाग कार्यवाह राकेश, कार्यवाह सुरेन्द्र, सामाजिक सद्भाव प्रमुख यशपाल सहित तमाम कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

तीन बाइकों की टक्कर दो सिपाही समेत आधा दर्जन से अधिक लोग घायल

बाराबंकी, (एजेंसी) । । उत्तर प्रदेश के बाराबंकी जिले में रविवार को रामनगर थाना क्षेत्र में तीन मोटर साइकिल की टक्कर हो गई। हादसे में दो सिपाही, एक महिला समेत छह लोग घायल हो गए। सभी घायलों को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रामनगर से जिला अस्पताल रेफर किया गया। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अधीक्षक प्रणव श्रीवास्तव ने हादसे की पुष्टि करते हुए बताया कि श्रावस्ती जिले के लक्ष्मण नगर थाना सोनवा निवासी मनीष मिश्रा (20), अपनी मोटर साइकिल से विपिन की पत्नी अनीता को बैठाकर लखनऊ की तरफ जा रहे थे। सुबह 9 बजे जब वह लोग ग्राम दल सराय के पास पहुंचे तो तेज रफ्तार बाइक का संतुलन बिगड़ जाने के चलते आगे चल रहे बाइक सवार उन्नाव निवासी अजीत, सनी को टक्कर मारते हुए मसौली की तरफ से आ रहे सिपाही हरिवंश व शुभम यादव की बाइक से भीड़ गई। हादसे में तीनों बाइक पर सवार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की सूचना पर पहुंची एंबुलेंस से घायलों को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य के रामनगर लाया गया। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अधीक्षक प्रणव श्रीवास्तव ने बताया कि घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर होने पर उन्हें इलाज के लिए जिला अस्पताल रेफर किया गया।

पोल से टकराई कार,चालक की मौत

फरुर्खाबाद,(एजेंसी) । उत्तर प्रदेश के फरुर्खाबाद जिले में थाना मेरापुर क्षेत्र में रविवार को प्रातः 4 बजे दावत से लौट रहे युवक की कार बिजली के पोल से टकराकर पलट गई। इस हादसे में कार चालक की मौके पर मौत हो गई जबकि साथी गंभीर रूप से घायल हो गया। थाना क्षेत्र के ग्राम अछरौडा निवासी चंद्र प्रकाश का पुत्र मोहनलाल (30) गांव के कमलेश राजपूत की स्विफ्ट डिजायर कार से बीती रात शनिवार को थाना कमालगंज के ग्राम गोपालपुर दावत में गया था। मोहनलाल भोर करीब 4 बजे कार चला कर घर वापस आ रहा था। जैसे ही वह मेरापुर थाना क्षेत्र के बहादुर नगला के पास से गुजर रहा था, तभी कार अनियंत्रित होकर बिजली के पोल से टकराकर झाड़ियों में जाकर पलट गई। सूचना मिलने पर 112 नंबर पुलिस मौके पर पहुंची और कार के शीशे तोड़कर मोहनलाल और उसके साथी को बाहर निकाला। अपर पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार ने बताया कि पुलिस ने जब तक कार चालक को बाहर निकाला उसकी सांसें थम चुकी थी। वहीं घायल कमलेश राजपूत को लोहिया अस्पताल भेजा गया। पूछताछ में पता चला है कि मृतक सराय स्थित एक देसी शराब ठेके पर काम करता था। मौत की जानकारी पर उसकी पत्नी सपना आदि परिवारिक लोग आ गए। पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्मार्टम के लिए भेज दिया गया है।

आनुष्ठानिक व्यस्तता में भी मुख्यमंत्री ने जारी रखा जनसेवा अनुष्ठान

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को दिए निर्देश- निष्पक्षता, संवेदनशीलता और तत्परता से करें जन समस्याओं का निराकरण

गोरखपुर, (एजेंसी) । गोरखपुर प्रवास के दौरान लगातार दूसरे दिन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन का आयोजन कर लोगों से मुलाकात की और समस्याएं सुनकर अधिकारियों को निस्तारण के निर्देश दिए। रविवार को देवाधिदेव महादेव की आराधना के विशेष पर्व महाशिवरात्रि पर आनुष्ठानिक व्यस्तता में भी उन्होंने जनसेवा का अनुष्ठान जारी रखा। जनता दर्शन में आए लोगों से मुख्यमंत्री ने कहा, ह्यचिंता मत करें, हर समस्या का समाधान होगा, सबकी भरपूर मदद की जाएगी।ह्व जनता दर्शन में मुख्यमंत्री ने मौके पर मौजूद अधिकारियों को निर्देशित किया कि हर पीड़ित व्यक्ति की समस्या पर संवेदनशीलता से ध्यान दें और तत्परता से उसका निष्पक्ष और समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित कराएं।
रविवार सुबह गोरखनाथ मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के बाहर आयोजित जनता दर्शन के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने करीब 150 लोगों की समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को उनका समाधान करने के निर्देश दिए। कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक मुख्यमंत्री खुद पहुंचे। एक-एक कर सबकी समस्याएं सुनीं। उन्हें आश्वस्त किया कि वह सभी की समस्याओं का समाधान कराएंगे। किसी को भी घबराने की आवश्यकता नहीं है। प्रार्थना पत्रों को उन्होंने अधिकारियों को हस्तगत करते हुए निर्देश दिया कि हर समस्या का निस्तारण त्वरित, गुणवत्तापूर्ण और संतुष्टिप्रद होना चाहिए। जनता दर्शन में कुछ लोग इलाज में आर्थिक मदद की गुहार लेकर पहुंचे थे। मुख्यमंत्री ने उनसे कहा कि इलाज में धन की कमी बाधक नहीं होगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि इलाज में अस्पताल के इस्टीमेट की प्रक्रिया को जल्द पूर्ण कराकर शासन में भेजें। मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से इलाज के लिए पर्याप्त राशि दी जाएगी। इस दौरान सीएम ने अधिकारियों से कहा कि जो लोग पात्र हैं और किसी कारण से उनका आयुष्मान कार्ड नहीं बन पाया है, उनके आयुष्मान कार्ड बनवाए जाएं ताकि उन्हें इलाज के लिए परेशान न होना पड़े। सीएम ने पुकारा, ह्यओ भोलूह्व और भाव विह्वल हो दौड़ आया गौवंश दृढ़ संकल्पों वाले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की एक सुपरिचित पहचान गौसेवक की भी है। जब भी वह गोरखनाथ मंदिर प्रवास पर होते हैं गौशाला में जाकर गौसेवा उनकी दिनचर्या का अभिन्न हिस्सा रहती है। रविवार सुबह भी मंदिर की गौशाला में जाकर उन्होंने गौसेवा की। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गायों और गौवंश को अपने हाथों से रोटी-गुड़ खिलाया। सीएम योगी यहां कई गौवंश को उनके लिए रखे नामों से बुलाते हैं। रविवार सुबह उन्होंने एक गौवंश को जब यह कहकर पुकारा, ह्यओ भोलूह्व तो श्याम रंग का यह बछड़ा भाव विह्वल होकर सीएम योगी की तरफ दौड़ पड़ा। मुख्यमंत्री ने भोलू को खूब दुलारा और उसे अपने हाथों से रोटी-गुड़ खिलाया। मंदिर की गौशाला में जब भी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पहुंचते हैं तो प्रायः एक मोर भी उनके इर्द-गिर्द आ जाता है। मुख्यमंत्री ने मोर को भी दुलारा और अपने हाथों से रोटी के टुकड़े करके उसे खिलाया। सीएम ने बच्चों पर लुटाया प्यार, कराया अन्नप्राशन रविवार सुबह गोरखनाथ मंदिर परिसर के भ्रमण के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की नजर परिजनों के साथ मंदिर आए बच्चों पर पड़ी तो उन्होंने बच्चों को अपने पास बुला लिया, उन पर खूब प्यार लुटाया। उन्होंने बच्चों से उनका नाम और पढ़ाई के बारे में पूछा। उनसे ठिठोली भी की और फिर स्नेहाशीष से खूब पढ़ने के लिए प्रेरित किया। मुख्यमंत्री ने इन सभी बच्चों को अपने हाथ से चॉकलेट भी दी। इस अवसर पर उन्होंने एक बच्चे को गोद में लेकर अन्नप्राशन भी कराया।

पिकअप और बाइक की टक्कर में महिला की जलने से मौत, पति गंभीर घायल

देवरिया, (एजेंसी) । उत्तर प्रदेश के देवरिया के खुखुंदू थाना क्षेत्र के मगहरा चौराहे पर रविवार की भोर में एक भीषण सड़क हादसे में अचानक मोटर साइकिल में आग लग गई । इसमें झुलसकर महिला की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि उसका पति गंभीर रूप से घायल हो गया। बरहज थाना क्षेत्र के अमवा गाँव में रहने वाली रेनू मिश्रा (47 वर्ष), पत्नी बृज शंकर मिश्र, और बृज शंकर मिश्र (52 वर्ष), पुत्र स्वर्गीय गंगा शरण मिश्र, दोनो बाइक पर सवार हो कर कही जा रहे थे ।जो अभी खुखुंदू थाना क्षेत्र के मगहरा चौराहे के समीप पहुंचे ही थे कि अचानक तेज गति से आ रही पिकअप ने मोटरसाइकिल में टक्कर मार दी। देखते ही देखते अचानक मोटरसाइकिल में आग लग गई । जिससे दंपति गंभीर रूप से झुलस गए । स्वास्थ्य केंद्र पर दंपति को भर्ती कराया गया । जहाँ चिकित्सक ने रेनू को मृत घोषित कर दिया। वहीं गंभीर रूप से घायल पति को प्राथमिक उपचार के बाद देवरिया मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया । सूचना मिलते ही खुखुंदू थाना पुलिस मौके पर पहुंची । प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार टक्कर इतनी जोरदार थी कि मोटरसाइकिल का पेट्रोल टैंक क्षतिग्रस्त हो गया, जिससे पेट्रोल का रिसाव होने लगा और देखते ही देखते बाइक में आग लग गई। घटना की सूचना पर क्षेत्राधिकारी सलेमपुर मनोज कुमार भी मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण कर दुर्घटना के कारणों की जांच की। उन्होंने बताया कि पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है । अन्य कार्रवाई की जा रही है।

उत्तर भारत का आधुनिक आर्य गुरुकुल म्यूज़ियम 80 फीसदी तैयार, इमर्सिव लर्निंग और इंटरैक्टिव डिस्प्ले होंगे मुख्य आकर्षण

लखनऊ/आगरा, (एजेंसी) । उत्तर प्रदेश के जनपद फिरोजाबाद जिले के सिरसागंज में उत्तर भारत का आधुनिक आर्य गुरुकुल म्यूज़ियम अब लगभग तैयार है। नई तकनीक से सुसज्जित यह संग्रहालय अतीत की गौरवगाथा को नए और आकर्षक अंदाज में पेश करेगा, जहां इतिहास केवल पढ़ा नहीं जाएगा, बल्कि महसूस किया जाएगा। ब्रज क्षेत्र की यह महत्वाकांक्षी परियोजना न सिर्फ पर्यटन को नई राष्ट्रीय पहचान देगी, बल्कि नई पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ने का एक मजबूत माध्यम भी बनेगी। फिरोजाबाद जिले के सिरसागंज में 24.45 करोड़ रुपये की लागत से बन रहा उत्तर प्रदेश का पहला आर्य गुरुकुल म्यूज़ियम तेजी से तैयार हो रहा है, जिसका लगभग 80 फीसदी से अधिक कार्य पूरा किया जा चुका है। इसको लेकर पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने समीक्षा बैठक के दौरान जल्द से जल्द कार्य सम्पन्न करने के निर्देश दिए। इसकी विशेषता पर जानकारी देते हुए मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि, इस म्यूजियम में इतिहास को इमर्सिव लर्निंग, विजुअल स्टोरीटेलिंग और इंटरैक्टिव डिस्प्ले के जरिए दिखाया जाएगा, ताकि हर उम्र का व्यक्ति इसे आसानी से समझ सके। यहां स्थापना और शुरूआती दौर, संस्थापक और स्थानीय नेताओं का योगदान, आजादी की लड़ाई में भूमिका, सिद्धांत और विचारधारा, योग की अहमियत और आज के समय में इसकी जरूरत जैसे जोन बनाए गए हैं। कुल मिलाकर, आर्य गुरुकुल म्यूजियम सांस्कृतिक जड़ों से जुड़ने और उनसे प्रेरणा लेने का एक बेहतरीन माध्यम है। म्यूजियम में ऑडिटोरियम, मल्टीपर्पज हॉल, एम्फीथिएटर, हेलीपैड, फायर फाइटिंग सिस्टम और कई ब्लॉकों का ढांचा तैयार हो गया है और अधिकतर जगहों पर फिनिशिंग का काम चल रहा है। बाहरी इलेक्ट्रिफिकेशन, ट्यूबवेल, अंडरग्राउंड सम्प और कुछ अन्य कार्य प्रगति पर हैं, जबकि सीसी रोड, हॉर्टिकल्चर, तालाब विकास, फ्लोटिंग मल्टीमीडिया और उउळश जैसे कुछ काम अभी शुरू होने बाकी हैं। कुल मिलाकर परियोजना तेजी से आगे बढ़ रही है और तय समय में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। सत्य, धर्म और सेवा का संदेश देता संग्रहालय इसके अलावा इस म्यूजियम में पाँच पिलरों की सीख भी होगी। जिसमें पहला, ईश्वर ही सच्चे ज्ञान का असली स्रोत है- वह निराकार, अनंत और पूरी सृष्टि का रचयिता है। दूसरा, वेद हमें सही सोच और सही जीवन जीने का मार्ग दिखाते हैं, इसलिए उन्हें समझना और उनके अनुसार चलना हमारी जिम्मेदारी है। तीसरा, हमें हर हाल में सच का साथ देना चाहिए और गलत बातों से दूर रहना चाहिए, ताकि हमारा हर कदम धर्म और ईमानदारी पर टिका हो। चौथा, हमारा उद्देश्य केवल अपनी तरक्की नहीं, बल्कि पूरी मानवता की शारीरिक, मानसिक और सामाजिक उन्नति करना है। और पाँचवां, हमें सभी लोगों के साथ प्रेम, सम्मान और न्याय से व्यवहार करना चाहिए एवं दूसरों की प्रगति में ही अपनी सफलता देखनी चाहिए। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने हाल ही में हुई एक बैठक में इसे जल्द पूरा करने का निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि आर्य गुरुकुल म्यूजियम हमारे अतीत की विरासत और भविष्य की संभावनाओं के बीच एक सशक्त माध्यम है।

माघ मेला : अंतिम स्नान पर्व महाशिवरात्रि को हर हर महादेव के जय घोष से शुरू हुआ स्नान, उमड़ा जनसैलाब

प्रयागराज, (एजेंसी) । विश्व प्रसिद्ध प्रयागराज माघ मेला के अंतिम महत्वपूर्ण स्नान पर्व महाशिवरात्रि पर पावन त्रिवेणी में शुभमुहूर्त में हर-हर महादेव के जय घोष से आस्था की डुबकी शुरू हो गई। रविवार भोर से ही संगम सहित सभी घाटों पर श्रद्धालुओं का जन सैलाब उमड़ पड़ा । सुरक्षा के मद्देनजर जल पुलिस एवं प्रशिक्षित गोताखोर, नाविक व एसडीआरएफ की टीमें लगी हुई हैं। इसके साथ ही सभी घाटों की सीसीटीवी कैमरे एवं एआई से लगातार पुलिस के अधिकारी निगरानी कर रहे हैं। महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर पतित पावनी मां गंगा एवं यमुना और अन्तःसलीला सरस्वती के पावन संगम में रविवार भोर से हर-हर महादेव के जय घोष के साथ श्रद्धालु संगम में डुबकी लगाकर पुण्य अर्जित कर रहे हैं। आस्था की डुबकी के बाद मां गंगा की पूजा अर्चना एवं आरती करने के बाद बाबा भोलेनाथ का जलाभिषेक करने के लिए संगम तट पर स्थित शिव मंदिरों में जलाभिषेक कर रहे हैं। भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक करने के लिए मनकामेश्वर, नागवासुकी मंदिर, शंकर विमान मंडपम, ब्रह्मेश्वर महादेव, पांडेश्वर महादेव मंदिर, कोटेश्वर महादेव, सहित प्रयागराज में स्थित सभी शिवालयों में श्रद्धालुओं की भीड़ लगी हुई है। महाशिवरात्रि के पर्व को सकुशल संपन्न कराने के लिए पुलिस आयुक्त जोगेंद्र कुमार, अपर पुलिस आयुक्त अजय पाल शर्मा, माघ मेला पुलिस अधीक्षक नीरज कुमार पांडेय, मेला अधिकारी ऋषिराज, जिला अधिकारी मनीष कुमार वर्मा, पुलिस उपायुक्त नगर मनीष कुमार शांडिल्य, पुलिस उपायुक्त गंगानगर कुलदीप सिंह गुनावत, पुलिस उपायुक्त यमुनानगर विवेक चन्द्र यादव लगातार निगरानी करते हुए अपने मातहतों को दिशा निर्देश दे रहे हैं। शिवमन्दिरो की निगरानी के लिए पुलिस बल, महिला सिपाहियों को तैनात किया गया है।

पूर्व जिला पंचायत सदस्य के बेटे की गोली मारकर हत्या

झांसी, (एजेंसी) । उत्तर प्रदेश के झांसी जिले में रक्सा थाना क्षेत्र में शनिवार की देर शाम खेत पर सोते समय पूर्व जिला पंचायत सदस्य के बेटे की गोली मारकर हत्या कर दी गई। इस घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और परिजनों की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर तीन युवकों को हिरासत में ले लिया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बीबीजीटीएस मूर्ति ने बताया कि रक्सा थाना क्षेत्र के नयाकुआं निवासी महेश प्रसाद पूर्व में जिला पंचायत सदस्य रहा है। उनके के दो बेटे हैं। बड़ा बेटा अंशुल राजपूत ग्राम वाजना में स्थित एक कुएं पर सो रहा था। शनिवार देर शाम सो रहे अंशुल को माथे में किसी ने गोली मारकर हत्या कर दी। गोली की आवाज सुनकर ग्रामीण और घर के सदस्य वहां पहुंचे। तत्काल उसे मेडिकल कालेज ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने युवक को मृत घोषित कर दिया। इस घटना की सूचना मिलते ही पुलिस अधीक्षक (नगर) प्रीति सिंह, सीओ सदर रामवीर सिंह, रक्सा थानाध्यक्ष रुपेश कुमार मय स्टॉफ के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने घटनास्थल का निरीक्षण किया। परिजनों ने बताया कि अंशुल की 10 मार्च को शादी है, जिसकी तैयारी में घर के सदस्य जुटे थे। मृतक के चाचा सतीश ने आरोप लगाया कि गांव के कुछ लोगों से पुरानी रंजिश चल रही थी और उसी मुकदमे में अंशुल की गवाही होनी थी। परिजनों का आरोप है कि इसी रंजिश के चलते अंशुल की हत्या की गई है। अंशुल पर भी एक हत्या का मुकदमा चल रहा था और वह करीब एक साल पहले पेरोल पर जेल से बाहर आया था। एसएसपी ने बताया कि परिजनों की तहरीर के आधार पर तीन आरोपितों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर हिरासत में लेकर उनसे पूछताछ की जा रही है।

महाशिवरात्रि : पंचक्रोशी परिक्रमा पथ पर निकले शिवभक्तों की सेवा में जुटे सामाजिक संगठन

वाराणसी, (एजेंसी) । ।महाशिवरात्रि पर्व पर रविवार को परम्परानुसार पंचक्रोशी परिक्रमा पथ के विभिन्न पड़ावों पर पहुंच रहे श्रद्धालु शिवभक्तों की सेवा में विभिन्न सामाजिक संगठनों के साथ पुलिस कर्मी भी जुटे दिखे। लालपुर पांडेयपुर क्षेत्र में पुलिस कर्मी श्रद्धालुओं की सेवा के साथ उनके सुरक्षा में भी मुस्तैद रहे। गश्त के समय फैंटम 55 दस्ते में शामिल पुलिस कर्मी शिव भक्तों के बीच भक्ति भाव से प्रसाद वितरित करते दिखे। वहीं मिशन समाज सेवा के कार्यकर्ता अध्यक्ष की अगुवाई में श्रद्धालुओं की सेवा में जुटे रहे। श्रद्धालुओं को चाय पानी पिलाने के साथ उनके पैरों में पड़े छालों पर दर्द निवारक स्प्रे छिड़कने के साथ मरहम पट्टी भी करते रहे। कुछ देर ठहराव के बाद श्रद्धालु परिक्रमा पथ के अगले पड़ाव की ओर पूरे श्रद्धा और उत्साह से बढ़ते दिखे। बताते चलें कि संकल्प के साथ लगभग 80 से 84 किमी की यह काशी की परिक्रमा शिवभक्त 24 घंटे के अंदर पूरी करते हैं। यह परिक्रमा शनिवार देर शाम को मोक्षतीर्थ मणिकर्णिकाघाट के चक्रपुष्कर्णी तीर्थ कुंड और गंगा स्नान के बाद संकल्प लेकर शुरू हुई है। मणिकर्णिकाघाट से घाटों के सहारे शिवभक्त अस्सी घाट तक पहुंचे। फिर यहां से यात्रा के प्रथम पड़ाव कंदवा के लिए निकल पड़े। यात्रा मार्ग पर चप्पे-चप्पे पर पुलिस कर्मी तैनात हैं। ड्रोन व सीसीटीवी से उनकी सुरक्षा की निगरानी हो रही है। श्रद्धालु दूसरे पड़ाव भीमचंडी, तीसरे पड़ाव रामेश्वर, चौथे पड़ाव पांचों पंडवा,पांचवे पड़ाव कपिलधारा के लिए निकल पड़े हैं। श्रद्धालु पूरी रात परिक्रमा पथ पर तमाम दुश्वारियों और पांवों में छाले पड़ने के बावजूद यात्रा की अन्तिम पड़ाव की ओर बढ़ रहे हैं।

महाशिवरात्रि पर श्री काशी विश्वनाथ दरबार में आस्था का जनसैलाब,श्रद्धालुओं पर पुष्पवर्षा

–पूरी रात शिवभक्त दर्शन के लिए रहे कतारबद्ध,मंगलाआरती के बाद अनवरत दर्शन

वाराणसी,(एजेंसी) । महाशिवरात्रि पर्व पर रविवार को श्री काशी विश्वनाथ दरबार में दर्शन पूजन और जलाभिषेक के लिए आम शिवभक्तों के साथ नागा सन्तों, सन्यासियों का सैलाब उमड़ पड़ा। काशीपुराधिपति बाबा विश्वनाथ और आदि शक्ति मां पार्वती के मिलन के महापर्व का साक्षी बनने के लिए शिवभक्तों की मंगला आरती से लेकर आधी रात शयन आरती तक दरबार में जाने के लिए अटूट कतार लगी हुई है। सुरक्षा व्यवस्था के अभेद्य किलेबन्दी के बीच मंदिर के गर्भगृह के बाहर बने पात्र से श्रद्धा अनुराग की अखंड जलधार बेलपत्र मदार धतुरा दुग्ध जल ज्योर्तिलिंग पर बहती रही। आधी रात के बाद से ही पूरा मंदिर परिक्षेत्र हर-हर महादेव, हर-हर, बम-बम के गगनभेदी उद्घोष से गुंजायमान है। यही, हाल जिले और शहर के प्रमुख शिवमंदिरों से लेकर छोटे–बड़ें शिवालयों का है। पूरे जिले में कंकर कंकर शंकर का नजारा दिख रहा है। इसके पूर्व बाबा दरबार में हाजिरी लगा पुण्य बटोरने के लिए शनिवार शाम से ही लाखों शिवभक्त बैरिकेडिंग में कतार बद्ध होते चले गये। जैसे-जैसे रात चढ़ती गयी कतार का दायरा भी बढ़ता गया। सर्द हवाएं हर हर महादेव, काशी विश्वनाथ गंगे के उद्घोष से पनाह मांगती नजर आईं। मंगला आरती के बाद अल सुबह तक बाबा दरबार में जाने के लिए डेढ़ से दो किमी लम्बी लाइन लग गयी। पूरी रात लाइन में खड़े होने के बावजूद शिवभक्तों के चेहरे पर थकान नहीं दिखी। थकान मिटाने में हर हर महादेव का गगनभेदी उद्घोष रामबाण साबित हो रहा था। बाबा दरबार में पहुंचने के बाद तो भक्तों का उत्साह देखते बन रहा था। इस दौरान किसी ने दूध से तो किसी ने गंगा जल तो किसी ने इत्र और भस्म से बाबा को नहवाया । श्री काशी विश्वनाथ मंदिर के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) डॉ विश्वभूषण मिश्र के अगुवाई में अफसरों ने मंगलाआरती के बाद धाम में कतारबद्ध श्रद्धालुओं पर पुष्पवर्षा कर अभिनंदन किया। मंदिर न्यास के अनुसार, मंगला आरती के बाद सुबह 6 बजकर 40 मिनट तक 1 लाख 60 हजार शिवभक्तों ने दर्शन कर लिया था। सुबह के सात बजे यह संख्या दो लाख से अधिक हो गई। पूर्वाह्न 09 बजे तक दर्शनार्थियों की संख्या चार लाख हो गई। मंदिर न्यास के अनुसार, महाशिवरात्रि पर्व पर 45 घंटे तक स्पर्श दर्शन नही मिलेगा। श्रद्धालु बाबा का झांकी दर्शन कर रहे है। मंदिर के ढुंढिराज गेट, गंगाद्वार, सरस्वती फाटक सभी पांचों द्वार से दर्शन के लिए प्रवेश दिया जा रहा है। –काशी के हर शिवालय में उमड़ रही शिवभक्तों की भीड़ महाशिवरात्रि पर श्री काशी विश्वनाथ मंदिर के अलावा शहर और आस- पास के सभी शिवालयों में भक्तों की भारी भीड़ उमड़ रही है। गौरी केदारेश्वर, महामृत्युंजय, कृतिविशेश्वर, बैजनत्था, शूलटंकेश्वर, मार्कण्डेय महादेव, रामेश्वर, ऋणमुक्तेश्वर महादेव समेत छोटे शिवालयों में भी भारी भीड़ जलाभिषेक के लिए पहुंच रही है। इसके अलावा बीएचयू स्थित नये काशी विश्वनाथ मंदिर में भी लाखों भक्तों ने मत्था टेका। यहां कुलपति ने भी रूद्राभिषेक किया। –चप्पे-चप्पे पर पुलिस की निगाह महाशिवरात्रि पर्व पर वाराणसी जिला और पुलिस प्रशासन भी खासा चौकस है।

वेदांता ने नायरा को घरेलू कच्चे तेल की आपूर्ति रोकी

- नायरा में रोसनेफ्ट समेत कई रूसी कंपनियों का स्वामित्व है

नई दिल्ली ।

रूस के अलावा दुनिया के अन्य देशों से कच्चे तेल की आपूर्ति बंद होने के बाद रोसनेफ्ट के समर्थन वाली वाली भारतीय रिफाइनरी कंपनी नायरा एनर्जी को घरेलू बाजार में भी कच्चा तेल मिलना बंद हो गया है। सूत्रों के मुताबिक वेदांता लिमिटेड की केयर्न ऑयल एंड गैस ने पाबंदियों के इस माहौल के बीच नायरा को राजस्थान के अपने तेल क्षेत्र से से कच्चे तेल की आपूर्ति रोक दी है। नायरा में रोसनेफ्ट समेत कई रूसी कंपनियों का स्वामित्व है। राजस्थान से आने वाला कच्चा तेल उसकी कुल जरूरत का लगभग पांच-10 प्रतिशत था। इस आपूर्ति को गुजरात में उसकी दो करोड़ टन सालाना (लगभग 4,00,000 बैरल प्रति दिन) क्षमता वाली वाडिनार रिफाइनरी में पेट्रोल और डीजल जैसे ईंधन में बदला जाता था। पिछले साल यूरोपीय संघ और ब्रिटेन द्वारा कंपनी पर प्रतिबंध लगाए जाने के बाद वेदांता लिमिटेड की लंदन स्थित मूल कंपनी वेदांता रिसोर्सेज एक प्रतिबंध के दायरे में आने वाली कंपनी के साथ वाणिज्यिक करार के कारण दूसरे पाबंदियों के खतरे को लेकर सावधान हो गई थी। इस मामले की जानकारी रखने वाले दो सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि अनुपालन की संभावित दिक्कतों से बचने के लिए वेदांता की केयर्न ऑयल एंड गैस ने नायरा को कच्चे तेल की आपूर्ति रोक दी। केयर्न ऑयल एंड गैस राजस्थान के बाड़मेर तेल क्षेत्र का परिचालन करती है। हालांकि, इस बारे में नायरा को भेजे गए ईमेल का जवाब नहीं मिला।

आईटी सेक्टर निफ्टी 50 में 26 साल के निचले स्तर पर, ऑयल और बीएफसी आगे

- वित्त वर्ष 2025-26 में आईटी शेयरों का प्रदर्शन व्यापक बाजार की तुलना में कमजोर रहा

नई दिल्ली ।

देश के सूचना प्रौद्योगिकी सेवा क्षेत्र के लिए मौजूदा वित्त वर्ष निराशाजनक रहा है। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, इन्फोसिस, विप्रो और एचसीएल टेक जैसी बड़ी आईटी कंपनियों के शेयरों में आई गिरावट का असर निफ्टी 50 इंडेक्स में भी दिखाई दे रहा है। निफ्टी 50 में आईटी सेक्टर का वेटेज घटकर 8.8 फीसदी रह गया है, जो मार्च 1999 के बाद सबसे कम स्तर है। मार्च 2025 में यह 11.7 फीसदी था, जबकि महामारी के दौरान मार्च 2021 में 16.2 फीसदी तक पहुंचा था। फिलहाल निफ्टी 50 में पांच आईटी कंपनियां हैं, जिनमें सबसे अधिक वेटेज इन्फोसिस (3.97 फीसदी) और टीसीएस (2.27 फीसदी) का है। आईटी सेक्टर अब निफ्टी 50 में तीसरे स्थान पर खिसक गया है। ऑयल और गैस सेक्टर, जिसमें रिलायंस इंडस्ट्रीज शामिल है, ने इसे पीछे छोड़ दिया है। इस सेक्टर की हिस्सेदारी वर्तमान में 9.2 फीसदी है। वहीं बैंकिंग, फाइनेंशियल सर्विसेज और इंश्योरेंस (बीएफएसआई) सेक्टर का दबदबा बढ़कर 36.5 फीसदी हो गया है। यह पिछले साल 35.6 फीसदी था। वित्त वर्ष 2025-26 में आईटी शेयरों का प्रदर्शन व्यापक बाजार की तुलना में कमजोर रहा। निफ्टी आईटी इंडेक्स, जो देश की 10 प्रमुख आईटी कंपनियों के फ्री फ्लोट मार्केट कैप को ट्रैक करता है, पिछले साल मार्च से अब तक 11.4 फीसदी गिर चुका है।

सेंसेक्स की शीर्ष 10 में से छह कंपनियों का मार्केट कैप तीन लाख करोड़ से अधिक घटा

- शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर बरकरार रही

मुंबई ।

बीते सप्ताह सेंसेक्स की प्रमुख 10 कंपनियों में से छह के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में तीन लाख करोड़ रुपये से अधिक की गिरावट आई। सबसे ज्यादा नुकसान में सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र की कंपनियां टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) और इन्फोसिस रहीं। समीक्षाधीन सप्ताह में टीसीएस, इन्फोसिस, एचडीएफसी बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज, भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) और भारती एयरटेल के बाजार पूंजीकरण में गिरावट आई। वहीं भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई), बजाज फाइनेंस, लार्सन एंड टुब्रो और आईसीआईसीआई बैंक की बाजार हैसियत बढ़ गई। टीसीएस का बाजार मूल्यांकन 90,198.92 करोड़ रुपये घटकर 9,74,043.43 करोड़ रुपये रह गया। इन्फोसिस का मूल्यांकन 70,780.23 करोड़ रुपये के नुकसान के साथ 5,55,287.72 करोड़ रुपये रहा। एचडीएफसी बैंक की बाजार हैसियत 54,627.71 करोड़ रुपये घटकर 13,93,621.92 करोड़ रुपये

और रिलायंस इंडस्ट्रीज का मूल्यांकन 41,883 करोड़ रुपये घटकर 19,21,475.79 करोड़ रुपये रह गया। एलआईसी का बाजार पूंजीकरण 23,971.74 करोड़ रुपये घटकर 5,46,226.80 करोड़ रुपये और भारती एयरटेल का मूल्यांकन 19,244.61 करोड़ रुपये घटकर 11,43,044.03 करोड़ रुपये रह गया। इस रुख के विपरीत एसबीआई का मूल्यांकन 1,22,213.38 करोड़ रुपये बढ़कर 11,06,566.44 करोड़ रुपये हो गया। बजाज फाइनेंस की बाजार हैसियत 26,414.44 करोड़ रुपये बढ़कर 6,37,244.64 करोड़ रुपये हो गई। लार्सन एंड टुब्रो का मूल्यांकन 14,483.9 करोड़ रुपये बढ़कर 5,74,028.93 करोड़ रुपये हो गया।

सट्टेबाजी पर लगाम लगाने आरबीआई ने शेयर बाजार से जुड़े कर्ज नियम किए सख्त

1 अप्रैल से लागू होंगे नए निर्देश, नए नियमों का सबसे अधिक असर प्रोपायटरी ट्रेडिंग फर्मों पर पड़ेगा

नई दिल्ली ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने शेयर और कमोडिटी बाजार में बढ़ती सट्टेबाजी गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए कर्ज नियमों को कड़ा कर दिया है। केंद्रीय बैंक ने स्पष्ट किया है कि 1 अप्रैल से प्रतिभूति बाजार से जुड़े ब्रोकरों और अन्य मध्यस्थ संस्थानों को दिए जाने वाले सभी ऋण पूरी तरह सुरक्षित (कोलेटरल आधारित) होने चाहिए। अब बैंक ऐसे किसी भी कर्ज की अनुमति नहीं देंगे, जिसका उपयोग ब्रोकर अपनी खुद की प्रोपायटरी ट्रेडिंग या निवेश गतिविधियों में करें। नए नियमों का सबसे अधिक असर प्रोपायटरी ट्रेडिंग फर्मों पर पड़ सकता है। पूंजी की लागत बढ़ने और उधारी सीमित होने से उनकी लाभप्रदता पर दबाव आने की आशंका है। देश के सबसे बड़े शेयर बाजार नेशनल स्टॉक एक्सचेंज में पिछले वर्ष इक्विटी ऑप्शंस कारोबार में प्रोप फर्मों की हिस्सेदारी 50 प्रतिशत से अधिक रही, जबकि कैश इक्विटी सेगमेंट में उनकी भागीदारी करीब 30

प्रतिशत तक पहुंच गई, जो 21 वर्षों का उच्च स्तर है। विशेषज्ञों का मानना है कि पूंजी की उपलब्धता घटने से ट्रेडिंग वॉल्यूम प्रभावित हो सकता है। आरबीआई ने यह भी निर्देश दिया है कि यदि बैंक किसी ब्रोकर की ओर से प्रोप ट्रेड के लिए गारंटी देते हैं, तो वह पूरी तरह सुरक्षित होनी चाहिए। कुल जमानत में कम से कम 50 प्रतिशत नकद अनिवार्य होगा, जबकि शेष हिस्सा नकद समकक्ष या सरकारी प्रतिभूतियों के रूप में स्वीकार किया जाएगा। मार्जिन ट्रेडिंग सुविधा के तहत दिए जाने वाले ऋण भी अब केवल नकद या अत्यधिक तरल प्रतिभूतियों से सुरक्षित होंगे। यदि शेयर जमानत के रूप में पेश किए जाते हैं, तो उन पर 40 प्रतिशत की छूट (हेयरकट) लागू होगी। केंद्रीय बैंक का यह कदम वित्तीय प्रणाली में जोखिम को सीमित करने की दिशा में अहम माना जा रहा है।

वैश्विक कारकों से मिलेगी शेयर बाजार को दिशा

- सोने और चांदी के भाव में उतार-चढ़ाव भी बाजार की धारणा कर सकता है प्रभावित

मुंबई (ईएमएस)। भारतीय शेयर बाजार ने पिछले सप्ताह आईटी कंपनियों में दबाव के कारण गिरावट का सामना किया। सप्ताह की शुरुआत में हल्का उतार-चढ़ाव देखने को मिला, लेकिन शुक्रवार को बाजार में भारी गिरावट ने निवेशकों के पोर्टफोलियो पर लाल निशान छोड़ दिए। विशेषज्ञों के अनुसार यह सप्ताह किसी रोलर-कोस्टर राइड से कम नहीं था। निवेशक अब आने वाले सप्ताह की ओर अपनी नजरें लगाए हुए हैं, क्योंकि बाजार में स्थिरता की उम्मीद फिलहाल नहीं है। इस सप्ताह में निवेशक मुख्य रूप से वैश्विक संकेतों पर ध्यान देंगे। अमेरिकी फेडरल रिजर्व के मिनट्स जारी होने वाले हैं, जो ब्याज दरों और अमेरिकी अर्थव्यवस्था की स्थिति का स्पष्ट संकेत देंगे। इसके अलावा सोने और चांदी के भाव में उतार-चढ़ाव भी भारतीय बाजार की धारणा को प्रभावित कर सकता है। निवेशक इन संकेतों के आधार पर अपने निवेश निर्णयों को संशोधित कर सकते हैं। घरेलू स्तर पर इस सप्ताह

आयात-निर्यात के आंकड़े जारी होंगे। ये आंकड़े बाजार की धारणा को सीधे प्रभावित कर सकते हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि निवेशक इन आंकड़ों और वैश्विक संकेतों का विश्लेषण करके अपनी रणनीति तय करेंगे। इसके अलावा बैंकिंग, मेटल और आईटी सेक्टर पर भी इन आंकड़ों का असर देखा जा सकता है।

यूनिलीवर का भारत में कारोबार मजबूत, होम केयर खंड में बिक्री बढ़ी

नई दिल्ली ।

ब्रिटेन की बहुराष्ट्रीय उपभोक्ता सामान कंपनी यूनिलीवर ने कहा है कि अमेरिका के बाद उसका दूसरा सबसे बड़ा बाजार भारत में कारोबार की बुनियादी स्थिति में सुधार हो रहा है। कंपनी के चौथी तिमाही के नतीजों में यह बात सामने आई। यूनिलीवर ने बताया कि होम केयर खंड में 4.7 प्रतिशत की अंतर्निहित बिक्री वृद्धि और 4 प्रतिशत की बिक्री मात्रा में वृद्धि दर्ज की गई। कंपनी के अनुसार, यह वृद्धि भारत में उत्पादों की लगातार मजबूत खपत के कारण संभव हुई। कंपनी के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि होम केयर खंड में फैब्रिक वॉश और घरेलू देखभाल उत्पादों के अच्छे प्रदर्शन के दम पर भारत में बिक्री की मात्रा मध्यम एकल अंक में बढ़ी। उन्होंने यह भी बताया कि कंपनी ने अब तक की सबसे बड़ी बाजार हिस्सेदारी हासिल की। फर्नांडीस ने कहा कि वैश्विक स्तर पर अमेरिका और भारत यूनिलीवर के लिए स्पष्ट रूप से एंकर मार्केट (मुख्य आधार बाजार) हैं। यूनिलीवर के लिए भारत न केवल बिक्री में वृद्धि का स्रोत बन रहा है, बल्कि कंपनी की बाजार हिस्सेदारी बढ़ाने में भी मदद कर रहा है।

लेनोवो इंडिया का राजस्व बढ़ा, डिजिटल और एआई खंड में मजबूती

- तीसरी तिमाही में 8,145 करोड़ रुपये का राजस्व मिला

नई दिल्ली । प्रौद्योगिकी क्षेत्र की दिग्गज कंपनी लेनोवो इंडिया ने वित्त वर्ष 2025-26 की तीसरी तिमाही में अपने राजस्व में 7 फीसदी की वृद्धि दर्ज की है, जो बढ़कर 8,145 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी ने इस वृद्धि के लिए भारत में डिजिटलीकरण की गति और एआई (कृत्रिम मेधा) अपनाने को मुख्य कारण बताया है। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि यह प्रदर्शन केवल एक बार का उछाल नहीं है, बल्कि निरंतर बनी रहने वाली मांग को दर्शाता है। मोबाइल, कंप्यूटर/लैपटॉप, टैबलेट और अवसंरचना खंडों में लेनोवो के विस्तृत पोर्टफोलियो ने इस वृद्धि को बल दिया। आईडीसी के आंकड़ों के अनुसार मोटोरोला ने इस तिमाही में भारत में 8.3 फीसदी बाजार हिस्सेदारी हासिल की। इसके अलावा लेनोवो के कंप्यूटर/लैपटॉप व्यवसाय और सर्वर एवं अवसंरचना खंड ने भी सालाना दहाई अंकों में वृद्धि दर्ज की। अे धिकारी ने बताया कि भारत की वैश्विक राजस्व में हिस्सेदारी लगभग 4 फीसदी, जबकि एशिया-प्रशांत क्षेत्र में यह 24 फीसदी है। भारत केवल राजस्व केंद्र नहीं, बल्कि विनिर्माण, अनुसंधान एवं विकास और एआई प्रतिभा विकास का भी मुख्य केंद्र बन रहा है। सरकार की पीएलआई (उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन) योजना जैसी पहलें इस तंत्र को और मजबूत कर रही हैं। कंपनी का मानना है कि डिजिटलीकरण और एआई अपनाने की गति आने वाले वर्षों में व्यवसायिक विकास को और तेज करेगी।

सोना-चांदी में नई तेजी की तैयारी, निवेशकों की नजर रैली पर

एमसीएक्स पर चांदी 3.6 फीसदी बढ़ी, सोना 1,56,200 रुपए पर स्थिर

नई दिल्ली । सोने और चांदी की कीमतों में हालिया उतार-चढ़ाव के बीच बाजार में फिर से तेजी की चर्चा तेज हो गई है। शुक्रवार को एमसीएक्स पर चांदी 8,564 रुपए बढ़कर 2,44,999 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई, जबकि सोना 305 रुपए की हल्की बढ़त के साथ 1,56,200 रुपए प्रति 10 ग्राम पर आ गया। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी गिरावट के बाद रिकवरी देखने को मिली। हाजिर चांदी 2.1 फीसदी बढ़कर 77.27 डॉलर प्रति औंस और हाजिर सोना 2.33 फीसदी चढ़कर 5,063 डॉलर प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। विशेषज्ञों का मानना है कि सोने के लिए 1,50,000 रुपए प्रति 10 ग्राम का स्तर मजबूत सपोर्ट बना हुआ है। यदि कीमतें 1,60,000 रुपए के ऊपर टिकती हैं, तो 1,65,000-1,70,000 रुपए की ओर नया बुलिश मोमेंटम बन सकता है। चांदी के लिए 2,33,000-2,35,000 रुपए प्रति किलोग्राम का सपोर्ट जोन मजबूत माना जा रहा है। 2,65,000 रुपए के ऊपर ब्रेकआउट होने पर मीडियम टर्म में 2,80,000 रुपए तक तेजी की संभावना जताई जा रही है। बाजार में रिकवरी को निवेशकों की नई खरीदारी और कमजोर डॉलर संकेतों से जोड़ा जा रहा है। इसके अलावा वैश्विक संकेत, ब्याज दरों को लेकर उम्मीदें और निवेशकों की बढ़ती दिलचस्पी आने वाले दिनों में सोना-चांदी की चाल तय करने में अहम भूमिका निभा सकती हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि सपोर्ट मजबूत बने हुए हैं और यदि प्रमुख रेजिस्टेंस स्तर टूटते हैं तो बुलियन मार्केट में फिर से बुलिश ट्रेंड देखने को मिल सकता है। निवेशक अब अगली बड़ी रैली के संकेतों पर नजर बनाए हुए हैं, जिससे आने वाले हफ्तों में बाजार में नए अवसर पैदा हो सकते हैं।

विदेशी दबाव और नई फसल के बीच खाद्य तेलों के दाम में उतार-चढ़ाव

- अधिकांश तेल-तिलहन के दाम सप्ताह के अंत तक गिरावट के साथ बंद हुए

नई दिल्ली ।

विदेशी बाजारों में पिछले सप्ताह खाद्य तेलों के दाम में गिरावट रही। भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने की अफवाहों ने भी घरेलू बाजार पर दबाव डाला। अधिकांश तेल-तिलहन के दाम सप्ताह के अंत तक गिरावट के साथ बंद हुए। सरसों का दाम एमसएपी से ऊपर बना हुआ है। नई फसल मंडियों में आने को तैयार है और तेल की मात्रा भी अधिक है। तेल मिलें खरीद मूल्य कम करने का प्रयास कर रही हैं। मौसम खुलने पर आवक बढ़ने से दाम और टूटने की संभावना है। सोयाबीन की उपलब्धता कम होने के कारण तेल संयंत्र पूरी क्षमता से काम नहीं कर पा रहे। ब्राजील में अच्छी फसल और आगे के सौदे दामों को 8-10 रुपये/किलो नीचे धकेल रहे हैं। परिणामस्वरूप सोयाबीन तेल के दाम में भी गिरावट रही। मूंगफली की मांग अधिक और उपलब्धता कम रहने से दाम में मजबूती बनी रही। जाड़े और कम मांग के कारण पाम और पामोलीन तेल के दाम गिरावट के साथ बंद हुए। सरकार ने आयात शुल्क भी बढ़ाया है, जिससे बाजार में संतुलन बनाने की कोशिश की जा रही है।

सूत्रों ने बताया कि बीते सप्ताह सरसों दाना 40 रुपये की गिरावट के साथ 6,910-6,935 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। दादरी मंडी में बिकने वाला सरसों तेल 50 रुपये की गिरावट के साथ 14,200 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल का भाव क्रमशः 10-10 रुपये की गिरावट के साथ क्रमशः 2,390-2,490 रुपये और 2,390-2,535 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुए। समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाने और सोयाबीन लूज के थोक भाव क्रमशः 250-250 रुपये की गिरावट के साथ क्रमशः 5,350-5,400 रुपये और 4,950-5,000 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुए। इसी प्रकार दिल्ली में सोयाबीन तेल 250 रुपये की गिरावट के साथ 14,350 रुपये प्रति क्विंटल, इंदौर में सोयाबीन तेल 250 रुपये की गिरावट के साथ 13,950 रुपये और सोयाबीन डीगम तेल का दाम 300 रुपये की गिरावट के साथ 11,200 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। उन्होंने कहा कि बाजार के आम रुख के उलट, जाड़े में साबुत खाने और अच्छी गुणवत्ता के खाद्य तेल की मांग बढ़ने से अकेले मूंगफली तेल-तिलहन की कीमतों में सुधार देखा गया। मूंगफली तिलहन 125 रुपये सुधरकर 7,125-7,500 रुपये क्विंटल, मूंगफली तेल गुजरात 400 रुपये के सुधार के साथ 17,500 रुपये क्विंटल और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल 50 रुपये के सुधार के साथ 2,775-3,075 रुपये प्रति टिन पर बंद हुआ। बीते सप्ताह में सीपीओ तेल का दाम 175 रुपये की गिरावट के साथ 11,725 रुपये प्रति क्विंटल, पामोलीन दिल्ली का भाव 200 रुपये की गिरावट के साथ 13,625 रुपये प्रति क्विंटल तथा पामोलीन एक्स कांडला तेल का भाव 200 रुपये की गिरावट के साथ 12,525 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।गिरावट के आम रुख के बीच, समीक्षाधीन सप्ताह में बिनौला तेल का दाम भी 250 रुपये की गिरावट के साथ 13,050 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

बेजेल इंटरनेशनल दे रही है पहली बार बोनस शेयर

मुंबई । बेजेल इंटरनेशनल` लिमिटेड ने घोषणा की है कि वह अपने निवेशकों को पहली बार बोनस शेयर देगी। कंपनी ने तय किया है कि हर शेयरधारी को 1द्द1 रेशियो में बोनस शेयर मिलेगा। इसके लिए रिकॉर्ड डेट 18 फरवरी 2026 रखी गई है। यानी इस दिन जिन निवेशकों के नाम कंपनी की रिकॉर्ड बुक में होंगे, उन्हें ही बोनस शेयर का लाभ मिलेगा। पिछले दो हफ्तों में बेजेल इंटरनेशनल लिमिटेड के शेयरों में 17.59 फीसदी की तेजी आई है। हालांकि, एक साल में निवेशकों को 21 फीसदी का नुकसान हुआ है। कंपनी का 52-सप्ताह का हाई 94.55 और लो 50.05 रुपए है। बेजेल ने लंबी अवधि में शानदार प्रदर्शन दिखाया है। दो साल में 88 फीसदी, तीन साल में 79 फीसदी और पांच साल में 492 फीसदी का रिटर्न निवेशकों को मिला है। कंपनी का मार्केट कैप 18.35 करोड़ रुपए है। दिसंबर 2025 तक प्रमोटर्स के पास 0.08 फीसदी हिस्सेदारी थी, जबकि पब्लिक के पास 94.26 फीसदी शेयर थे।

इंफोसिस ने दिसंबर तिमाही में औसतन 85 फीसदी बोनस का ऐलान किया

नई दिल्ली । देश की प्रमुख आईटी कंपनी इंफोसिस ने दिसंबर तिमाही के लिए कर्मचारियों को औसतन 85 प्रतिशत प्रदर्शन बोनस देने की घोषणा की है। व्यक्तिगत स्तर पर बोनस 75 से 100 फीसदी तक दिया गया। कुछ कर्मचारियों को पिछले क्वार्टर से करीब 15 फीसदी अधिक राशि मिली है। यह वित्त वर्ष 2025-26 का अब तक का सबसे अधिक बोनस माना जा रहा है। जनवरी में जारी तीसरी तिमाही के नतीजों के अनुसार, स्थिर मांग और बड़े डील्स ने कारोबार को मजबूती दी। इसी सकारात्मक प्रदर्शन के चलते इस बार वेरिएबल पे पहले की तुलना में बेहतर है। इंफोसिस में करीब 3.23 लाख कर्मचारी हैं। कंपनी ने नवंबर 2024 से अक्टूबर 2025 तक वार्षिक मूल्यांकन पूरा किया और दिसंबर में व्यक्तिगत रेटिंग जारी की। आईटी सेक्टर में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के तेजी से विकास के बीच यह बेहतर बोनस कर्मचारियों के मनोबल और विश्वास को मजबूत करने वाला कदम माना जा रहा है। कर्मचारी अब सालाना वेतन वृद्धि की घोषणा पर ध्यान केंद्रित किए हुए हैं, पिछले साल अधिकतर कर्मचारियों को 5-8 फीसदी वृद्धि मिली थी।

हीरो मोटोकॉर्प का स्कूटर, प्रीमियम बाइक और ईवी पर फोकस

- चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में 16.97 लाख मोटरसाइकिल और स्कूटर बेचे गए

नई दिल्ली ।

देश की सबसे बड़ी दोपहिया वाहन निर्माता कंपनी हीरो मोटोकॉर्प अब उन क्षेत्रों में अपनी मौजूदगी बढ़ाने पर ध्यान दे रही है, जहां इसकी हिस्सेदारी अभी कम है। कंपनी के एक अे धिकारी ने कहा कि स्कूटर, प्रीमियम मोटरसाइकिल और इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) में विस्तार की बड़ी संभावना है। उनका कहना था कि तेजी से बढ़ते इन सेगमेंट में अवसरों का पूरा फायदा उठाना कंपनी की प्राथमिकता है। हीरो मोटोकॉर्प अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भी अपने कदम मजबूत करने का इरादा रखती है। इसके अलावा, कलपुर्ज़ और एक्सेसरीज (स्पेयर पार्ट्स और सहायक उपकरण) के कारोबार में विस्तार कर कंपनी अपने राजस्व के नए स्रोत खोज रही है। दिसंबर तिमाही में कंपनी ने 12,487 करोड़ रुपये का राजस्व और 1,275 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया। चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में 16.97 लाख मोटरसाइकिल और स्कूटर बेचे गए, जो पिछले साल इसी अवधि की 14.64 लाख इकाई की तुलना में 16 प्रतिशत अधिक है। अे धिकारी ने बताया कि कंपनी अपनी आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत और लचीला बनाए रखने पर फोकस कर रही है। उन्होंने कहा कि कलपुर्ज़ की कमी और भू-राजनीतिक चुनौतियां पूरी तरह समाप्त

नहीं हुई हैं, लेकिन कंपनी इन परिस्थितियों से अच्छी तरह निपट रही है। हीरो मोटोकॉर्प प्रीमियम स्कूटर, ईवी पोर्टफोलियो और 'हीरो 2.0' व 'प्रीमिया' के माध्यम से ग्राहक सेवा में सुधार और निवेश जारी रखेगी। कंपनी की रणनीति स्पष्ट है- सिर्फ बिक्री बढ़ाना ही नहीं, बल्कि उच्च-मूल्य वाले सेगमेंट और वैश्विक विस्तार में भी अपनी पकड़ मजबूत करना।

सुप्रीम कोर्ट की रेरा पर सख्ती, रियल एस्टेट सेक्टर में बढ़ेगी जवाबदेही

- निवेशक और खरीदार जिम्मेदार और संगठित कंपनियों की ओर आकर्षित होंगे

नई दिल्ली ।

सुप्रीम कोर्ट ने रियल एस्टेट रेगुलेटरी अथॉरिटी (रेरा) के कामकाज पर गंभीर टिप्पणी की है। अदालत ने कहा कि कई राज्यों में प्राधिकरण डिफॉल्टर बिल्डर्स को राहत देते दिख रहे हैं, जबकि उनका मुख्य उद्देश्य खरीदारों के हितों की सुरक्षा करना है। कोर्ट ने यह भी संकेत दिया कि यदि प्राधिकरण प्रभावी ढंग से कार्य नहीं करते, तो रेरा के अस्तित्व पर पुनर्विचार आवश्यक हो सकता है। कानूनी विशेषज्ञों का कहना है कि अब केवल कानून का होना पर्याप्त नहीं है; उसका ईमानदार और कड़ा प्रवर्तन जरूरी है। राज्यों के रेरा प्राधिकरणों को परियोजनाओं की समयसीमा की निगरानी, एस्क्रो खातों का पारदर्शी उपयोग और लंबित शिकायतों का शीघ्र निपटारा सुनिश्चित करना होगा। इससे खरीदारों का भरोसा बढ़ेगा और बाजार में पारदर्शिता आएगी। सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी के बाद रेरा प्राधिकरणों पर दबाव बढ़ेगा कि शिकायतों का निपटारा तेजी और पारदर्शिता के साथ करें। इससे घर खरीदारों के अधिकार सुरक्षित होंगे और उनकी उम्मीदों पर खरी उतरी जाएगी। विश्लेषकों के अनुसार, सख्त प्रवर्तन छोटे या कमजोर डेवलपर्स के लिए मुश्किलें बढ़ा सकता है।

राजीव नगर-आनंदपुरी के लोगों की परेशानी जल्द होगी खत्म, सीएम नीतीश ने अधिकारियों को क्या निर्देश

पटना । मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि मैंने निर्देश दिया था कि इन नालों को ठीक करते हुए इसके ऊपर सड़क निर्माण कराने का निर्देश दिया था, ताकि लोगों को आवागमन में सुविधा हो। इससे राजीव नगर, आनंदपुरी इलाके के कई लोगों को जाम से राहत मिलेगी। पटना के राजीव नगर और आनंद पुरी इलाके के लोग कई साल से नाला को ढंकने की मांग कर रहे थे। सीएम नीतीश कुमार ने पिछले साल फरवरी में उनकी इस मांग को पूरा कर दिया और नाला को ढंक कर उसके ऊपर सड़क बनाने का निर्देश दिया था। एक साल बीत गए लेकिन अब तक निर्माण कार्य करीब 20 फीसदी तक ही पूरा हो पाया है। इसलिए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आज आशियाना दीघा रोड में राजीव नगर के पास बनाये जा रहे कुर्जी नाला (राजीव नगर नाला) निर्माण योजना का निरीक्षण किया साथ ही आनंदपुरी नाला का भी निरीक्षण किया। सीएम नीतीश कुमार ने क्या कहा सुनिए मुख्यमंत्री ने कहा कि इस नाला निर्माण योजना के अंतर्गत नाले का पक्कीकरण कर इसके ऊपर सड़क का निर्माण किया जा रहा है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि इन कार्यों को तेजी से पूर्ण करें। इन योजनाओं के पूर्ण होने पर जलजमाव की समस्या से निजात मिलेगी एवं नाले के ऊपर टू-लेन सड़क निर्माण से लोगों को सुगम यातायात की सुविधा उपलब्ध होगी। शहर भी साफ-सुथरा और व्यवस्थित दिखेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रगति यात्रा के दौरान हमने 21 फरवरी, 2025 को पटना जिले के विकास कार्यों का जायजा लिया था और उस दौरान जिले की कई विकास योजनाओं की घोषणाएं की थी। उसी समय मैंने आनन्दपुरी नाला तथा कुर्जी नाला (राजीव नगर नाला) का निरीक्षण किया था जिसमें काफी संख्या में स्थानीय लोग भी उपस्थित थे। 4.26 किलोमीटर की सड़क बनेगी राजीव नगर नाला पर बता दें कि राजीव नगर नाला पटना शहर के जल निकासी के लिए एक महत्वपूर्ण नाला है। इसकी लंबाई 4.26 किलोमीटर है जो दीघा आशियाना रोड से प्रारंभ होकर कुर्जी ड्रेनेज पम्पिंग स्टेशन पर समाप्त होता है। राजीव नगर नाले का पक्कीकरण एवं इसके ऊपर सड़क निर्माण किया जा रहा है। वहीं आनन्दपुरी नाला पटना शहर के जल निकासी हेतु एक महत्वपूर्ण नाला है। इसकी लंबाई लगभग चार किलोमीटर है जो बाबा चौक से शुरू होकर अटल पथ एवं एएन कॉलेज के पास से राजापुर पुल ड्रेनेज पम्पिंग स्टेशन पर समाप्त होता है। आनन्दपुरी नाले का पक्कीकरण एवं इसके ऊपर सड़क निर्माण किया जा रहा है।

लंबी कतारें, घंटों इंतजार से मरीजों की बढ़ी परेशानी, दूरदराज वालों पर बढ़ा आर्थिक बोझ

पटना । पटना मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (पीएमसीएच) में अब कई महत्वपूर्ण रक्त जांचें सप्ताह में केवल तीन दिन- सोमवार, बुधवार और शुक्रवार को ही की जाएंगी। राजेंद्र सर्जिकल वार्ड स्थित पैथोलॉजी विभाग में इस संबंध में एक सूचना चस्पा कर मरीजों और उनके परिजनों को सूचित किया गया है। इस निर्णय से बड़ी संख्या में मरीजों को इलाज में देरी और अतिरिक्त आर्थिक बोझ का सामना करना पड़ रहा है। यह समस्या विशेष रूप से उन मरीजों के लिए अधिक है जो दूर-दराज के ग्रामीण क्षेत्रों से इलाज के लिए पीएमसीएच पहुंचते हैं। अस्पताल द्वारा जारी सूचना के अनुसार, एफटी-3, एफटी-4, टी-3, टी-4, टीएसएच, विटामिन-डी, विटामिन बी-12, एंटी-सीसीपी, प्रोलैक्टिन और पीएसए (फ्री व टोटल) जैसी जांचें अब केवल इन्हीं निर्धारित तीन दिनों में होंगी। पहले ये जांचें सप्ताह में अधिक दिनों तक उपलब्ध थीं। पीएमसीएच में प्रतिदिन बड़ी संख्या में मरीज आते हैं और चिकित्सकों द्वारा इन जांचों की सलाह नियमित रूप से दी जाती है। ऐसे में तय दिनों के अलावा आने वाले मरीजों को अगली तिथि तक इंतजार करना पड़ रहा है, जिससे उपचार की प्रक्रिया प्रभावित हो रही है। मरीजों और उनके परिजनों का कहना है कि सीमित दिनों में जांच होने से लंबी कतारें लग रही हैं और सैंपल देने में घंटों इंतजार करना पड़ता है। ग्रामीण और दूर-दराज के जिलों से आने वाले मरीजों को दोबारा अस्पताल आना पड़ रहा है, जिससे उनका यात्रा खर्च बढ़ रहा है। इससे आर्थिक परेशानियां बढ़ गई हैं। ठहरने की व्यवस्था पर अतिरिक्त खर्च हो रहा है और दिहाड़ी मजदूरों की आमदनी भी प्रभावित हो रही है। कई मामलों में जांच रिपोर्ट में देरी के कारण उपचार शुरू होने में भी विलंब हो रहा है। अस्पताल सूत्रों के अनुसार मरीजों की लगातार बढ़ती संख्या और उपलब्ध संसाधनों पर दबाव के कारण जांच की समय-सारिणी सीमित करनी पड़ी है। पीएमसीएच में पुनर्निर्माण के बाद बेड क्षमता और सुविधाओं में विस्तार की प्रक्रिया जारी है, लेकिन डॉक्टरों और फैकल्टी की कमी अब भी बड़ी चुनौती बनी हुई है।

पटना में टीम इंडिया की जीत के लिए पूजा-अर्चना, पोस्टर में खिलाड़ियों को महादेव के रूप में दिखाया

पटना । आज टी-20 वर्ल्ड कप में भारत-पाकिस्तान का मुकाबला है। पटना में टीम इंडिया के जीत को लेकर पूजा-अर्चना किया जा रहा है। पूजा अर्चना कर यह कामना की जा रही है कि आज के मुकाबले में भारत को जीत मिले। दूसरी ओर खिलाड़ियों की तस्वीर के साथ हवन भी किया जा रहा है। इंडिया टीम के सारे खिलाड़ियों को पोस्टर में महादेव के रूप में दिखाया गया है। सभी खिलाड़ियों को आरती दिखाई जा रही है, शंखनाद किया जा रहा है। क्रिकेट प्रेमियों में काफी उत्साह देखने को मिल रहा है। टीम इंडिया के खिलाड़ियों को पोस्टर में महादेव के रूप में दिखाया गया। टीम इंडिया के खिलाड़ियों को पोस्टर में महादेव के रूप में दिखाया गया। शाम 7 बजे होगा शुरू होगा मैच कोलंबो के आर प्रेमदासा स्टेडियम में दोनों पड़ोसी शाम 7 बजे से एक-दूसरे के सामने होंगे। टॉस शाम 6.30 बजे होगा। हालांकि, कोलंबो में बारिश हो रही है। रविवार को भी दिन में बारिश का अनुमान है। हालांकि, मैच के टाइम में बारिश की आशंका 10% के आसपास ही है। भारत 2007 और 2024 में टी-20 वर्ल्ड कप जीत चुका है, टीम ने अपना पहला टाइटल पाकिस्तान को फाइनल हराकर ही जीता था। दूसरी ओर पाकिस्तान 2009 का चैंपियन है, टीम 2007 और 2022 में रनर-अप रह चुकी है। टीम इंडिया के सामने सबसे बड़ी चुनौती श्रीलंकाई पिच पर उस्मान तारिक की गेंदबाजी होगी। तारिक का रुक कर गेंदबाजी करना, स्पीड वेरिएशन और एंगल भारतीय बैटर्स के लिए बड़ी चुनौती है। भारतः अभिषेक शर्मा, ईशान किशन, तिलक वर्मा, सूर्यकुमार यादव (कप्तान), हार्दिक पंड्या, शिवम दुबे, वॉशिंगटन सुंदर, अक्षर पटेल, अर्शदीप सिंह/कुलदीप यादव, वरुण चक्रवर्ती, जसप्रीत बुमराह। पाकिस्तानः साहिबजादा फरहान, सईम अयूब, सलमान अली आगा (कप्तान), बाबर आजम, उस्मान खान (विकेटकीपर), शादाब खान, मोहम्मद नवाज, फहीम अशरफ, शाहीन अफरीदी, उस्मान तारिक, अबरार अहमद। क्या पाकिस्तान से हाथ मिलाएगी टीम इंडिया? इस मैच में देखना दिलचस्प होगा कि टीम इंडिया के खिलाड़ी पाकिस्तानियों से हाथ मिलाते हैं या नहीं? पिछले साल सितंबर में दुबई में एशिया कप के दौरान भारतीय टीम ने पाकिस्तान खिलाड़ियों से हाथ नहीं मिलाया था। यह फैसला पहलगाम में आतंकी हमले के विरोध में लिया गया था। फिर एशिया कप जीतने के बाद भी भारतीय टीम ने ढउइ चीफ मोहसिन नकवी से ट्रॉफी नहीं ली थी। उसके बाद दोनों टीमें पहली बार आमने-सामने हैं।

पटना में दिनदहाड़े दो युवकों को अपराधियों ने मारी गोली, दोनों घायल; लोगों में आक्रोश

पटना । महाशिवरात्रि को लेकर पटना पुलिस की टीम मंदिर और गली-मोहल्ले की निरागनी कर रही है। इसके बावजूद दिनदहाड़े अपराधियों ने दो युवकों की गोली मार दी। घटना के बाद इलाके में दहशत का महौल है। महाशिवरात्रि के दिन रविवार को राजधानी पटना में बेखौफ अपराधियों ने दिनदहाड़े गोलीबारी कर दहशत फैला दी। घटना रामकृष्ण नगर थाना क्षेत्र के शिवाजी चौक के पास की है, जहां चाय पीने आए दो युवकों को अज्ञात बदमाशों ने निशाना बनाते हुए गोली मार दी। गोली लगते ही इलाके में हड़कंप मच गया। स्थानीय लोगों की मदद से दोनों घायलों को तत्काल एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज जारी है। घटना के बाद घायल युवकों के परिजनों में आक्रोश है। उनका कहना है कि महाशिवरात्रि के दिन पुलिस टीम हर जगह तैनात दिख रही है। लेकिन, अपराधियों में उनका खौफ खत्म हो गया। वह आराम से गोलीबारी कर निकल और पुलिस उन्हें पकड़ नहीं पाई। इधर, गोलीबारी की सूचना मिलते ही रामकृष्ण नगर थाना पुलिस के साथ सदर एसडीपीओ-2 मौके पर पहुंचे और जांच शुरू की। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है, ताकि अपराधियों की पहचान सुनिश्चित की जा सके। प्रारंभिक जांच में आपसी रंजिश समेत अन्य पहलुओं पर भी पड़ताल की जा रही है। घटना के बाद क्षेत्र में पुलिस गश्त बढ़ा दी गई है। रामकृष्ण नगर थाना प्रभारी ने बताया कि घायल युवकों की पहचान बिट्टू कुमार और पिंटू कुमार के रूप में हुई है। दोनों आपस में दोस्त हैं। सदर एसडीपीओ 2 रंजन कुमार ने बताया कि दोनों युवक रविवार को स्कॉर्पियो से शेखपुरा से रामकृष्ण नगर पहुंचे थे। इसी दौरान कुछ अपराधी वहां आए और दोनों पर ताबड़तोड़ गोलियां चला दीं। गोली लगने से दोनों घायल हो गए। एसडीपीओ बोले- गोली चलाने वालों की पहचान कर ली गई है सदर एसडीपीओ 2 रंजन कुमार ने बताया कि गोली चलाने वाले आरोपियों की पहचान अरमान और दारुल के रूप में की गई है। उनकी गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। पुलिस घटनास्थल पर मौजूद लोगों से पूछताछ कर रही है और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आगे की कार्रवाई में जुटी है।

जेल से कराई 4 बड़ी लूट; टारगेट था हाजीपुर का ज्वेलर्स, सोने के पैसे से मॉल बनवाया

पटना । सुबोध सिंह। ऐसा कुख्यात नाम, जिसे सुनकर बड़े-बड़े ज्वेलर्स डर जाते हैं। उसने 10 साल में 400" से अधिक सोने के गहने लूटे हैं। जेल में रहकर अपना गैंग चलाता है, जिसमें 132 अपराधी हैं। 14 महीने में 4 बड़े लूटकांड कराए। अगला टारगेट हाजीपुर का एक ब्रांडेड बड़ा ज्वेलर्स का शोरूम था। हथियारों के बल पर दिनदहाड़े करोड़ों रुपए का सोना लूटने की तैयारी थी। 10 फरवरी से पहले वारदात को अंजाम देना था, लेकिन गनीमत रही कि पहले ही पुलिस को भनक लग गई। इसका नतीजा 6 फरवरी को हाजीपुर में एनकाउंटर के रूप में देखने को मिला। बिहार रळऋ और वैशाली पुलिस ने जॉइंट ऑपरेशन चलाया। आधे घंटे तक पुलिस और अपराधियों के बीच ताबड़तोड़ गोलियां चली। इसमें 2 लाख के इनामी और कुख्यात सोना लुटेरा प्रिंस उर्फ अभिजीत उर्फ चश्मा को मार गिराया गया। उसका साथी त्रिलोकी उर्फ रिशु गिरफ्तार हुआ। दोनों अपराधी कुख्यात सोना लुटेरा सुबोध गैंग के गुर्गे थे। आखिर कौन है सुबोध सिंह, जो कई राज्यों में सोना लूटने की बड़ी वारदातों का मास्टरमाइंड है। उसने कैसे अपना 132 अपराधियों का बड़ा गैंग खड़ा किया? कैसे 14 महीने में सोना लूट की 4 बड़ी वारदातें कराई? जानिए, संडे बिग स्टोरी मेंङ्क। पुलिस और एसटीएफ से मिली जानकारी के मुताबिक, हाजीपुर में एक बड़े ज्वेलर्स के आउटलेट पर डकैती की साजिश सुबोध सिंह ने जेल में बैठकर रची थी। बिहार का रहने वाला सुबोध फिलहाल राजस्थान की जेल में बंद है। वह देश के बड़े और कुख्यात सोना लुटेरों में से एक है। उसे उदयपुर पुलिस दूसरे केस के सिलसिले में ओडिशा की जेल से रिमांड पर ले गई है।

बचाने निकली एंबुलेंस बनी जानलेवा! नशे में चालक ने वृद्ध महिला को मारी टक्कर

तिरहुत-मुजफ्फरपुर। शिवहरझ सीतामढ़ी राष्ट्रीय राजमार्ग दो सौ सात पर रविवार सुबह नशे में एंबुलेंस चला रहे चालक ने एक वृद्ध महिला को टक्कर मार दी, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। शिवहरझसीतामढ़ी राष्ट्रीय राजमार्ग दो सौ सात पर रविवार की अहले सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ, जिसने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया। शराब के नशे में एंबुलेंस चला रहे चालक ने देकुली धाम की ओर जाते समय रसीदपुर में एक वृद्ध महिला को ठोकर मार दी। इस हादसे में महिला की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई और स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश देखा गया। जानकारी के अनुसार, एंबुलेंस संख्या एक सौ दो शिवहर से ड्यूटी पर देकुली धाम की ओर जा रही थी। इसी दौरान रसीदपुर वार्ड संख्या चार, नगर परिषद शिवहर निवासी स्वर्गीय सुरेश राय की लगभग साठ वर्षीय पत्नी हृदय देवी सड़क किनारे खड़ी थीं। तेज रफ्तार और चालक का संतुलन बिगड़ने के कारण एंबुलेंस ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। हादसे के बाद स्थानीय ग्रामीणों की मदद से घायल महिला को तुरंत सरोजा सीताराम सदर अस्पताल ले जाया गया। वहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। महिला की मौत की खबर मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया और घटनास्थल पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। घटना के बाद आक्रोशित लोगों ने एंबुलेंस चालक को घेर लिया। सूचना मिलने पर शिवहर थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को संभालते हुए चालक को हिरासत में ले लिया। पूर्व वार्ड पार्षद दुर्योधन राय ने बताया कि एंबुलेंस काफी तेज गति में थी। चालक का संतुलन बिगड़ने के कारण यह हादसा हुआ। शुरूआत में महिला को घायल समझकर अस्पताल लाया गया था, लेकिन बाद में उनकी मौत की पुष्टि हुई। हैरान करने वाली बात यह रही कि एंबुलेंस चालक सुभाष चंद्र सिंह, जो अंबा का निवासी बताया जा रहा है, ने खुद स्वीकार किया कि उसने शराब का एक पैक पी रखा था। इस स्वीकारोक्ति के बाद मामला और गंभीर हो गया। स्थानीय लोगों का कहना है कि जीवन रक्षक सेवा में तैनात चालक का नशे में होना बेहद गंभीर लापरवाही है। लोगों ने दोषी चालक के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है और कानून के अनुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।

पटना के 451 उपभोक्ताओं से 4.75 करोड़ की ठगी

पटना । पटना बिजली उपभोक्ताओं का डाटा रोज साइबर अपराधियों तक पहुंच रहा है। लोग दिन में बिजली कनेक्शन या स्मार्ट मीटर के लिए आवेदन देते हैं और शाम होते-होते उनके पास साइबर अपराधियों का फोन आ जाता है। शाम तक फोन नहीं आया तो दूसरे दिन तो निश्चित ही साइबर अपराधी फोन कर ठगी का प्रयास करते हैं। सतर्क उपभोक्ता तो बच जाते हैं, लेकिन अधिकतर ठगे जाते हैं। बिजली के नाम पर ठगी के मामले में पटना पहले और सारण जिला दूसरे स्थान पर है। पुलिस मुख्यालय में तैनात एक डीआईजी ने हाल में स्मार्ट मीटर के लिए आवेदन दिया। एक बिजली कर्मी ने उनसे कहा-सर, सतर्क रहिएगा। साइबर फ्रॉड का कॉल आ सकता है। शाम होते ही कॉल आ भी गया। वह खुद को बिजली अधिकारी बता रहा था। इंटैक के बिहार चैप्टर के सह संयोजक शिव कुमार मिश्रा ने बिजली कनेक्शन के लिए आवेदन दिया। दूसरे दिन ही उनसे ठगी का प्रयास हो गया। भागलपुर के रहने वाले अनिरुद्ध ठाकुर ने बिजली बिल में गड़बड़ी की शिकायत की थी। दूसरे ही दिन उनके पास शातिर ने फोन किया। कहा कि आपका बिजली बिल बकाया है। उन्होंने भरोसा कर लिया। इसके बाद उनसे शातिर ने 9.54 लाख की ठगी कर ली। मामला अक्टूबर 2023 का है। ऐसे सैकड़ों केस रोज पुलिस के पास पहुंच रहे हैं। बीते दो साल में पटना के 451 बिजली उपभोक्ताओं से साइबर अपराधियों ने 4.75 करोड़ की ठगी की है। वहीं राज्य के 653 बिजली उपभोक्ताओं से 9.61 करोड़ की ठगी की है। ये आंकड़े 2023 से 2025 तक के हैं।

पवन सिंह की पत्नी के सपोर्ट में आई एक्ट्रेस अक्षरा; तेजप्रताप को बताया क्यूट

पटना । पटना भोजपुर स्टार पवन सिंह और उनकी पत्नी ज्योति सिंह के बीच तलाक का केस चल रहा है। ज्योति सिंह ने कहा है कि पवन मेरे साथ नहीं रहना चाहते हैं तो मुझे 10 करोड़ रुपए मेंटेनेंस के रूप में दें। इस मामले में अब भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्री की मशहूर अभिनेत्री अक्षरा सिंह ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। अक्षरा सिंह का कहना है कि कोई अगर शादी करता है तो उसको जिम्मेदारी निभानी चाहिए। जो डिमांड है उसे पूरा करना चाहिए। चाहे वो रुपए को लेकर ही क्यों न हो। आपका दायित्व है 10 करोड़, 20 करोड़ या फिर 100 करोड़ भी मांगे तो देना चाहिए। अक्षरा सिंह ने ये बातें पटना एयरपोर्ट पर कहीं है। अक्षरा सिंह ने जेजेडी के चीफ और लालू यादव के बेटे तेजप्रताप को क्यूट इंसान कहा। अक्षरा सिंह ने इससे पहले भी ज्योति सिंह का सपोर्ट किया था। बिहार विधानसभा चुनाव के दौरान ज्योति सिंह काराकाट से निर्दलीय चुनाव लड़ीं थी। इस दौरान अक्षरा ने कहा था कि, अच्छी बात है कि ज्योति सिंह चुनाव लड़ रही हैं। एक महिला होकर मैं बहुत ही ज्यादा अच्छा चाहती हूं। आज वो जो कुछ भी कर रही हैं अपने बलबूते कर रही हैं। कोई किसी कि जर्नी नहीं देखने गया है। कौन किस पड़ाव से गुजर रहा है और अपने जीवन में किस तरीके से जूझ रहा है। यह आप और हम तय नहीं कर सकते और ना हमें आकलन करने का हक है। वहीं, राजपाल यादव को लेकर अक्षरा सिंह ने कहा कि राजपाल यादव के लिए हर कलाकार दुखी है, हर कलाकार को आगे आकर मदद करना चाहिए। तेज प्रताप यादव ने उनकी मदद की है, उन्हें 11 लख रुपए दी है। इसपर उन्होंने कहा कि तेजप्रताप जी का बहुत-बहुत ध्यानवाद,वो बहुत प्यारे इंसान हैं। तेज प्रताप इन दिनों विवादों में है ऐसा कहा जा रहा है कि उनको बेटी हुई है, उसे पर अक्षरा सिंह ने कहा कि कौन क्या कह रहा है, मुझे इन विवादों के बारे में नहीं पता है। कुछ तो लोग कहेंगे, लोगों का काम है कहना। कौन क्या बोल रहा है, इसमें समय नहीं बर्बाद नहीं करना चाहती।

महाशिवरात्रि पर गाड़ीवान बने केंद्रीय मंत्री नित्यानंद राय

तिरहुत-मुजफ्फरपुर। महाशिवरात्रि पर वैशाली जिले के हाजीपुर में पातालेश्वरनाथ मंदिर से निकली भव्य शिव बारात में लाखों श्रद्धालु शामिल हुए। सड़कों से लेकर घरों की छतों तक भक्तों की भीड़ उमड़ पड़ी। वैशाली जिला के हाजीपुर में हर-हर शंभू और शिव-महादेवा शंभू के जयघोष के बीच लाखों की संख्या में श्रद्धालु शिवमय हो गए। शहर में जिधर देखिए उधर सिर्फ शिवभक्त ही नजर आ रहे थे। सड़कों पर इतनी भीड़ थी कि चींटी चलने की भी जगह नहीं थी। घरों की छतों पर भी बड़ी संख्या में लोग शिव बारात देखने को उत्साहित दिखे। रविवार सुबह 9 बजे नगर के महादेव पातालेश्वरनाथ मंदिर से शिव बारात निकली, जो देर रात तक अक्षयवट राय स्टेडियम पहुंचेगी। शहर और गांवों से 8 से 10 लाख श्रद्धालु बारात देखने पहुंचे। बारात में शामिल झांकियों और बैंड दलों को स्टेडियम में पुरस्कृत किया गया। शिवभक्तों की अपार भीड़ के कारण 10 घंटे से अधिक समय तक शहर की रफ्तार थमी रही। श्रद्धालु लगातार बाबा भोलेनाथ के जयकारे लगाते रहे। हर-हर महादेव के जयघोष से बाबा की नगरी हरिहरक्षेत्र गूंज उठी। हाजीपुर की शिव बारात की बात ही अलग है। सैकड़ों झांकियां, लाखों की भीड़, ढोल-नगाड़े और उड़ता गुलाल इस बारात की खास पहचान है। पुराणों में वर्णित शिव बारात की झलक यहां साफ दिखाई देती है। हाथी-घोड़े, बैंड-बाजे, ढोल-मंजीरे और भूत-पिशाचों की टोली भी बारात के साथ चलती है। 35 वर्षों से परंपरा निभा रहे नित्यानंद राय बारात की अगुवाई केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय करते हैं। सबसे आगे सजी हुई बैलगाड़ी पर शिव-पार्वती की पालकी लेकर वह गाड़ीवान बन पूरे शहर में चलते हैं। करीब 35 वर्षों से वह इस परंपरा से जुड़े हैं। विधायक, सांसद और मंत्री बनने के बाद भी उन्होंने यह स्वरूप नहीं छोड़ा। क्या बोले केंद्रीय मंत्री नित्यानंद राय ने कहा कि वह 35 वर्षों से बाबा के गाड़ीवाहक बने हुए हैं।

पटना यूनिवर्सिटी छात्र संघ चुनाव

पटना । उन्होंने कहा कि महिला कॉलेजों या अन्य संस्थानों में भीड़ या पैनिक की स्थिति होने पर प्रत्याशी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। इसके अलावा पोस्टर, होर्डिंग और प्रतिबंधित प्रचार माध्यमों पर रोक रहेगी। पोलिंग बूथों की भी संख्या बढ़ाकर 41 कर दी गई है। चुनाव प्रत्याशियों की अंतिम लिस्ट 21 फरवरी को प्रकाशित की जाएगी। प्रो शंकर कुमार की तरफ से जारी आदेश के अनुसार 21 से 26 फरवरी की शाम 5 बजे तक प्रत्याशी चुनाव प्रचार कर सकते हैं। सभी प्रत्याशी ज्यादा से ज्यादा 5 समर्थकों के साथ यूनिवर्सिटी के अलग-अलग संस्थानों में प्रचार-प्रसार कर सकेंगे। इस दौरान सभी को आईडी कार्ड साथ रखना अनिवार्य होगा। छात्र संघ चुनाव में किसी असमाजिक तत्वों का प्रवेश ना हो इसे लेकर एक नियम लागू किया गया है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने सभी कॉलेजों को निर्देशित किया है कि चुनाव संपन्न होते तक किसी बाहरी व्यक्ति को कैंपस में प्रवेश नहीं दिया जाएगा।

शादी के बंधन में बंधेंगे ईशान किशन

पटना । भारत और पाकिस्तान के बीच आज टी 20 का मुकाबला है। मैच के पहले टीम इंडिया के ओपनर और बिहार के रहने वाले ईशान किशन चर्चा में आ गए हैं। इस बार ईशान किशन की चर्चा बल्लेबाजी को लेकर नहीं उनकी गर्लफ्रेंड को लेकर हो रही है। दरअसल, ईशान के दादा ने उनकी गर्लफ्रेंड का नाम बताया है। जिसके बाद ईशान के मॉडल के साथ अफेयर की पुष्टि हो गई है। ईशान के दादा का वीडियो सामने आया है। ईशान के दादा ने एक इंटरव्यू में बताया, ह्लईशान जिससे भी शादी करेगा मुझे स्वीकार है। उसके बड़े भाई ने कहा था कि पल्लवी से शादी करेंगे तो हमने शादी करवा दी। अब इसकी भी करवा देंगे। अदिति उसकी गर्लफ्रेंड है। वो जयपुर में रहती है। मॉडल है, मिस इंडिया कंटेस्ट में दूसरे नंबर पर आई थी ह्व ईशान के डेटिंग के चर्चे पहले ही थे, लेकिन अब उनके रिलेशनशिप पर मुहर लग गई है। बताया जा रहा है कि, टी-20 वर्ल्ड कप के बाद ईशान शादी के बंधन में बंध सकते हैं। हालांकि, शादी की डेट की अभी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। ईशान किशन की गर्लफ्रेंड अदिति हुंडिया के पिता जयपुर में कारोबारी हैं। अदिति मिस डीवा 2018 की विनर रह चुकी हैं। यहीं से उनको मॉडलिंग की दुनिया में एक अलग पहचान मिलनी शुरू हुई थी। आदिति फेमिना मिस इंडिया की फाइनलिस्ट रह चुकी हैं। नेशनल ब्यूटी क्वीन कॉन्सटेस्ट तक पहुंची हैं। फैशन क्रेडिबिलिटी के साथ सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। दरअसल, शनिवार शाम को ईशान किशन के दादा अनुराग पांडेय औरंगाबाद में अपने गांव पहुंचे हुए थे। यहां उन्होंने गांव वालों से मुलाकात की और कुछ मीडियाकर्मियों से भी बातचीत की। इस दौरान कुछ मीडियार्मियों ने उनसे ईशान किशन की शादी को लेकर सवाल किया। उन्होंने कहा, ह्लहमलोग खुले विचारों के हैं। बच्चों की जो पसंद है वही हमारी पसंद है। हमारे बड़े पोते ने पहले से अपने लिए लड़की पसंद कर रखी थी। हमने उसकी सहमति पर सहमति जताई और उसकी शादी करवा दी ह्व उन्होंने कहा, ह्लईशान किशन की एक दोस्त है। जिसका नाम अदिति है। वो जयपुर की रहने वाली है। मॉडलिंग की दुनिया में अपना करियर बना रही है। इन दोनों की काफी दिनों से जान पहचान। परिवार में इसको लेकर बातचीत हुई है। जो ईशान की पसंद है। हम उस पर तैयार हैं ह्व न्यूज एजेंसी से बात करते हुए ईशान के दादा ने कहा, ह्लअदिति ने उनका एक इंटरव्यू देखा था और उनकी खूब तारीफ की थी। वो कह रही थी कि आपके बाबा अभी भी बहुत सुंदर लगते हैं, उनका चेहरा चमकता है ह्व ईशान किशन पिछले डेढ़ साल से टीम इंडिया से बाहर चल रहे थे। इस दौरान वो अपने करियर के मुश्किल दौर में रहे। इस दौरान कॉन्ट्रैक्ट का नुकसान और टीम में सिलेक्शन से उन्हें बाहर भी किया गया। लेकिन अब ईशान ने जोरदार कमबैक किया है। ईशान का बल्ला लगभग हर मुकाबले में चलता नजर आ रहा है।

हनुमानजी अपनी शक्ति क्यों भूल गए थे?

श्री सीता हरण के बाद हनुमानजी और श्रीराम का मिलन हुआ और हनुमानजी ने श्रीराम को सुग्रीव, जामवंत आदि वानरयूथों से मिलाया। फिर जब लंका जाने के लिए रामसेतु बनाया गया तो श्रीराम ने हनुमानजी को लंका जाने का आदेश दिया, परंतु हनुमानजी ने लंका जाने में अपनी असमर्थता जताई तब जामवंतजी ने हनुमानजी को उनकी शक्तियों की याद दिलाई। परंतु सवाल यह है कि हनुमानजी अपनी शक्ति क्यों भूल गए थे? दरअसल, हनुमानजी को कई देवताओं ने विभिन्न प्रकार के वरदान और अस्त्र-शस्त्र दिए थे। इन वरदानों और अस्त्र-शस्त्र के कारण बचपन में हनुमानजी उधम मचाने लगे थे। खासकर वे ऋषियों के बगीचे में घुसकर फल, फूल खाते थे और बगीचा उजाड़ देते थे। वे तपस्यारत मुनियों को तंग करते थे। उनकी शरारतें बढ़ती गई तो मुनियों ने उनकी शिकायत उनके पिता केसरी से की। माता-पिता में खूब समझाया कि बेटा ऐसा नहीं करते, परंतु हनुमानजी शरारत करने से नहीं रुके तो एक दिन अंगिरा और भृगुवंश के ऋषियों ने कुपित होकर उन्हें श्राप दे दिया कि वे अपने शक्तियों और बल को भूल जाएंगे परंतु उचित समय पर उन्हें उनकी शक्तियों को कोई याद दिलाएगा तो याद आ जाएगी। फिर जब हनुमानजी को श्रीराम का कार्य करना था तो जामवंत जी का हनुमानजी के साथ लंबा संवाद होता है। इस संवाद में वे हनुमानजी के गुणों का बखान करते हैं और तब हनुमानजी को अपनी शक्तियों का आभास होने लगता है। अपनी शक्तियों का आभास होते ही हनुमानजी विराट रूप धारण करते हैं और समुद्र को पार करने के लिए उड़ जाते हैं।

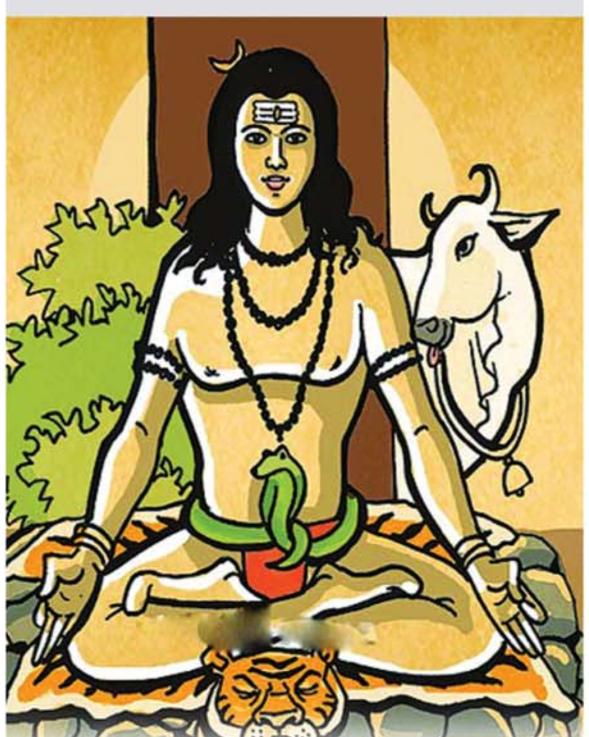

तुरंत सिद्ध होते हैं साबर मंत्र

वैदिक अथवा तांत्रोक्त अनेक ऐसे मंत्र हैं, जिसमें साधना करने के लिए अत्यंत सावधानी की जरूरत होती है। असावधानी से कार्य करने पर प्रभाव प्राप्त नहीं होता अथवा सारा श्रम व्यर्थ चला जाता है, परंतु शाबर मंत्रों की साधना या सिद्धि में ऐसी कोई आशंका नहीं होती। यह सही है कि इनकी भाषा सरल और सामान्य होती है।

माना जाता है कि लगभग सभी साबर साधनाओं और मंत्रों का अविष्कार गुरु गोरखनाथ ने किया है। यह मंत्र बहुत जल्दी ही सिद्ध भी हो जाते हैं और इनकी साधनाएं बहुत ही सरल होती हैं। ओम गुरुजी को आदेश गुरजी को प्रणाम, धरती माता धरती पिता, धरती धरे ना धीरबाजे श्रींगी बाजे तुरतुरि आया गोरखनाथमीन का पुत मुंज का छड़ा लोहे का कड़ा हमारी पीठ पीछे यति हनुमंत खड़ा, शब्द सांचा पिंड काचास्फुरो मन्त्र ईश्वरो वाचा।।

इस मन्त्र को सात बार पढ़ कर चाकू से अपने चारों तरफ रक्षा रेखा खींच ले गोलाकार, स्वयं हनुमानजी साधक की रक्षा करते हैं। शर्त यह है कि मंत्र को विधि विधान से पढ़ा गया हो।

साबर मंत्रों को पढ़ने पर ऐसा कुछ भी अनुभव नहीं होता कि इनमें कुछ विशेष प्रभाव है, परंतु मंत्रों का जप किया जाता है तो असाधारण सफलता दृष्टिगोचर होती है। कुछ मंत्र तो ऐसे हैं कि जिनको सिद्ध करने की जरूरत ही नहीं है, केवल कुछ समय उच्चारण करने से ही उसका प्रभाव स्पष्ट दिखाई देने लगता है। यदि किसी मंत्र की संख्या निर्धारित नहीं है तो मात्र 1008 बार मंत्र जप करने से उस मंत्र को सिद्ध समझना चाहिए। दूसरी बात शाबर मंत्रों की सिद्धि के लिए मन में दृढ़ संकल्प और इच्छा शक्ति का होना आवश्यक है। जिस प्रकार की इच्छा शक्ति साधक के मन में होती है, उसी प्रकार का लाभ उसे मिल जाता है। यदि मन में दृढ़ इच्छा शक्ति है तो अन्य किसी भी बाह्य परिस्थितियों एवं कुविचारों का उस पर प्रभाव नहीं पड़ता।

छठी इंद्री क्या होती है, इसे कैसे जाग्रत किया जा सकता है

- छठी इंद्री को अंग्रेजी में सिक्स्थ सेंस कहते हैं। यह क्या होती है, कहां होती है और कैसे इसे जाग्रत किया जा सकता है यह जानना भी जरूरी है। इसे जाग्रत करने के लिए वेद, उपनिषद, योग आदि हिन्दू ग्रंथों में अनेक उपाय बताए गए हैं। नास्त्रेदमस इसी तरह के उपायों से भविष्यवक्ता बने थे।
- मस्तिष्क के भीतर कपाल के नीचे एक छिद्र है, उसे ब्रह्मरंध्र कहते हैं, वहीं से सुषुन्मा नाड़ी सहस्रकार के जुड़कर रीढ़ से होती हुई मूलाधार तक गई है। इसी नाड़ी के बायीं ओर इड़ा और दायीं ओर पिंगला नाड़ी स्थित है। दोनों के बीच सुप्तावस्था में छठी इंद्री स्थित है।
- यह छठी इंद्री ही हमें हर वक्त आने वाले खतरे या भविष्य में होने वाली घटनाओं का आभास करती रहती है लेकिन कुछ लोग इसे स्पष्ट समझ लेते हैं और कुछ नहीं। यदि आप इसे समझें तो आपके साथ घटने वाली घटनाओं के प्रति ये इंद्री आपको सजग कर देगी।
- छठी इंद्री जाग्रत होने से व्यक्ति में भूत और भविष्य में झांकने की क्षमता आ जाती है। ऐसा व्यक्ति मीलों दूर बैठे व्यक्ति की बातें सुन सकता और उसे देख भी सकता है। दूसरों के मन की बात जान ही नहीं सकता बल्की उनका मन बदल भी सकता है और दूसरों की बीमारी दूर की जा सकती है।
- वैज्ञानिकों के अनुसार छठी इंद्री कल्पना नहीं, वास्तविकता है, जो हमें किसी घटित होने वाली घटना का पूर्वाभास कराती है। यूनिवर्सिटी ऑफ ब्रिटिश कोलंबिया के रॉन रेसिक के अनुसार छठी इंद्रिय के कारण ही हमें भविष्य में होने वाली घटनाओं का पूर्वाभास होता है।
- छठी इंद्री को जाग्रत करने का बहुत ही सरल तरीका है। तीन माह के लिए खुद को परिवार और दुनिया से काटकर आपको योग की शरण में जाना होगा। यम, नियम, प्राणायम और योगासन करते हुए लगातार ध्यान करना होगा।
- प्राणायाम सबसे उत्तम उपाय इसलिए माना जाता है क्योंकि हमारी दोनों भौहों के बीच छठी इंद्री होती है। सुषुम्ना नाड़ी के जाग्रत होने से ही छठी इंद्री जाग्रत हो जाती है। प्राणायम के माध्यम से छठी इंद्री को जाग्रत किया जा सकता है।
- मेस्मेरिज्म या हिप्नोटिज्म जैसी अनेक विद्याएं इस छठी इंद्री को जाग्रत करने का सरल और शॉर्टकट रास्ता है लेकिन इसके खतरे भी हैं। हिप्नोटिज्म को सम्मोहन कहते हैं। सम्मोहन विद्या को ही प्राचीन समय से 'प्राण विद्या' या 'त्रिकालविद्या' के नाम से पुकारा जाता रहा है।
- मन के कई स्तर होते हैं। उनमें से एक है सुक्ष्म शरीर से जुड़ा हुआ आदिम आत्म चेतन मन। यह मन हमें आने वाले रोग या खतरें का संकेत देकर उससे बचने के तरीके भी बताता है। इस मन को प्राणायाम या सम्मोहन से साधा जा सकता है।
- त्राटक क्रिया से भी इस छठी इंद्री को जाग्रत कर सकते हैं। आप बिना पलक गिराए किसी एक बिंदु, क्रिस्टल बॉल, मोमबत्ती या घी के दीपक की ज्योति पर देखते रहिए। इसके बाद आंखें बंद कर ध्यान करें। कुछ समय तक इसका अभ्यास करें। इससे धीरे-धीरे छठी इंद्री जाग्रत होने लगेगी।
- ऐसा कई बार देखा गया है कि कई लोगों ने अंतिम समय में अपनी बस, ट्रेन अथवा हवाई यात्रा को कैंसिल कर दिया और वे चमत्कारिक रूप से किसी दुर्घटना का शिकार होने से बच गए। बस यही छठी इंद्री का कमाल है। आप इसे पहचानें क्योंकि यह सभी संवेदनशील लोगों के भीतर होती है।
- यदि आपको यह आभास होता है कि पीछे कोई चल रहा है या दरवाजे पर कोई खड़ा है। कुछ होनी-अनहोनी होने वाली है या कोई खुशी का समाचार मिलने वाला है तो आप अपनी इस क्षमता पर लगातार गौर करें और ध्यान देंगे तो यह विकसित होने लगेगी। जैसे-जैसे अभ्यास गहराएगा आपकी छठी इंद्री जाग्रत होने लगेगी और आप भविष्यवक्ता बन जाएंगे।

9 प्रमुख मणियां किस मणि को धारण करने से क्या होता है

आपने पारस मणि, नागमणि, कौस्तुभ मणि, चंद्रकंाता मणि, नीलमणि, स्यमंतक मणि, स्फटिक मणि आदि का नाम तो सुना ही होगा, परंतु ही यहां निम्नलिखित नौ मणियों की बात कर रहे हैं- घृत मणि, तैल मणि, भीष्मक मणि, उपलक मणि, स्फटिक मणि, पारस मणि, उलूक मणि, लाजावर्त मणि, मासर मणि। आओ जानते हैं कि इन मणियों को धारण करने से क्या होता है। हालांकि यह सभी बातें मान्यता पर आधारित हैं।

- घृत मणि की माला धारण कराने से बच्चों को नजर से बचाया जा सकता है।
- स्फटिक मणि को धारण करने से कभी भी लक्ष्मी नहीं रूठती।
- तैल मणि को धारण करने से बल-पौरूष की वृद्धि होती है।
- भीष्मक मणि धन-धान्य वृद्धि में सहायक है।
- उपलक मणि को धारण करने वाला व्यक्ति भक्ति व योग को प्राप्त करता है।
- उलूक मणि को धारण करने से नेत्र रोग दूर हो जाते हैं।
- लाजावर्त मणि को धारण करने से बुद्धि में वृद्धि होती है।
- मासर मणि को धारण करने से पानी और अग्नि का प्रभाव कम होता है।

तेलमणि को धारण करने से होती हैं सभी मनोकामनाएं पूर्ण

आपने पारस मणि, नागमणि, कौस्तुभ मणि, चंद्रकंाता मणि, नीलमणि, स्यमंतक मणि, स्फटिक मणि आदि का नाम तो सुना ही होगा, परंतु ही यहां निम्नलिखित नौ मणियों की बात कर रहे हैं- घृत मणि, तैल मणि, भीष्मक मणि, उपलक मणि, स्फटिक मणि, पारस मणि, उलूक मणि, लाजावर्त मणि, मासर मणि। आओ जानते हैं कि तेलमणि को धारण करने से क्या होता है। हालांकि यह सभी बातें मान्यता पर आधारित हैं।

- तेलमणि को उदउक, उदोक भी कहते हैं और अंग्रेजी में टूर्मेलीन कहा जाता है।
- लाल रंग की आभा लिए हुए श्वेत, पीत व कृष्ण वर्ण की होती है तेलमणि और स्पर्श करने से तेल जैसा चिकना ज्ञात होता है।
- कहते हैं कि श्वेत रंग की तेलमणि को अग्नि में डालने पर ही पीत वर्ण की तथा कपड़े में लपेट कर रखने पर तीसरे दिन पीत वर्ण की हो जाती है। लेकिन बाहर निकालकर हवा में रखने से कुछ समय बाद ही यह पुन: अपने असली रंग में बदल जाती है।
- इस मणि को धारण करने से भक्ति भाव, वैराग्य तथा आत्म ज्ञान प्राप्त होकर सभी तरह की मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं।
- कहते हैं कि रोहिणी नक्षत्र, पूर्णिमा या मंगलवार के दिन तेलमणि को जिस खेत में 4-5 हाथ गहरे गड्ढे में खोदकर दबा दिया जाए और मिट्टी से ढंककर सींचा जाए तो सामान्य से बहुत अधिक अन्न उत्पन्न होता है।

इन कारणों से दिखाई देते हैं हमें अच्छे या बुरे सपने

मनोविज्ञान, आयुर्वेद, ज्योतिष और योग में अच्छे या बुरे सपने दिखाई देने के कई कारण बताए गए हैं। जब हम कोई स्वप्न देखते हैं तो जरूरी नहीं कि प्रत्येक सपने का अच्छा या बुरा फल होता है। आओ जानते हैं कि सपने किन कारणों से दिखाई देते हैं।

अधिकतर सपने हमें हमारी दिनचर्या में किए गए कार्य से प्राप्त होते हैं। कार्य का अर्थ हमने जो देखा, सुनना, समझा, इच्छा किया और भोगा वह हमारे चित्त में विराजित होकर रात में स्वप्नों के रूप में दिखाई देता है। यह सब बदले स्वरूप में इसलिए भी होते हैं क्योंकि वे हमारे शरीर में स्थित भोजन और पानी की स्थिति और अवस्था से भी संचालित होते हैं। निम्नलिखित बातों से आप समझ सकते हैं। इन कारणों से दिखाई देते हैं स्वप्न :-

- दृष्ट- जो जाग्रत अवस्था में देखा गया हो उसे स्वप्न में देखना।
- श्रुत- सोने से पूर्व सुनी गई बातों को स्वप्न में देखना।
- अनुभूत- जो जागते हुए अनुभव किया हो उसे देखना।
- प्रार्थित- जाग्रत अवस्था में की गई प्रार्थना की इच्छा को स्वप्न में देखना।
- दोषजन्य- वात, पित्त आदि दूषित होने से स्वप्न देखना।
- भाविक- जो भविष्य में घटित होना है, उसे देखना।

अत: अब आप जान सकते हैं कि आपने जो सपने देंखे हैं वे किस श्रेणी के हैं। इससे आप यह भी अनुमान लगा सकते हैं कि आपका सपना शुभ होगा या अशुभ।

हिन्दू धर्म में सफेद वस्त्र का क्या है महत्व

हिन्दू धर्म में सफेद वस्त्र का बहुत महत्व है। सफेद रंग हर तरह से शुभ माना गया है, लेकिन वक्त के साथ लोगों ने इस रंग का मांगलिक कार्यों में इस्तेमाल बंद कर दिया। हालांकि प्राचीनकाल में सभी तरह के मांगलिक कार्यों में इस रंग के वस्त्रों का उपयोग किया जाता था। यह रंग शांति, शुभता, पवित्रता और मोक्ष का रंग है।

लक्ष्मी का वस्त्र : सच तो यह है कि सफेद रंग सभी रंगों में अधिक शुभ माना गया है इसीलिए कहते हैं कि लक्ष्मी हमेशा सफेद कपड़ों में निवास करती है।

मांगलिक वस्त्र : 20-25 वर्षों पहले तक लाल जोड़े में सजी दुल्हन को सफेद ओढ़नी ओढ़ाई जाती थी। इसका यह मतलब कि दुल्हन ससुराल में पहला कदम रखे तो उसके सफेद वस्त्रों में लक्ष्मी का वास हो। आज भी ग्रामीण क्षेत्र में सफेद ओढ़नी की परंपरा का पालन किया जाता है।

यज्ञकर्ता का वस्त्र : प्राचीन काल में जब भी यज्ञ किया जाता था तो पुरुष और महिला दोनों ही सफेद वस्त्र ही धारण करके बैठते थे। पुरोहित वर्ग इसी तरह के वस्त्र पहनकर यज्ञ करते थे। दूसरी ओर आज भी किसी भी सम्मान समारोह आदि में सफेद कुर्ता और धोती पहनने का रिवाज है।

विधावा का वस्त्र : यदि किसी का पति मर गया तो उसे विधवा और किसी की पत्नी मर गई है तो उसे विधुर कहा जाता है। शास्त्रों के अनुसार पति की मृत्यु के नौवें दिन उसे दुनियाभर के रंगों को त्यागकर सफेद साड़ी पहननी होती है, वह किसी भी प्रकार के आभूषण एवं श्रृंगार नहीं कर सकती। स्त्री को उसके पति के निधन के कुछ सालों बाद तक केवल सफेद वस्त्र ही पहनने होते हैं और उसके बाद यदि वह रंग बदलना चाहे तो बेहद हल्के रंग के वस्त्र पहन सकती है। मध्यकाल में हिन्दू धर्म में कई तरह की बुराइयां सम्मलित हुई उसमें एक यह भी थी कि कोई स्त्री यदि विधवा हो जाती थी तो वह दूसरा विवाह नहीं कर पाती थी। हालांकि आज भी उत्तर भारत के ग्रामीण इलाकों में विधवा विवाह का प्रचलन है जिसे नाता कहा जाता है। कोई स्त्री पुनर्विवाह का निर्णय लेती है, तो इसके लिए वह स्त्रतंत्र है। आज समाज का स्वरूप बदल रहा है। विधवाएं रंगीन वस्त्र भी पहन रही है और शादी भी कर रही हैं। वेदों में एक विधवा को सभी अधिकार देने एवं दूसरा विवाह करने का अधिकार भी दिया गया है। वेदों में एक कथन शामिल है-

'उदीर्ष्व नार्यभि जीवलोकं गतासुमेतमुप शेष एहि। हस्तग्राभस्य दिधिषोस्तवेदं पत्युर्जनित्वमभि सम्बभूथ।'

अर्थात पति की मृत्यु के बाद उसकी विधवा उसकी याद में अपना सारा जीवन व्यतीत कर दे, ऐसा कोई धर्म नहीं कहता। उस स्त्री को पूरा अधिकार है कि वह आगे बढ़कर किसी अन्य पुरुष से विवाह करके अपना जीवन सफल बनाए। चार कारणों से विधवा महिलाओं को सफेद वस्त्र दिए गए। पहला यह कि यह रंग कोई रंग नहीं बल्कि रंगों के अनुपस्थिति है। मतलब यह कि अब जीवन में कोई रंग नहीं बचा। दूसरा यह कि इससे महिला की एक अलग पहचान बन जाती है और लोग उसे सहानुभूति एवं संवेदना रखते हैं। तीसरा यह कि सफेद रंग आत्मविश्वास, सात्विक और शांति का रंग है। इसके साथ ही सफेद वस्त्र विधवा स्त्री को प्रभु में अपना ध्यान लगाने में मदद करते हैं। चौथा कराण यह कि इससे महिला का कहीं ध्यान नहीं भटकता है और उसे हर वक्त इसका अहसास होता है कि वह पवित्र है। पांचवां कारण यह कि यदि महिला के कोई पुत्र या पुत्री है तो वह अपने भीतर नैतिकता और जिम्मेदारी का अहसास करती रहे ताकि वह दूसरा विवाह नहीं करें। दोबारा शादी नहीं करने से पुत्र पुत्रियों के जीवन पर विपरित या प्रतिकुल असर नहीं पड़ता है।

टी20 वर्ल्ड कप: जेसन होल्डर और शाई होप का कमाल, वेस्ट इंडीज ने नेपाल को रौंदकर सुपर 8 में मारी एंट्री

मुंबई (एजेंसी)। जेसन होल्डर के चार विकेट और कप्तान शाई होप की 44 गेंदों पर 61 रनों की पारी की बदौलत वेस्ट इंडीज ने रविवार को मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2026 के 25वें मैच में नेपाल को नौ विकेट से हरा दिया। इस जीत के साथ ही कैरेबियन टीम सुपर एट में पहुंचने वाली पहली टीम बन गई। नेपाल आधिकारिक तौर पर सुपर एट की दौड़ से बाहर हो गया है। शाई होप की अगुवाई वाली वेस्ट इंडीज ने 134 रनों के मामूली लक्ष्य को महज 15.2 ओवरों में हासिल कर एशियाई टीम पर आसान जीत दर्ज की।

ब्रैंडन किंग (17 गेंदों पर 22 रन) और होप (44 गेंदों पर 61 रन नाबाद) ने पहले विकेट के लिए 43 रनों की साझेदारी की। इसके बाद शिमरोन हेटमायर (32 गेंदों पर 46 रन नाबाद) होप के साथ जुड़े और वेस्ट इंडीज को जीत की ओर ले गए। इससे पहले, टॉस जीतकर वेस्ट इंडीज ने पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया और स्पिनर अकील हुसैन से गेंदबाजी की शुरुआत की। कुशल भुरटेल और आसिफ शेख ने नेपाल की ओर से पारी की शुरुआत की। नेपाल के लिए शुरुआत बेहद खराब रही क्योंकि मैच के पहले ही ओवर की पांचवीं गेंद पर हुसैन ने कुशल भुरटेल को एक रन पर आउट कर दिया।

कप्तान रोहित पौडेल चौथे ओवर में मात्र पांच रन बनाकर पवेलियन लौट गए, जब मैथ्यू फोर्डे की गेंद पर पैड पर गेंद लगने से वे एलबीडब्ल्यू हो गए। पावरप्ले में ही नेपाल ने अपना तीसरा विकेट जेसन होल्डर के हाथों गंवा दिया। आसिफ शेख (11) ने शुरुआत में दो चौके लगाए। नेपाल पावरप्ले के अंत तक तीन महत्वपूर्ण विकेट खोकर 22 रन पर ढेर हो गया। पावरप्ले के बाद, शानदार फॉर्म में चल रहे गेंदबाज जेसन होल्डर ने आरिफ शेख को दो रन पर आउट कर दिया। लोकेश बाम के 13 रन पर शमर जोसेफ द्वारा आउट होने के बाद, नेपाल का स्कोर 11वें ओवर में 46-5 था। छठे विकेट के लिए दीपेंद्र सिंह ऐरी और गुलसन झा के बीच 23 रनों की छोटी साझेदारी हुई, जिसके बाद गुलसन 11 रन बनाकर रोस्टन चेस के हाथों क्लीन बोल्ड हो गए। नेपाल की पारी में दीपेंद्र ही एकमात्र सकारात्मक खिलाड़ी रहे। उन्होंने सोमपाल कामी के साथ सातवें विकेट के लिए 54 रनों की महत्वपूर्ण साझेदारी में अहम भूमिका निभाई। यह साझेदारी तब समाप्त हुई जब दीपेंद्र 47 गेंदों में 58 रन बनाकर होल्डर की गेंद पर आउट हो गए। नेपाल ने अपनी पारी 133/8 के स्कोर पर समाप्त की।

शेल्टन ने सेमीफाइनल थ्रिलर में शापोवालोव को हराया, फ्रिट्ज़ भी फाइनल में पहुंचे

डलास (एजेंसी)। बेन शेल्टन नेक्सो डलास ओपन में अपने साथी लेफ्टी डेनिस शापोवालोव के बड़े टेस्ट से बच निकले, जहां उन्होंने आखिरी सेट के टाई-ब्रेक में जीत हासिल करके फाइनल में जगह बनाई। दूसरे सीड वाले खिलाड़ी ने डिफेंडिंग चैंपियन को 4-6, 6-4, 7-6(4) से हराया।

दूसरे सीड वाले शेल्टन ने पूरे मुकाबले में दबाव में शानदार हिम्मत दिखाई। उन्होंने 11 में से 10 ब्रेक पॉइंट बचाए, जिसमें दूसरे सेट में 2-2 पर क्लच वॉली से एक जरूरी सेव और तीसरे सेट में 5-5 पर एक और सेव शामिल है। इस जीत के साथ, उन्होंने जोड़ी की हेड टू हेड सीरीज में 4-0 की बढ़त बना ली। फाइनल में शेल्टन का मुकाबला टॉप सीड टेलर फ्रिट्ज से होगा। 2018 के बाद से यह टूर्नामेंट में टॉप दो सीड के बीच पहला फाइनल होगा, जब टॉप सीड केविन एंडरसन ने न्यूयॉर्क में दूसरे सीड सैम क्वेरी को हराया था, जहां पहले यह टूर्नामेंट हुआ था।

फ्रिट्ज ने शनिवार को सेमीफाइनल में फिर से वापसी कर रहे मारिन सिलिच का सिलसिला रोक दिया। थोड़े अंतर से तय हुए मैच में, टॉप सीड ने अपना धैर्य बनाए रखा और क्रोएशियाई खिलाड़ी को दो घंटे, दो मिनट के रोमांचक मुकाबले में 7-6(5), 7-6(3) से हराया, और 37 साल के खिलाड़ी को 22 एस से हराया।

फ्रिट्ज ने कोर्ट पर अपने इंटरव्यू में कहा, %बस बहुत शांत सर्विंग। मुझे लगता है कि जब मैं शांत और रिलैक्स महसूस करता हूं, तो यही सबसे बड़ी बात है, मैं अच्छी सर्व करता हूं।% दोनों खिलाड़ियों ने बिना ब्रेक वाले मैच में बड़ी डिलीवरी से दबदबा बनाया। फ्रिट्ज़ को ब्रेक पॉइंट का सामना नहीं करना पड़ा और उन्होंने सिलिच के 16 के मुकाबले 22 एस मारे, जिसमें पहले सेट के टाई-ब्रेक में चार शामिल थे।

हालांकि वह अपने पांच ब्रेक-पॉइंट मौकों में से किसी को भी भुना नहीं पाए, लेकिन सर्व पर फ्रिट्ज के शांत स्वभाव ने आखिरकार फर्क पैदा किया क्योंकि उन्होंने अपने पहले सर्व पॉइंट्स का 86 प्रतिशत (48/56) जीता। इस जीत के साथ फ्रिट्ज ने जोड़ी की हेड2हेड सीरीज़ में 3-1 की बढ़त बना ली और 2024 में यूएस ओपन के फ़ाइनल में पहुंचने के बाद घरेलू मैदान पर अपने पहले फाइनल में पहुंच गए।

अरुंधति रेड्डी की घातक गेंदबाजी से भारत की जीत, सीरीज में 1-0 की बढ़त

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टी20 मुकाबले में भारतीय महिला टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 21 रन (DLS नियम) से जीत दर्ज की। कप्तान हरमनप्रीत कौर की अगुवाई में टीम इंडिया ने तीन मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली। टॉस के बाद पहले बल्लेबाजी करने उतरी ऑस्ट्रेलियाई टीम को भारतीय गेंदबाजों ने 133 रन पर समेट दिया, जबकि दो ओवर अभी बाकी थे।

अरुंधति रेड्डी मैच की स्टार रहीं। उन्होंने 4 ओवर में 22 रन देकर 4 विकेट झटके और अहम मौकों पर ऑस्ट्रेलिया की पारी को झकझोर दिया। रेणुका सिंह और श्री चरणी ने भी सधी हुई गेंदबाजी की। कप्तान हरमनप्रीत कौर ने फील्डिंग में शानदार डाइविंग कैच लेकर टीम का हौसला बढ़ाया।

ऑस्ट्रेलिया ने तेज शुरुआत की और तीन ओवर में 22 रन बना लिए, लेकिन बेथ मूनी के आउट होते ही विकेटों का सिलसिला शुरू हो गया। एलिस पेरी और फोएबे लिचफील्ड ने 41 रन की साझेदारी कर पारी को संभालने की कोशिश की, लेकिन भारतीय गेंदबाजों ने वापसी करते हुए लगातार विकेट चटकाए।

80 रन पर पांच विकेट गिरने के बाद ऑस्ट्रेलिया की टीम बड़ा स्कोर खड़ा नहीं कर सकी। जॉर्जिया वेयरहैम ने थोड़ी देर संघर्ष किया, लेकिन टीम 133 रन पर सिमट गई।

लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत ने अच्छी शुरुआत की। टीम का स्कोर 50/1 था जब सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पर बारिश के कारण खेल रोकना पड़ा।

उपकप्तान स्मृति मंधाना (16*) और जेमिमा रोड्रिग्स (9*) क्रीज पर मौजूद थीं। बारिश के कारण मैच दोबारा शुरू नहीं हो सका और डीएलएस नियम के तहत भारत को 21 रन से विजेता घोषित किया गया।

टी20 वर्ल्ड कप: श्रीलंका के खिलाफ जीत के इरादे से उतरेगी ऑस्ट्रेलिया

पल्लेकेले(एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया की टीम मेजबान श्रीलंका के खिलाफ सोमवार को यहां होने वाले टी20 विश्व कप ग्रुप बी के अहम मुकाबले में किसी भी हाल में जीत हासिल करना रहेगा। ऑस्ट्रेलिया का लक्ष्य इस मैच को जीतकर सुपर आठ में पहुंचने की अपनी संभावनाएं बनाये रखना रहेगा। पिछले मैच में टीम को जिम्बाब्वे के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था। उससे सबक लेते हुए ऑस्ट्रेलियाई टीम इस मैच में अनुभवी बल्लेबाज स्टीव स्मिथ को शामिल कर सकती है। पिछले मैच में उसके बल्लेबाज लक्ष्य का पीछा करने में असफल रहे थे। अब उसे सुपर आठ में पहुंचने के लिए इस मैच के साथ ही ओमान के खिलाफ मैच में बड़ी जीत दर्ज करनी होगी।

ऑस्ट्रेलिया अभी ग्रुप बी में अंक तालिका में दो मैचों में दो अंक के साथ तीसरे स्थान पर है। जिम्बाब्वे के खिलाफ उसके शीर्ष क्रम के बल्लेबाज विफल रहे थे जिससे टीम 146 रन ही बना पायी और उसे 23 रनों से हार का सामना करना पड़ा था। कप्तान मिचेल मार्श चोटिल होने के कारण उस मैच में नहीं खेल पाए थे। वहीं स्मिथ को मार्श के कवर के तौर पर टीम में शामिल किया गया है उन्हें हालांकि अभी तक आधिकारिक तौर पर 15 सदस्यीय टीम में शामिल नहीं किया गया है।

ऑस्ट्रेलियाई टीम स्मिथ को चोटिल तेज गेंदबाज जोश हेज़लवुड के बाहर होने के कारण उनकी जगह पर शामिल कर सकती है। स्पिन के खिलाफ स्मिथ का अच्छा रिकॉर्ड और उनके आने से बल्लेबाजी बेहतर होगी। ऑस्ट्रेलिया के लिए यह राहत की बात है कि ऑलराउंडर मार्कस स्टोइनिस को पिछले मैच में अपने बाएं हाथ पर लगी चोट से उबरकर वापसी के लिए तैयार हैं।

ऑस्ट्रेलिया को इस बार मिचेल स्टार्क, चोटिल पैट कमिंस और हेज़लवुड की तेज गेंदबाजी तिकड़ी की कमी भी महसूस हो रही है। नाथन एलिस ने अच्छी गेंदबाजी की है पर बाएं हाथ के तेज गेंदबाज बेन ड्वार्शियस और जेवियर बार्टलेट विफल रहे हैं। ऑस्ट्रेलिया की इस टीम को भारत में हुए 2023 एकदिवसीय विश्व कप के दौरान भी ऐसी ही स्थिति का सामना करना पड़ा था। तब श्रीलंका के खिलाफ मिली जीत ने उनके लिए हालात बदल दिए, जिसके बाद उसने फाइनल सहि नौ मैच जीतकर ट्रॉफी अपने नाम की थी। उस बात से टीम प्रेरणा लेना चाहेगी।

जिम्बाब्वे से हार के बाद कप्तानी संभाल रहे ट्रैविस हेड ने कहा था, हम पहले भी ऐसी स्थिति का सामना कर चुके हैं। हमने 2023 में कुछ हार और चोटों के कारण पहले भी इस तरह की स्थिति देखी है। हमारे पास यहां कुछ ऐसे खिलाड़ी हैं जो 2023 में भारत में खेल चुके हैं और हम इस स्थिति से निपटने और उस रणनीति का उपयोग करने की कोशिश करेंगे। वहीं दूसरी ओर सह-मेजबान श्रीलंका ओमान और आयरलैंड के खिलाफ आसान जीत के साथ ग्रुप में शीर्ष पर है और उसके हौंसले बढ़ हुए हैं। उससे घरेलू धरती पर खेलने का भी लाभ मिलेगा।

उसे हालांकि स्टार स्पिनर वानिंदु हसरंगा की कमी खलेगी। उनकी अनुपस्थिति में श्रीलंका महेश तीक्षना और बाएं हाथ के स्पिनर दुनीत वेलालेज पर काफी हद तक आधारित रहेगा।

हैरी केन ने अपने करियर का 500वां गोल दागा

बर्लिन। इंग्लैंड के स्टार फुटबॉलर हैरी केन ने शनिवार को बायर्न म्यूनिख की तरफ से दो गोल करके अपने देश और विभिन्न क्लबों की तरफ से 500 गोल करने की उपलब्धि हासिल की। केन ने अपने दो गोल में से एक गोल पेनल्टी पर किया। यह पेनल्टी पर किया गया उनका 100वां था। केन के दो गोल की मदद से बायर्न ने वेर्डर ब्रेमेन पर 3-0 से जीत हासिल करके बुंडेसलिगा में अपनी छह अंकों की बढ़त बरकरार रखी। केन ने मैच के बाद कहा, ''अच्छा लग रहा है। 500 गोल तक पहुंचना वाकई गर्व की बात है। इसमें बहुत मेहनत और त्याग लगा है, इसलिए यहां तक पहुंचकर बहुत अच्छा लग रहा है। लेकिन हमेशा की तरह अब अगला मैच ही मायने रखता है।'' केन ने अपना पहला गोल जनवरी 2011 में 17 साल की उम्र में इंग्लैंड के तीसरी श्रेणी के क्लब लेटन ओरिएंट की तरफ से खेलते हुए शेफील्ड वेडनेसडे के खिलाफ किया था। केन को 500 गोल तक पहुंचने के लिए 743 मैचों की जरूरत पड़ी। इस 32 वर्षीय इस फॉरवर्ड ने इंग्लैंड के लिए 112 मैचों में 78 गोल किए हैं।

मार्करम कप्तान के तौर पर सबसे तेज अर्धशतक लगाने वाले खिलाड़ियों में शामिल

अहमदाबाद। दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज एडेन मार्करम ने टी20 विश्व कप 2026 में न्यूजीलैंड के खिलाफ मुकाबले में 44 गेंदों में नाबाद 88 रनों की पारी के साथ ही एक अहम उपलब्धि अपने नाम की है।

इसी के साथ ही मार्कराम कप्तान के तौर पर सबसे तेज अर्धशतक लगाने वाले खिलाड़ियों में शामिल हो गये। मार्करम ने अपनी इस पारी में आठ चौके और चार छक्के लगाये। इससे पहले ये रिकार्ड भारतीय टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा के नाम था। इससे दक्षिण अफ्रीका ने ग्रुप डी के इस मैच में जीत के लिए मिले 176 रनों का लक्ष्य आसानी से हासिल कर लिया। मार्करम ने इस मैच में केवल 19 गेंदों में ही पचास रन पूरे कर लिए। ये टी20 विश्व कप में दक्षिण अफ्रीका की ओर से सबसे तेज अर्धशतक है। इस प्रकार उन्होंने रोहित शर्मा के क्लब में प्रवेश किया। रोहित ने साल 2024 टी20 विश्व कप में कप्तान के तौर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 19 गेंदों में ही अपने पचास रन बना दिये थे। तब रोहित ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 41 गेंदों में 92 रनों की पारी खेली, जिसमें सात चौके और आठ छक्के शामिल हैं। सबसे तेज पचास रन बनाने वाले कप्तानों में श्रीलंका के दासुन शनाका भी हैं। शनाका ने भी ओमान के खिलाफ 19 गेंदों में 50 रन बनाये थे। वहीं मोहम्मद अशरफुल ने 20 और महेला जयवर्धने ने 21 गेंद में अर्धशतक लगाये थे।

टी20 विश्वकप : यूएई के खिलाफ हर हाल में जीत हासिल करने उतरेगी अफगानिस्तान

नई दिल्ली (एजेंसी)। अफगानिस्तान की टीम सोमवार को ग्रुप डी के अहम मुकाबले में अरब अमीरात (यूएई) के खिलाफ बड़ी जीत दर्ज करने उतरेगी। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मुकाबले में सुपर ओवर में हार के कारण अब उसे अंतिम आठ के लिए अपनी संभावनएं बरकारार रखने ये मैच हर हाल में जीतना होगा। वहीं यूएई ने पिछले मैच में कनाडा को हराकर अपनी पहली जीत दर्ज की थी जिससे उसका मनोबल बढ़ा हुआ रहेगा।

ग्रुप डी में दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड छह और चार अंकों लेकर शीर्ष दो स्थानों पर हैं, ऐसे में यूएई को क्वालीफाई करने इस मैच में जीत हासिल करनी होगी। वहीं अफगानिस्तान दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ बेहद करीबी हार के बाद ये मैच जीतना चाहेगी। उसे अंतिम आठ में जगह बनाने अपने बचे हुए मैच बड़े अंतर से जीतने होंगे। इसके अलावा प्रतियोगिता में बने रहने के लिए अन्य मैचों के परिणामों पर भी निर्भर रहना होगा। इससे पहले न्यूजीलैंड ने यूएई को 10 विकेट से हराया था

जबकि कनाडा के खिलाफ भी उसे कड़े संघर्ष के बाद जीत मिली थी।

कनाडा के खिलाफ यूएई के शीर्ष और मध्य क्रम के बल्लेबाज विफल रहे थे हालांकि सलामी बल्लेबाज आर्यंश शर्मा के 74 रनों से उसे जीत मिली। इसके अलावा शोएब खान ने 51 रन बनाये। यूएई के बल्लेबाजों के लिए अफगानिस्तान के कप्तान राशिद खान, मुजीब उर रहमान और मोहम्मद नबी का सामना करना कठिन रहेगा। यूएई के कप्तान मोहम्मद वसीम कहना है कि हमें सातवें से 15वें और 16वें ओवर तक बीच के ओवरों में अपनी बल्लेबाजी में सुधार करना होगा।

यूएई की गेंदबाजी इकाई ने कनाडा के खिलाफ अच्छी गेंदबाजी की थी। तेज गेंदबाज जुनैद सिद्दीकी ने पांच विकेट लिए पर रहमानुल्लाह गुरबाज, गुलबदीन नायब और अजमतुल्लाह उमरजाई जैसे बल्लेबाजों को रोकना उनके लिए आसान नहीं रहेगा। गुरबाज ने पिछले मैच में 42 गेंदों में 84 रन बनाकर बनाकर आक्रामक बल्लेबाजी की थी जो वह अब भी जार रखना चाहेंगे।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

अफगानिस्तान- राशिद खान (कप्तान), इब्राहिम जादरान (उपकप्तान), दरविश रसूली, मोहम्मद इशाक (विकेटकीपर), रहमानुल्लाह गुरबाज (विकेटकीपर), सेदिकुल्लाह अटल, अजमतुल्लाह उमरजई, गुलबदीन नायब, मोहम्मद नबी, शाहिदुल्लाह, अब्दुल्ला अहमदजई, फजलहक फारूकी, मुजीब उर रहमान, नूर अहमद, जियाउर रहमान।

यूएई- मुहम्मद वसीम (कप्तान), अलीशान शराफू, आर्यांश शर्मा, ध्रुव पराशर, हैदर अली, हर्षित कौशिक, जुनैद सिद्दीकी, मयंक कुमार, मुहम्मद अरफान, मुहम्मद फारूक, मुहम्मद जवादुल्लाह, हैदर शाह, रोहिद खान, सोहैब खान, सिमरनजीत सिंह।

आईएसएल की शानदार शुरुआत, मोहन बागान ने केरला ब्लास्टर्स को 2-0 से हराया

कोलकाता। गत चैंपियन मोहन बागान सुपर जायंट्स ने इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) सत्र की दमदार शुरुआत करते हुए शनिवार को यहां केरला ब्लास्टर्स एफसी को 2-0 से मात दी। मोहन बागान के लिए पहला गोल 36वें मिनट में जैमी मैकलारेन ने दागा। मैच के अंतिम क्षणों में दूसरे हाफ के इंजरी टाइम (90+6 मिनट) में टॉम एल्ड्रेड ने गोल कर जीत पक्की कर दी। मैकलारेन को शानदार प्रदर्शन के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया। इस बीच, अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने बड़ा ऐलान करते हुए पुष्टि की कि इस सत्र से आईएसएल में पहली बार रेलीगेशन प्रणाली लागू की गई है। अंक तालिका में सबसे निचले स्थान पर रहने वाली टीम को दूसरे स्तर की इंडियन फुटबॉल लीग (आईएफएल) में भेजा जाएगा, जबकि आईएफएल की चैंपियन टीम को अगले सत्र में आईएसएल में पदोन्नत किया जाएगा। एआईएफएफ के अनुसार, 12वें आईएसएल सीजन की चैंपियन टीम को अगले सत्र में एएफसी चैंपियंस लीग-2 के प्रारंभिक दौर में प्रवेश मिलेगा। दूसरे स्तर की आई-लीग का नाम बदलकर अब इंडियन फुटबॉल लीग कर दिया गया है, जिसकी शुरुआत 21 फरवरी से होगी।

भारत-पाकिस्तान मैच में कायम रही 'No Handshake' की परंपरा, सूर्यकुमार यादव ने पाकिस्तान कैप्टन को किया इग्नोर!

कोलंबो (एजेंसी)। कोलंबो के आर प्रेमदासा स्टेडियम में भारत के खिलाफ खेले जा रहे इस महत्वपूर्ण मुकाबले में पाकिस्तान ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का विकल्प चुना। हालांकि, इस दौरा भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव और पाकिस्तानी कप्तान सलमान अली आगा ने एक दूसरे से हाथ नहीं मिलाया। इस दौरान दोनों कप्तानों के बीच कोई बात भी नहीं हुई है। यह परंपरा पिछले साल दुबई में हुए एशिया कप से चली आ रही है। भारत ने एशिया कप 2025 से इस रुख का पालन किया है और इसे आयु वर्ग के टूर्नामेंटों के साथ-साथ पुरुष और महिला क्रिकेट में भी लागू किया है।

पहलगाम हत्याकांड और उसके बाद भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर के मद्देनजर दुबई में आयोजित पिछले साल के एशिया कप के बाद से दोनों पक्षों के खिलाड़ियों ने हाथ नहीं मिलाए हैं। क्या आपको पहले बल्लेबाजी करने में कोई आपत्ति है सवाल के जवाब में टॉस के बाद भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने कहा कि बिलकुल नहीं। हम पहले बल्लेबाजी करना चाहते थे। हमने यहां के नतीजे देखे हैं, और हमने पिछले दो मैचों में पहले बल्लेबाजी की है और दोनों में ही जीत हासिल की है, इसलिए हम कुछ भी बदलना नहीं चाहते।

बड़े मौके को लेकर पूछे गए सवाल पर उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि यह कहना आसान है कि यह सिर्फ एक और मैच है, लेकिन यह एक बड़ा अवसर है। ये मैच हमेशा बहुत महत्वपूर्ण होते हैं, लेकिन साथ ही, आपको यह भी पता होना चाहिए कि आप क्या करना चाहते हैं। यही ज्यादा महत्वपूर्ण है। वर्तमान पर ध्यान केंद्रित करें, अपने कौशल पर भरोसा रखें, अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करें और खुद पर भरोसा रखें। (क्या फॉर्म मायने रखता है?) यह खेल आपको बहुत कुछ सिखाता है। किसी भी दिन, अगर आप अच्छा खेल रहे हैं, तो किसी का भी दिन अच्छा हो सकता है। दो बदलाव। अभिषेक शर्मा टीम में आए हैं और कुलदीप यादव अर्शदीप सिंह की जगह आए हैं।

शनिवार को मैच से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए पाकिस्तानी कप्तान सलमान अली आगा भी इसी तरह सतर्क दिखे। हाथ मिलाने की संभावना के बारे में पूछे जाने पर आगा ने कहा कि हम कल देखेंगे। हालांकि, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि खेल भावना सर्वोपरि होनी चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि क्रिकेट सही भावना से खेला जाना चाहिए। मेरी निजी राय मायने नहीं रखती। लेकिन क्रिकेट उसी तरह खेला जाना चाहिए जैसे हमेशा से खेला जाता रहा है। यह उन पर निर्भर है कि वे क्या करते हैं।

हाथ न मिलाने का रुख सबसे पहले पिछले साल के एशिया कप के दौरान विवाद का मुख्य कारण बना, जब सूर्यकुमार के इनकार पर कथित तौर पर पाकिस्तान और पीसीबी अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की थी। पाकिस्तान ने टूर्नामेंट में बने रहने से पहले अपने अगले मैच का बहिष्कार करने की धमकी भी दी थी।

विराट से दो बल्ले पाकर गदगद नजर आये अफगानिस्तान के बल्लेबाज गुरबाज

अहमदाबाद। भारतीय टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली ने टी20 विश्व कप में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हुए मुकाबले में अपनी जबरदस्त बल्लेबाजी से दिल जीतने वाले अफगानिस्तान के बल्लेबाज रहमानुल्लाह गुरबाज को दो बल्ले उपहार में दिये हैं। वही गुरबाज ने शानदार तोहफा देने के लिए विराट का आभार जताया और कहा भाई आप महान हैं, हर पीढ़ी आपसे प्रेरणा लेती है।' गुरबाज के इस संदेश से साफ है कि वह विराट का बेहद सम्मान करते हैं। यह पहली बार नहीं है जब कोहली ने अपने बेशकीमती बल्लों को साथी खिलाड़ियों को भेंट किया है। वह आम तौर पर अपने बल्लों को उपहार में देते आये हैं। इसे पहले उन्होंने बांग्लादेश के शाकिब अल हसन के अपने ही साथ खिलाड़ी रजत पाटीदार और रिंकू सिंह को भी उपहार में बल्ले दिये थे। गुरबाज ने इस मैच में धमाकेदार बल्लेबाजी कर अपनी टीम को जीत के बेहद करीब पहुंचा दिया था। इस बल्लेबाज ने जबरदस्त शॉट लगाकर दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। बल्लेबाजी के दौरान वह निडर दिखे। इस मैच का परिणाम दो सुपर ओवरों में निकला अफगान टीम को हार जरुर झेलनी पड़ी पर गुरबाज ने दिल जीत लिया।

शिरडी में साईं बाबा और महादेव की एक साथ पूजा, भक्तों के लिए 13 हज़ार किलो साबूदाने की खिचड़ी

शिरडी(एजेंसी)। रविवार को महाराष्ट्र समेत पूरे देश में महाशिवरात्रि बड़े उत्साह के साथ मनाई गई। अलग-अलग महादेव मंदिरों में दर्शन के लिए भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी। वहीं महाराष्ट्र के शिरडी में भी भक्तों की भारी भीड़ देखी गई। महाशिवरात्रि के अवसर पर साईं बाबा के दर्शन के लिए हज़ारों भक्त जमा हुए। साईं बाबा संस्थान की तरफ से साईं बाबा की समाधि के पास देवाधि देव महादेव की तस्वीर लगाई गई है ताकि भक्त साईं बाबा के साथ भोलेनाथ शंकर के भी दर्शन कर सकें। साथ ही शिरडी में बड़ी संख्या में भक्तों के आने की संभावना और व्रत का दिन होने के कारण, साईं बाबा संस्थान के साईं प्रसादालय में 13 हज़ार किलो साबूदाने की खिचड़ी तैयार की गई। शिरडी आने वाले भक्तों को प्रसादालय में दिन भर साबूदाना खिचड़ी और झिरका प्रसाद परोसा जा रहा था। साईं बाबा संस्थान के प्रसादालय में खिचड़ी बनाने के लिए 5,500 किलो साबूदाना, 4,000किलो मूंगफली, 700 लीटर मूंगफली का तेल, 2,000 किलो आलू और 1,200 किलो चीनी, नमक, लाल मिर्च, हरी मिर्च वगैरह का इस्तेमाल किया गया है। इन सभी चीज़ों से कुल 13,000 किलो महाप्रसाद तैयार किया गया और भक्त इसे बड़ी श्रद्धा से खा रहे थे। सबका मालिक एक का महामंत्र देने वाले साईं बाबा के दर्शन के लिए सभी धर्मों के भक्त शिरडी आते हैं। उनमें से ज्यादातर साईं संस्थान द्वारा चलाए जा रहे प्रसादालय में प्रसाद लेते हैं। आम तौर पर यहां दो सब्जियां, चपाती और वरन-भात परोसा जाता है। वैसे, आषाढ़ी एकादशी और महाशिवरात्रि के दिन व्रत के मौके पर खास साबूदाने की खिचड़ी और झिरकाया प्रसाद चढ़ाने की परंपरा है। साईं प्रसादालय के प्रमुख संजय शिंदे ने कहा, रविवार को शिरडी में करीब 70 हजार भक्तों द्वारा साईं खिचड़ी का लाभ उठाने का अनुमान है।

भारत-पाक सीमा पर गोलीबारी की आशंका के चलते पांच किमी आवाजाही पर रोक

कठुआ (एजेंसी)। सुरक्षा कारणों को देखते हुए संवेदनशील सीमावर्ती इलाकों में जिला प्रशासन ने बड़ा कदम उठाया है। जिला मजिस्ट्रेट ने नया आदेश जारी करते हुए सीमावर्ती क्षेत्र में अनावश्यक आवाजाही पर प्रतिबंध लगा दिया है। जानकारी के अनुसार कठुआ जिले के हीरानगर सेक्टर में अंतरराष्ट्रीय सीमा के साथ पहाड़पुर से करोल कृष्णा तक 5 किलोमीटर के दायरे में लोगों की गैर-जरूरी आवाजाही पर रोक लगा दी गई है। प्रशासन को खुफिया इनपुट मिला है कि पाकिस्तान की तरफ से किसी भी समय सीमा पार गोलीबारी की आशंका है। इसी खतरे को देखते हुए ओल्ड सांबा-कठुआ मार्ग पर रात 9 बजे से सुबह 6 बजे तक भारी ट्रकों और टिपरों की आवाजाही भी प्रतिबंधित कर दी गई है। प्रशासन का कहना है कि यह फैसला एहतियात के तौर पर लिया गया है, ताकि सीमावर्ती क्षेत्रों में रहने वाले लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके और कानून-व्यवस्था बनी रहे। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि ग्रामीणों की सुरक्षा और किसी भी राष्ट्रविरोधी गतिविधि को रोकने के लिए सीमावर्ती इलाकों में आवाजाही सीमित करना आवश्यक हो गया है। गौरतलब है कि हीरानगर अंतरराष्ट्रीय सीमा पिछले दो वर्षों से घुसपैठ की आशंका और ड्रोन गतिविधियों के कारण काफी संवेदनशील बनी हुई है, जिसके चलते स्थानीय लोगों की सुरक्षा को ध्यान में रखकर ये प्रतिबंध लागू किए गए हैं।

चंडीगढ़ को मिली इलेक्ट्रिक बसों की सौगात, पीएम मोदी ने दिखाई वर्चुअली हरी झंडी

चंडीगढ़(एजेंसी)। चंडीगढ़ के लोगों को रविवार को 25 नई इलेक्ट्रिक बसों का तोहफा मिला है। इन बसों को पीएम मोदी ने गुवाहाटी से वर्चुअली हरी झंडी दिखाई है। ये बसें चंडीगढ़ को पीएमई बस सेवा योजना के तहत मिली हैं। इस दौरान चंडीगढ़ के एडमिनिस्ट्रेटर गुलाब चंद कटारिया भी मौजूद थे। प्रशासन का लक्ष्य अप्रैल तक शहर में कुल 100 इलेक्ट्रिक बसें चलाने का टारगेट पूरा करना है। चंडीगढ़ के प्रशासन गुलाब चंद कटारिया ने कहा कि इन बसों के आने से शहर के यात्रियों को आरामदायक सफर मिलेगा। उन्होंने कहा कि प्रशासन लोगों को बेहतर और प्रदूषण-मुक्त ट्रांसपोर्ट मुहैया करवाने के लिए वचनबद्ध है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इन नई बसों को हर वर्ग की जरूरतों को ध्यान में रखकर खास तौर पर डिजाइन किया गया है। महिलाओं और दिव्यांगों के लिए खास सुविधाएं दी गई हैं ताकि उनका सफर आरामदायक हो सके। यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए इन बसों में आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल किया गया है। हर बस में पैनिक बटन और सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। इसके अलावा, जीपीएस सिस्टम के जरिए बसों की लोकेशन का भी पता लगाया जा सकेगा। सूत्रों के मुताबिक जो बसें पहले लंबे रूट से हटाई गई थीं, उन्हें फिर से लंबे रूट पर चलाने की तैयारी की जा रही है। इससे अंतरराज्यीय यात्रा करने वाले यात्रियों को काफी सुविधा मिलेगी।

राजपाल यादव हैं जेल में और साल 2018 का वीडियो हो गया वायरल

-सलमान खान के साथ दिखा वीडियो, फैंस को लगा हो गए रिहा

मुंबई (एजेंसी)। बॉलीवुड अभिनेता राजपाल यादव के तिहाड़ जेल में रहने की खबरें सुर्खियां बनी हुई हैं। चेक बाउंस केस में उन्हें जेल जाना पड़ा है, जिसके बाद कई बॉलीवुड सितारे उनकी मदद के लिए सामने आए हैं। इसी बीच एक वीडियो तेजी से वायरल हुआ है, जिसमें वो रिहा होने की खुशी जता रहे हैं।

दरअसल सोशल मीडिया पर उनका एक वीडियो तेजी से वायरल हुआ है, जिसमें राजपाल यादव जेल से रिहा होने की खुशी जाहिर करते दिख रहे हैं और सलमान खान का धन्यवाद कर रहे हैं। वीडियो में राजपाल कहते हैं, सलमान भाई बड़े भाई की तरह हैं। उनके साथ बैठकर अंदर से बहुत खुशी महसूस होती है। फैंस इस वीडियो को देखकर मान बैठे कि राजपाल यादव जेल से बाहर आ गए हैं, लेकिन ऐसा कतई नहीं है। दरअसल वायरल वीडियो साल 2018 का बताया जा है, क्योंकि वर्तमान में तो एक्टर अभी भी तिहाड़ जेल में ही बंद हैं। राजपाल यादव पर साल 2010 का मामला दर्ज है। उन्होंने अपनी डायरेक्टोरियल डेब्यू फिल्म अता पता लापता बनाने के लिए 5 करोड़ रुपये उधार लिए थे, लेकिन फिल्म फ्लॉप हो गई और एक्टर कर्ज चुका नहीं पाए। कई चेक बाउंस होने के बाद उनका कुल कर्ज 9 करोड़ रुपये तक पहुंच गया। इस कारण उन्हें जेल में बंद किया गया। राजपाल की इस मुश्किल घड़ी में कई बॉलीवुड सितारे सलमान खान, अजय देवगन, वरुण धवन और सोनू सूद उनकी मदद को तैयार हैं। वायरल वीडियो के कारण फैन्स को भ्रम हुआ, लेकिन फिलहाल राजपाल यादव की रिहाई की कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है।

वार-पलटवार: एपस्टीन फाइल्स पर भाजपा ने सिब्बल को घेरा, राहुल गांधी से मांगा जवाब

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के बदनाम फाइनेंशर और यौन अपराधी जेफ्री एपस्टीन से जुड़ी फाइलों के सार्वजनिक होने के बाद भारत के राजनीतिक गलियारों में भी भूचाल आ गया है। इस मामले ने सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच एक नया मोर्चा खोल दिया है, जहां दोनों दल एक-दूसरे पर एपस्टीन से संबंधों के गंभीर आरोप लगा रहे हैं। शुरुआत में कांग्रेस ने केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी को निशाने पर लिया था, लेकिन अब भारतीय जनता पार्टी ने पलटवार करते हुए पूर्व केंद्रीय मंत्री और वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल पर सीधा हमला बोला है।

भाजपा ने कांग्रेस और राहुल गांधी से जवाब मांगते हुए दावा किया है कि कपिल सिब्बल को एक ऐसे कार्यक्रम में पुरस्कृत किया गया था, जिसे कथित तौर पर जेफ्री एपस्टीन ने फंड किया था। भाजपा प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने सोशल मीडिया पर आरोप लगाया कि साल 2010 में सिब्बल को जो सम्मान मिला, उसका संबंध एपस्टीन की फंडिंग से था। उन्होंने यह भी कहा कि सिब्बल लंबे समय तक गांधी परिवार के करीबी रहे हैं और कांग्रेस की विदेश इकाई के प्रमुख सैम पित्रोदा भी उसी समूह से जुड़े थे। हालांकि, कपिल सिब्बल ने इन दावों को पूरी तरह से बकवास बताते हुए खारिज कर दिया है। कांग्रेस की ओर से मोर्चा संभालते हुए प्रवक्ता पवन खेड़ा ने इन आरोपों का खंडन किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि 2010 में जब सिब्बल को पुरस्कार दिया गया, तब वह केंद्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री थे। उन्हें यह सम्मान शिक्षा में वैश्विक सहयोग के प्रति उनके दृढ़ समर्थन के लिए दिया गया था और इसका जेफ्री एपस्टीन या उसके किसी संदिग्ध नेटवर्क से कोई लेना-देना नहीं है। गौरतलब है कि कपिल सिब्बल ने 2022 में कांग्रेस छोड़ दी थी और वर्तमान में वह समाजवादी पार्टी के समर्थन से राज्यसभा सांसद हैं।

इस विवाद की जड़ें तब गहरी हुईं जब एपस्टीन फाइल्स में केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी का नाम सामने आया। कांग्रेस ने इसे मुद्दा बनाते हुए पुरी के इस्तीफे की मांग की और आरोप लगाया कि वह तथ्यों को लेकर झूठ बोल रहे हैं। वहीं, हरदीप सिंह पुरी ने अपनी स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा कि पेशेवर काम के सिलसिले में उनकी एपस्टीन से सामान्य जान-पहचान थी, लेकिन एपस्टीन के निजी कृत्यों या अपराधों से उनका कोई सरोकार नहीं रहा है। कुल मिलाकर, सात समंदर पार के एक अपराधी की फाइलों ने भारत में राजनीतिक नैतिकता की बहस को तेज कर दिया है। जहां भाजपा इसे कांग्रेस के पुराने रसूखदारों के अंतरराष्ट्रीय संबंधों से जोड़ रही है, वहीं कांग्रेस इसे वर्तमान सरकार के मंत्रियों की जवाबदेही का प्रश्न बना रही है। दोनों ही दल अब इस अंतरराष्ट्रीय विवाद के जरिए एक-दूसरे की छवि धूमिल करने का कोई मौका नहीं छोड़ रहे हैं।

सिक्किम और त्रिपुरा में लगे भूकंप झटके, तीव्रता कम होने से नहीं हुआ जान-माल का नुकसान

नई दिल्ली (एजेंसी)। रविवार सुबह भारत के उत्तर-पूर्वी राज्यों में भूकंप के कई झटके लगे। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी के आंकड़ों के मुताबिक भारत में कुल चार झटके दर्ज किए गए, जिनमें से तीन सिक्किम और एक त्रिपुरा में आया। सिक्किम के नामची में सुबह 5:26 बजे और फिर 6:58 बजे 2.4 तीव्रता के दो झटके महसूस किए गए, जबकि मंगन में सुबह 5:10 बजे 2.2 तीव्रता का भूकंप आया। इसके साथ ही त्रिपुरा के गोमती जिले में भी सुबह 6:38 बजे 2.6 तीव्रता का झटका आया। राहत की बात यह है कि इन झटकों की तीव्रता कम थी और केंद्र जमीन से केवल 5 से 10 किलोमीटर की गहराई में था। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक भारत के अलावा दुनिया के कई देशों में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए। अफगानिस्तान में सुबह 4:28 बजे 4.3 तीव्रता का सबसे तेज झटका महसूस आया, जिससे वहां हल्के नुकसान की खबरें है, हालांकि किसी जानमाल के नुकसान की सूचना नहीं है। इसके अलावा म्यांमार में तड़के दो बार 3.2 तीव्रता के झटके लगे। अमेरिका के ओक्लाहोमा, इंडोनेशिया के जावा, चिली और पुर्तगाल के अजोरेस द्वीप समूह में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए। सीस्मोलॉजिकल सेंटर के मुताबिक पुर्तगाल में आए भूकंप की तीव्रता 2.6 मापी गई। विशेषज्ञों के मुताबक रविवार को आए इन झटकों से कहीं भी बड़े नुकसान की खबर नहीं है। सिक्किम और त्रिपुरा में आए भूकंप के झटके हल्के थे, जिनसे जनजीवन पर कोई खास असर नहीं पड़ा। हालांकि, वैश्विक स्तर पर भूकंप हमेशा एक बड़ी चिंता का विषय है। आंकड़ों पर नजर डालें तो दुनिया भर में भूकंपों के कारण हर साल औसतन 40 से 60 अरब डॉलर यानी करीब 3 से 5 लाख करोड़ रुपये का आर्थिक नुकसान होता है। 2011 में जापान का तोहोकू भूकंप और 2023 में तुर्की-सीरिया में आई तबाही इसके भयावह उदाहरण हैं। बता दें सालाना आधार पर भूकंप के कारण औसतन 10,000 से 20,000 लोगों की मौत हो जाती है, लेकिन यह संख्या आपदा की तीव्रता के आधार पर बदलती रहती है। जानकारों का कहना है कि अक्सर भूकंप खुद उतना खतरनाक नहीं होता, जितना कि कमजोर इमारतों का गिरना, आग लगना, सुनामी या भूस्खलन नुकसान पहुंचाते हैं।

सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र कल से ऑस्ट्रेलिया दौरे पर, रक्षा सहयोग को मजबूत करने करेंगे चर्चा

नई दिल्ली (एजेंसी)। सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी 16 से 19 फरवरी तक ऑस्ट्रेलिया की आधिकारिक यात्रा पर जा रहे हैं। इस यात्रा का उद्देश्य भारत-ऑस्ट्रेलिया रक्षा सहयोग को और मजबूत करना और दोनों देशों के बीच बढ़ते तालमेल को सुदृढ़ करना है। अपनी सेना प्रमुख ऑस्ट्रेलियाई रक्षा बलों के वरिष्ठ नेतृत्व के साथ व्यापक वार्ता करेंगे, जिसका उद्देश्य प्रशिक्षण, संयुक्त अभ्यास, पेशेवर आदान-प्रदान और क्षमता निर्माण समेत सेना-से-सेना के बीच संबंधों को बढ़ाना है। सिडनी में सेना प्रमुख (सीओएएस) फोर्सेस कमांड (एफओआरकॉमडी), स्पेशल ऑपरेशंस कमांड (एसओकॉमडी) और द्वितीय डिवीजन के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बातचीत करेंगे। यह उल्लेखनीय है कि द्वितीय डिवीजन के सैनिक द्विपक्षीय सेना अभ्यास ऑस्ट्राहिंद में भाग लेते हैं, जिसका अगला संस्करण 2026 में भारत में आयोजित होने वाला है। सेना प्रमुख उपेंद्र कैनबरा में ऑस्ट्रेलियाई सेना प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल साइमन स्टुअर्ट के साथ बातचीत होगी। ऑस्ट्रेलियाई सेना प्रमुख और जनरल उपेंद्र द्विवेदी, यूएस आर्मी वॉर कॉलेज के 2015 बैच के पूर्व छात्र हैं और उनके बीच मजबूत पेशेवर संबंध हैं। इसके अलावा जनरल उपेंद्र संयुक्त संचालन कमान मुख्यालय (एचक्यूजेओसी) का दौरा करेंगे, जहां वे संयुक्त संचालन कमांडर से मिलेंगे और एकीकृत और बहु-क्षेत्रीय अभियानों समेत ऑस्ट्रेलियाई रक्षा बलों की परिचालन गतिविधियों के बारे में जानकारी प्राप्त करेंगे। सेना प्रमुख शहीद सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित करने और बलिदान एवं सेवा की साझा विरासत का सम्मान करने के लिए ऑस्ट्रेलियाई युद्ध स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित करेंगे। वे ऑस्ट्रेलिया में रहने वाले भारतीय रक्षा दिग्गजों से भी मुलाकात करेंगे, जो भारतीय सशस्त्र बलों और उसके दिग्गजों के बीच अटूट बंधन को रेखांकित करता है। यह दौरा रक्षा सहयोग को और बढ़ाने तथा हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति, स्थिरता और सुरक्षा में संयुक्त रूप से योगदान देने के लिए दोनों देशों की साझा प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है।

ममता बनर्जी ने तारिक भाई को भेजा फूल और मिठाइयां, रमजान की अग्रिम मुबारकबाद

-रहमान 17 फरवरी को लेंगे शपथ

कोलकाता (एजेंसी)। बांग्लादेश की राजनीति में बड़े बदलाव के तौर पर तारिक रहमान के नेतृत्व वाली बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) ने 13वें संसदीय चुनाव में ऐतिहासिक जीत दर्ज की है। पार्टी को दो-तिहाई बहुमत मिलने के बाद तारिक रहमान 17 फरवरी को प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने जा रहे हैं। उनके शपथ ग्रहण समारोह के लिए विभिन्न देशों के राष्ट्राध्यक्षों को निमंत्रण भेजे जा रहे हैं। इसी बीच पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने भाई रहमान को बधाई देने के साथ ही फूलों का गुलदस्ता और मिठाइयां भेजकर अपनी शुभकामनाएं प्रेषित की हैं।

तारिक रहमान को मिली शानदार जीत के बाद पड़ोसी भारत समेत अनेक देशों ने उन्हें बधाई प्रेषित की है। यहां पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने तारिक रहमान को फूलों का गुलदस्ता और मिठाइयाँ भेजकर अपनी शुभकामनाएँ दी हैं। बीएनपी चेयरमैन के राजनीतिक कार्यालय की ओर से जारी बयान में बताया गया, कि शनिवार को गुलशन स्थित कार्यालय में बीएनपी मीडिया सेल सदस्य अतिउर रहमान रुमन ने सीएम ममता बनर्जी की ओर से भेजे गए उपहार को प्राप्त किया। इससे एक दिन पहले ही ममता बनर्जी ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर तारिक रहमान को 'तारिक भाई' संबोधित करते हुए चुनावी जीत की बधाई दी थी। उन्होंने अपने संदेश में बांग्लादेश की जनता को शुभकामनाएँ देते हुए अग्रिम रमजान की मुबारकबाद भी दी। ममता बनर्जी ने लिखा कि यह जीत लोकतांत्रिक मूल्यों की जीत है और इससे क्षेत्रीय सहयोग को नई दिशा मिलेगी। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि ममता बनर्जी का यह कदम केवल औपचारिक बधाई नहीं, बल्कि भारत और बांग्लादेश के बीच सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और भौगोलिक रिश्तों को सुदृढ़ करने की दिशा में एक सकारात्मक संकेत है। पश्चिम बंगाल और बांग्लादेश के बीच लंबे समय से सामाजिक और सांस्कृतिक जुड़ाव रहा है, ऐसे में यह पहल द्विपक्षीय संबंधों में नई गर्माहट ला सकती है।

गौरतलब है कि तारिक रहमान दिसंबर 2025 में 17 वर्षों के निर्वासन के बाद लंदन से स्वदेश लौटे थे। उनकी वापसी और अब चुनावी विजय को उनके राजनीतिक जीवन का बड़ा उलटफेर माना जा रहा है। चुनाव परिणामों के बाद अंतरिम सरकार के प्रमुख और नोबेल पुरस्कार विजेता मोहम्मद यूनुस समेत कई अंतरराष्ट्रीय नेताओं ने भी उन्हें बधाई दी है। अब सबकी नजरें 17 फरवरी को होने वाले शपथ ग्रहण समारोह पर टिकी हैं, जिसे बांग्लादेश की राजनीति में नए अध्याय की शुरुआत के रूप में देखा जा रहा है।

जमानत के मिलने के बाद बार-बार नई एफआईआर करना कानून का दुरुपयोग : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली(एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि अगर किसी आरोपी को अदालत से जमानत मिल जाती है, तो उसे जेल में रखने के लिए बार-बार नई एफआईआर दर्ज करना कानून का दुरुपयोग है। कोर्ट ने साफ कहा कि यह तरीका मौलिक अधिकार के तहत सीधे हस्तक्षेप की मांग करता है। यह मामला झारखंड का है। 20 मई 2025 को रांची के एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) ने 1988 के तहत पहली एफआईआर दर्ज की थी। इसी मामले में आरोपी से पूछताछ चल रही थी, तभी एसीबी हजारीबाग ने 2010 में कथित वन भूमि के म्यूटेशन से जुड़े मामले में दूसरी एफआईआर दर्ज कर दी। यह मामला करीब 15 साल पुरानी घटना से जुड़ा था। इसके बाद 2025 में दो और एफआईआर दर्ज की गई।

ओवैसी का बड़ा बयान: वफादारी साबित करने के लिए वंदे मातरम का सहारा जरूरी नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहाद-उल-मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने राष्ट्रगीत और देश के प्रति वफादारी को लेकर एक विवादित टिप्पणी की है। एक हालिया इंटरव्यू के दौरान ओवैसी ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि वंदे मातरम गाना या इसे सम्मान देना किसी भी नागरिक की देश के प्रति वफादारी का पैमाना नहीं माना जाना चाहिए। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि ये संगठन भारत को एक धार्मिक राष्ट्र में तब्दील करने की कोशिश कर रहे हैं। ओवैसी ने तर्क दिया कि भारतीय संविधान हम लोग शब्द से शुरू होता है, न कि भारत माता की जय जैसे नारों से। उन्होंने संविधान के अनुच्छेद 25 का हवाला देते हुए कहा कि यह देश के हर नागरिक को धर्म की स्वतंत्रता के बुनियादी अधिकार की गारंटी देता है।

यह विवाद तब गहराया जब केंद्र सरकार ने 12 फरवरी को एक नया आदेश जारी किया। इस आदेश के तहत अब राष्ट्रगीत वंदे मातरम को राष्ट्रगान जन गण मन के समान ही सम्मान देना अनिवार्य कर दिया गया है। नए नियमों के अनुसार, अब राष्ट्रगीत के सभी छह अंतरों का गायन अनिवार्य होगा, जिसकी कुल अवधि 3 मिनट 10 सेकंड निर्धारित की गई है। इससे पहले तक आमतौर पर मूल गीत के केवल पहले दो अंतरे ही गाए जाते थे। ओवैसी ने अपने संबोधन में सावरकर को भारत रत्न देने की मांग की भी तीखी आलोचना की। उन्होंने जस्टिस कपूर कमीशन की रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि आयोग ने सावरकर को महात्मा गांधी की हत्या का साजिशकर्ता माना था। इसके अलावा, उन्होंने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा कयामत शब्द के इस्तेमाल पर भी कटाक्ष किया। ओवैसी ने चुटकी लेते हुए कहा कि मुख्यमंत्री को कम से कम एक उर्दू शब्द का हिंदी अर्थ पता होना चाहिए। राजनीतिक गलियारों में चल रही चर्चाओं पर विराम लगाते हुए ओवैसी ने लोकसभा स्पीकर ओम बिरला और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी से जुड़े किसी भी अविश्वास प्रस्ताव में अपनी भूमिका से साफ इनकार किया। तेलंगाना की राजनीति पर टिप्पणी करते हुए उन्होंने मजाकिया लहजे में कहा कि चुनाव के दौरान भाजपा जिस तरह उनका नाम लेती है, उससे लगता है कि वे उन्हें काफी पसंद करते हैं।

भारत के खिलाफ साजिश, मौत की सजा पाने वाले तीन अपराधी बने सांसद

-मुहम्मद यूनुस ने इन पर लगे आरोप हटा दिए थे, अब बांग्लादेश की संसद में बैठेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। बांग्लादेश में आम चुनाव में दिवंगत पूर्व पीएम खालिदा जिया की पार्टी बांग्लादेश नेशनिस्ट पार्टी (बीएनपी) ने भारी जीत हासिल की है। इस चुनाव में तीन नेता ऐसे भी हैं, जो बहुत ही भाग्यशाली रहे। इनमें दो नेता बीएनपी के और एक जमात-ए-इस्लामी से हैं। बीएनपी के लुत्फेज्जमां बाबर, अब्दुस सलाम पिंटू और जमात के अजहरुल इस्लाम इन तीनों पर गंभीर आरोप हैं। हालांकि मुहम्मद यूनुस ने इन पर लगे सभी आरोपों को हटा दिया था। अब ये तीनों बांग्लादेश की संसद में बैठेंगे।

बता दें दिसंबर 2024 में बांग्लादेश हाई कोर्ट ने तारिक रहमान, लुत्फोज्जमां बाबर और दूसरे लोगों को बरी कर दिया था। इन लोगों को 21 अगस्त 2004 को शेख हसीना को टारगेट करके किए गए ग्रेनेड हमले से जुड़े दो मामलों में दोषी ठहराया था। हालांकि वह बाल-बाल बच गईं, लेकिन इस हमले में 24 लोग मारे गए थे। लुत्फोज्जमां बाबर ने अपने सबसे करीबी प्रतिद्वंद्वी को 1.6 लाख वोटों से हराया। इसके अलावा अब्दुस सलाम पिंटू करीब 2 लाख वोटों से जीत हासिल की है। ये वही पिंटू है जिसे ग्रेनेड अटैक मामले में बरी किया गया। इतना ही नहीं पिंटू पर पाकिस्तान के टेरर ग्रुप हरकत-उल-जिहाद-अल-इस्लामी (हूजी) का समर्थन करने का आरोप था, जो भारत में हमलों के पीछे था। इसमें 2006 में उत्तर प्रदेश के वाराणसी में एक कोर्ट परिसर में, 2007 में अजमेर शरीफ दरगाह और 2011 में दिल्ली में हुए धमाके में शामिल था।

रिपोर्ट के मुताबिक 1971 के लिबरेशन वॉर में 1,200 से ज्यादा लोगों की मौत के लिए इस्लाम जिम्मेदार था। वह रेप के 13 मामलों में भी आरोपी है। इन सभी जुर्मों के लिए उसे 2014 में मौत की सजा दी गई थी, लेकिन यूनुस ने उसे माफ कर दिया और सभी आरोपों से बरी कर दिया था। इन तीनों नेताओं को मौत की सजा सुनाई गई, थी लेकिन यूनुस ने इन्हें माफ कर दिया और अब ये बांग्लादेश की संसद में बैठे नजर आएंगे।

मौसम में बड़ा बदलाव: पहाड़ी इलाकों में बर्फबारी का अलर्ट और मैदानों में गर्मी की दस्तक

देहरादून (एजेंसी)। देश के मौसम में इन दिनों विरोधाभासी स्थितियां देखने को मिल रही हैं। एक तरफ जहां पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र में सक्रिय दो नए पश्चिमी विक्षोभ (वेस्टर्न डिस्टरबेंस) के कारण पहाड़ों पर बर्फबारी का दौर शुरू होने वाला है, वहीं मध्य भारत के मैदानी इलाकों में पारा तेजी से चढ़ने लगा है। मौसम विज्ञानियों के अनुसार, 13 से 16 फरवरी के बीच सक्रिय हुए इन विक्षोभों का असर अगले दो दिनों तक हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर में भारी बारिश और बर्फबारी के रूप में दिखाई देगा।

मैदानी राज्यों की बात करें तो उत्तर प्रदेश और राजस्थान में 16 फरवरी से मौसम का मिजाज बदलने की संभावना है। राजस्थान के जयपुर और बीकानेर संभाग के जिलों के साथ-साथ पश्चिमी उत्तर प्रदेश में हल्की से मध्यम बारिश की आशंका जताई गई है। इस नए मौसमी तंत्र का सर्वाधिक प्रभाव 17 और 18 फरवरी को देखने को मिलेगा। इसके विपरीत, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के कई हिस्सों में गर्मी ने दस्तक दे दी है। भोपाल और इंदौर समेत मध्य प्रदेश के 17 शहरों में दिन का तापमान 30 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच चुका है, हालांकि पचमढ़ी और खजुराहो जैसे इलाकों में रातें अब भी ठंडी बनी हुई हैं। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में पारा 32.5 डिग्री सेल्सियस तक दर्ज किया गया है, जो सामान्य से अधिक है। पहाड़ी राज्यों में स्थिति काफी चुनौतीपूर्ण बनी हुई है। उत्तराखंड के पांच जिलों—उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग, चमोली, बागेश्वर और पिथौरागढ़ में 16 फरवरी को बर्फबारी का अलर्ट है। यहां मुनस्यारी में तापमान गिरकर -28 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है, जबकि बद्रीनाथ और गंगोत्री में भी पारा -20 डिग्री से नीचे बना हुआ है। हिमाचल प्रदेश के मंडी में दिन के तापमान में करीब 7 डिग्री का असामान्य उछाल देखा गया, लेकिन 16 फरवरी से लाहौल-स्पीति और किन्नौर के ऊंचाई वाले क्षेत्रों में फिर से बर्फ की सफेद चादर बिछने की उम्मीद है। इसके अतिरिक्त, 16 फरवरी को अरुणाचल प्रदेश में आंधी-तूफान के साथ बारिश की संभावना जताई गई है, जिससे पूर्वोत्तर भारत के तापमान में भी गिरावट आ सकती है।

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वरा पब्लिकेशनंस एलएलपी की ओर से शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातू, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित।
संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी, कार्यकारी संपादक- भीष्म सिंह, प्रबंध संपादक- पंकज कु. सिंह*, प्रधान संपादक- देवेंद्र सिंह (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), **प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह.** 9334331934, 7903538992, 9570107019, **RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902**